नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

बोकारो इस्पात संयंत्र में दीर्घकालीन सेवा पुरस्कार समारोह का आयोजन कर कर्मियों को किया गया सम्मानित

• बोकारो, रविवार 29 मार्च 2026 • वर्ष : 09 • अंक : 309 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

बाइकों की टक्कर में दो की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। पलामू जिले के पाटन थाना क्षेत्र के कारीहार गांव में शनिवार दोपहर दो बाइक की आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एमएमसीएच) मेदिनीनगर में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतकों की पहचान पड़वा निवासी ओमप्रकाश राम (पिता जोधन राम) और मनातू चक निवासी रामशरण दास के रूप में हुई है। घायलों में रामशरण दास की पोती अनु कुमारी और पांकी के रनेभरी निवासी गुड्डू राम का पुत्र विकास कुमार शामिल हैं। जानकारी के अनुसार एक बाइक पर ओमप्रकाश राम, रामशरण दास और अनु कुमारी सवार थे। दूसरी बाइक पर विकास

कुमार था, जो अपनी नानी के घर कारीहार आया था और वापस घर लौट रहा था। कारीहार गांव में पहुंचते ही दोनों बाइकों की जोरदार टक्कर हो गई, जिससे चारों सड़क पर गिर गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को घटना की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को एमएमसीएच पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने ओमप्रकाश राम और रामशरण दास को मृत घोषित कर दिया। वहीं अनु कुमारी और विकास कुमार का इलाज जारी है। पुलिस ने घटना की जानकारी मृतकों और घायलों के परिजनों को दे दी है। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

नैतिक नेतृत्व व ईमानदारी ही स्थायी संस्थानों की नींव : उपराष्ट्रपति

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। आईआईएम रांची के छात्रों के लिए आज का दिन बेहद ही खास रहा। संस्थान के 15वें दीक्षांत समारोह के मौके पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने मेधावी विद्यार्थियों को ना केवल सम्मानित किया बल्कि नैतिकता का पाठ पढ़ाते हुए ड्रग्स जैसे नशा से दूर रहने की अपील की। उन्होंने ड्रग्स जैसे घातक नशे से हो रहे क्षति पर चिंता जताते हुए इसके प्रति सचेत किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में उपराष्ट्रपति ने कहा कि तीन साल के अंतराल के बाद संस्थान का दौरा करना उनके लिए खुशी की बात है। झारखंड के पूर्व राज्यपाल के रूप में अपने जुड़ाव को याद करते हुए उन्होंने कहा कि वे इस संस्थान की प्रगति को बड़ी दिलचस्पी से देखते रहे हैं और इस दौरान आईआईएम रांची द्वारा हासिल की गई प्रगति वास्तव में उल्लेखनीय रही है। उपराष्ट्रपति ने सामाजिक रूप से उत्तरदायी शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रबंधन शिक्षा

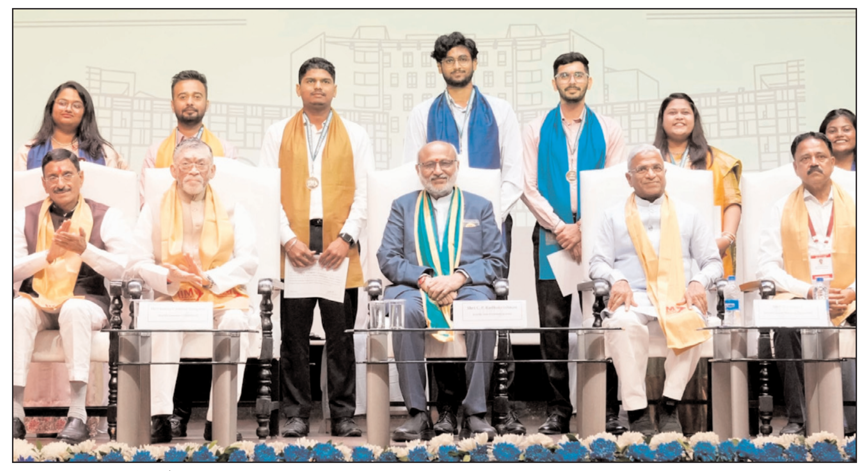

को बोर्डरूम और बैलेंस शीट से परे जाना चाहिए एवं समाज के साथ जुड़ना चाहिए, वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का समाधान करना चाहिए और समावेशी विकास में योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि अकादमिक केस स्टडी विश्लेषणात्मक कौशल का परीक्षण करती हैं जबकि जीवन में ऐसे निर्णय लेने पड़ते हैं जो लोगों की आजीविका, विश्वास और व्यापक सामाजिक हित को प्रभावित करते हैं। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे सफलता को केवल उपलब्धियों से नही, बल्कि उन मूल्यों और नैतिकता से परिभाषित करें जिनका अनुसरण करते हुए उपलब्धियां हासिल हुईं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि नैतिक नेतृत्व, ईमानदारी और विश्वास ही स्थायी संस्थानों की नींव हैं। उन्होंने छात्रों को शॉर्टकट के बजाय चरित्र और उसके उद्देश्य को चुनने के लिए प्रोत्साहित किया। उपराष्ट्रपति ने युवाओं से 2047 में विकसित भारत के राष्ट्रीय दृष्टिकोण में योगदान देने का आह्वान करते हुए उनसे वैश्विक स्तर पर सोचने, स्थानीय स्तर पर कार्य करने और यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि उनके कार्यों का प्रभाव जमीनी स्तर पर दिखे। संबोधन के दौरान उपराष्ट्रपति ने मंत्री सुदिव्य कुमार को आईआईएम रांची तक आनेवाली सड़क की स्थिति पर ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा कि ऐसे संस्थानों तक पहुंच पथ फोरलेन जरूर होना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

कोडरमा घाटी में पलटा रिफाइन लदा ट्रक

कोडरमा (नबिटा ब्यूरो)। कोडरमा थाना क्षेत्र में रांची-पटना मुख्य मार्ग पर स्थित कोडरमा घाटी के जमसोती नाला के पास शनिवार को एक सड़क हादसा हुआ। रिफाइन से लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। पश्चिम बंगाल के कोलकाता से रिफाइन लेकर यह ट्रक बिहार जा रहा था। कोडरमा घाटी में जमसोती नाला के सामने एक तीखे मोड़ पर चालक ने ट्रक से नियंत्रण खो दिया, जिससे वह पलट गया। हादसे के बाद ट्रक में लदे रिफाइन के डिब्बे सड़क पर बिखर गए। हालांकि, ट्रक चालक कूदकर अपनी जान बचाने में सफल रहा।

तीन दिनों से लापता महिला का शव बरामद

गुमला(नबिटा ब्यूरो)। जिले के धनगांव में कथित तौर पर डायन बिसाही के आरोप में एक 45 वर्षीय महिला की हत्या कर दी गई। शुक्रवार शाम पुलिस ने लापता मांगी देवी का शव करम टोंगरी पहाड़ से बरामद किया। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। शनिवार को पोस्टमार्टम के लिए शव सदर अस्पताल भेज दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार, मांगी देवी 24 मार्च से लापता थीं। उनके पति जोगी खड़िया और अन्य परिजनों ने काफी खोजबीन की लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला। शुक्रवार शाम करीब पांच बजे मांगी देवी के पुत्र विकास खड़िया ने करम टोंगरी के पास अपनी मां का शव देखा। इसके बाद ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

घर में फंदे से लटकी मिली युवक की लाश

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। कतरास थाना क्षेत्र के भट्टमुड़ना गांव में 22 वर्षीय युवक हिमांशु कुमार भट्ट का शव उसके कमरे में मिला। हिमांशु की लाश फांसी के फंदे से लटकी मिली। परिजन इसे आत्महत्या बता रहा है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेजा है। परिजनों के अनुसार हिमांशु रामनवमी के अवसर पर शुक्रवार सुबह करीब 12 बजे घर से बाहर गया था। वह देर रात करीब 10:30 बजे लौटा, जिसके बाद परिजनों ने उसे डांटा। डांट सुन वह कमरे में गया और फांसी लगा ली।

ग्राहक बनकर आए युवक ने दुकानदार को मारी गोली

गढ़वा(नबिटा ब्यूरो)। गढ़वा जिला स्थित श्री बंशीधर नगर थाना क्षेत्र के नरखोरिया गांव में, शनिवार को दिनदहाड़े गोलीबारी हुई, जिससे हड़कंप मच गया। बेखौफ अपराधियों ने एक दुकान में घुसकर 50 वर्षीय उमेश मेहता को निशाना बनाकर उन्हें गोली मार दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गये। बताया जाता है कि वे दिवंगत जय गोविंद महतो के के पुत्र हैं। सूचना मिलते ही एसडीपीओ सत्येंद्र नारायण सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच जांच शुरू कर दी है।

कोलकर्मियों को 30 लाख तक मिल सकेगा होम लोन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। कोल इंडिया में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए एक महत्वपूर्ण खबर है। वह यह कि कोल इंडिया लिमिटेड अपने कर्मचारियों को घर बनाने के लिए कम से कम 30 लाख रुपये तक का होम लोन देगी। लेकिन, कंपनी ने इसके लिए कुछ शर्त भी रखी है। शर्त यह है कि कोल इंडिया में कम से कम पांच साल तक सेवा देने के बाद ही कर्मचारियों को इसका लाभ मिल सकेगा। कोल इंडिया लिमिटेड ने अपने कर्मियों के लिए हाउस बिल्डिंग एडवांस (एचबीए) के नियमों में अहम संशोधन किया है। नए नियमों के तहत कर्मियों को घर बनाने या खरीदने के लिए अब 30 लाख रुपये तक की अग्रिम राशि मिल सकेगी। कंपनी के उन नियमित कर्मचारियों को यह लाभ मिलेगा, जिन्होंने कम से कम पांच वर्ष की सेवा (प्रोबेशन अवधि को छोड़कर) पूरी कर ली है। यदि पति और पत्नी दोनों कंपनी में कार्यरत हैं तो यह एडवांस केवल किसी एक को ही देय होगा। कर्मी को

उसके 75 महीनों के वेतन (बेसिक डीए आदि) या 30 लाख रुपये, जो भी कम हो, उतनी राशि दी जाएगी। जिस घर का निर्माण या खरीद की जा रही है, उसका क्षेत्रफल कम से कम 22 वर्ग मीटर होना अनिवार्य है। कोल इंडिया ने तय किया है कि ऐसे कर्मचारी, जिनकी सेवानिवृत्ति में 60 महीने (पांच वर्ष) से कम का समय बचा है, वे इस योजना के पात्र नहीं होंगे। अर्थात उम्र सीमा 55 साल से अधिक नहीं होना चाहिए। दूसरे सरकारी या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) से कोल इंडिया में आनेवाले कर्मियों की पिछली लगातार सेवा को भी इस पांच साल की अवधि में गिना जाएगा। यह एडवांस नए घर के निर्माण, प्लॉट खरीदने, तैयार घर खरीदने या मौजूदा घर के विस्तार के लिए लिया जा सकता है। घर के विस्तार के लिए अधिकतम छह लाख रुपये तक की सीमा तय की गई है। बशर्ते, कर्मी की कम से कम तीन वर्ष की सेवा शेष हो। नियमों के अनुसार, कोई भी कर्मी अपने पूरे सेवाकाल में केवल एक बार ही इस एडवांस का लाभ उठा सकता है। साथ ही, यह लोन अपने किसी ऐसे रिश्तेदार से जमीन या घर खरीदने के लिए नहीं दिया जायेगा, जो उन पर आश्रित हों।

सड़क दुर्घटना में बाल-बाल बचे विधायक

गढ़वा(नबिटा ब्यूरो)। भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक अनंत प्रताप देव एक भीषण सड़क दुर्घटना में बाल-बाल बच गए। घटना उस समय हुई जब वे अपने आवास से डंडई एक कार्यक्रम में भाग लेने जा रहे थे। रमना-श्रीबंशीधर मुख्य मार्ग पर सीरियाटोंगर मोड़ के समीप सामने से आ रही तेज रफ्तार वाहन (यूपी 40 डी 1875) गाड़ी अनियंत्रित हो गई जिससे यह हादसा हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वाहन ने पहले विधायक के स्कॉर्ट वाहन को जोरदार टक्कर मारी और उसके बाद सीधे विधायक की गाड़ी से भिड़ गई। टक्कर इतनी तेज थी कि वाहन का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और एयरबैग खुल गया। गनीमत रही कि एयरबैग समय पर खुलने के कारण विधायक को किसी प्रकार की गंभीर चोट नहीं आई और एक बड़ा हादसा टल गया।

चार लॉकर काट लाखों के गहने उड़ा गए चोर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। रामनवमी की रात रांची के पंडरा इलाके में एक घर में बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया है। पंडरा के रहने वाले सुजीत गुप्ता रामनवमी के दिन अपने परिवार से मिलने के लिए गुमला गए थे। इसी दौरान चोरों ने उनके घर पर बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। सुजीत के घर से चोरों ने 15 लाख रुपयों से ज्यादा के गहने गायब कर दिए हैं। रांची के पंडरा ओपी क्षेत्र के वेस्ट सरोवर नगर, देवी मंडप रोड में रहने वाले सुजीत कुमार गुप्ता के घर पर एक बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया है। चोर घर के दरवाजे का लॉक तोड़कर अंदर घुसे और सभी अलमीरा तोड़कर लाखों के जेवरात लेकर फरार हो गए। सुजीत कुमार ने बताया कि लगभग 15 लाख रुपए के जेवर और नकदी की चोरी की गई है। पीड़ित सुजीत गुप्ता ने बताया कि रामनवमी के दिन पूजा करके अपने गुमला स्थित गांव चले गए थे। बंद घर देखकर चोरी को अंजाम दिया गया है। पीड़ित सुजीत ने बताया कि चोर बेहद शातिर थे। उन्होंने उनके घर के चार दरवाजों के लॉक तोड़े और चार अलमीरा के लॉकर को काटा उसके बाद घर में चोरी की वारदात को अंजाम दिया। सुजीत ने बताया कि अलमीरा के लॉकर में 15 लाख से ज्यादा के गहने और 60 हजार नकद था। ऐसा लग रहा है कि जैसे चोरों को यह पता था कि उनके घर में ही गहने रखे हुए हैं, क्योंकि गहनों के अलावा चोरों ने घर के किसी भी सामान को हाथ नहीं लगाया। चोरों ने गहने खोजने के लिए पूरे घर के पूरे सामान को तहस-नहस कर दिया। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने कहा कि मामले की छानबीन की जा रही है। चोरों पर नकेल कसने के लिए रात्रि गश्ती को और बेहतर किया जाएगा।

तीन जंगली हाथियों की दस्तक से ग्रामीणों में दहशत का माहौल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

सरायकेला। झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले के कुकड़ू प्रखंड क्षेत्र में शनिवार सुबह उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब तिरुलडीह के आसपास तीन जंगली हाथियों का झुंड देखा गया। सुबह करीब 9 बजे बिरडीह से तिरुलडीह की ओर बढ़ते इन हाथियों को देखकर ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया। अचानक हाथियों के गांव के पास पहुंचने से लोग सतर्क हो गए। जानकारी के अनुसार, जंगल से निकलकर तीनों हाथी स्वर्णरेखा नदी तक पहुंचे। वहां कुछ समय तक वे नदी किनारे और पानी में विचरण करते रहे। इस दौरान कई ग्रामीणों ने दूर से हाथियों को देखा और उनकी गतिविधियों को अपने मोबाइल कैमरे में कैद किया। कुछ देर रुकने के बाद हाथियों का झुंड धीरे-धीरे तिरुलडीह की दिशा में आगे बढ़ गया जिससे आसपास के गांवों में भय और बढ़ गया। जैसे ही हाथियों के गांव के समीप पहुंचने की खबर फैली, ग्रामीण अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए और स्थिति का जायजा लेने लगे। हालांकि, खतरे को देखते हुए लोगों ने सतर्कता बरतते हुए बच्चों को घरों के अंदर ही रहने की हिदायत दी। ग्रामीणों का कहना है कि इस क्षेत्र में जंगली हाथियों का आना-जाना आम बात है, लेकिन हर बार यह स्थिति भय पैदा कर देती है। खासकर जब हाथी आबादी के करीब पहुंच जाते हैं, तो जान-माल का खतरा बढ़ जाता है। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग को जानकारी दे दी गई। विभाग की टीम अब हाथियों की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है। अधिकारियों ने ग्रामीणों से सतर्क रहने और हाथियों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की है।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णान पहुंचे उलिहातू, भगवान बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

खूंटी। भारत के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन और झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार शनिवार को भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली खूंटी जिले के उलिहातु पहुंचे। हेलीपैड पर जिला प्रशासन द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस मौके पर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने उपराष्ट्रपति का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। उपायुक्त आर. रॉनिटा और पुलिस अधीक्षक मनीष टोप्पो सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। इसके बाद उपराष्ट्रपति और राज्यपाल उलिहातु स्थित भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली पहुंचे, जहां उन्होंने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान दोनों गणमान्य अतिथियों ने बिरसा मुंडा के वंशजों से आत्मीय मुलाकात की और उन्हें मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के

दौरान उपराष्ट्रपति ने वहां उपस्थित बच्चों से संवाद किया। उन्होंने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इसके पश्चात वे बिरसा कॉम्प्लेक्स पहुंचे, जहां पुनः भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए और स्थानीय ग्रामीणों से भी मुलाकात की। इस अवसर पर राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह, उपराष्ट्रपति के सचिव अमित खरे सहित अन्य गणमान्य अतिथि और संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। उपराष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा कि उलिहातू की पवित्र धरती पर आकर वे गहराई से भावुक हैं। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा का जीवन और उनका बलिदान आज भी देश की पीढ़ियों को प्रेरणा देता है। उन्होंने अपने पुराने अनुभव को साझा करते हुए बताया कि जब उन्होंने झारखंड के राज्यपाल के रूप में शपथ ली थी, उसी दिन वे उलिहातू आए थे। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि वह अनुभव उनके लिए बेहद खास और यादगार रहा है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि वर्ष 2021 में नरेंद्र मोदी द्वारा 15 नवंबर बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय ऐतिहासिक है। इससे देशभर में जनजातीय समाज की विरासत और गौरव को नई पहचान मिली है। उपराष्ट्रपति ने यह भी उल्लेख किया कि उन्हें झारखंड के खूंटी में प्रधानमंत्री के साथ मौजूद रहने का अवसर मिला था, जब पीएम नरेंद्र मोदी ने 'पीएम जनमन योजना' की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि यह योजना विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के संरक्षण और सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में व्यवस्था नाम की चीज नहीं : प्रदीप

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में शव के पोस्टमार्टम में विलंब होने पर सदर विधायक प्रदीप प्रसाद भड़क गए। विरोध में विधायक अपने समर्थकों और मृतक के परिजनों के साथ सड़क पर ही धरने पर बैठ गए। सैकड़ों की संख्या में लोग अस्पताल गेट के सामने जमे रहे। इस दौरान विधायक ने मेडिकल कॉलेज की कुव्यवस्था पर सवाल उठाए। दरअसल, बीती रात रामनवमी के जुलूस के दौरान कटकमसांडी प्रखंड के गोदखर गांव निवासी राम कुमार साव की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई थी। बीते रात ही पोस्टमार्टम के लिए शव हजारीबाग के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया था। डॉक्टर सुबह के 9:00 बजे आने वाले थे लेकिन 2 घंटे बीत जाने के बावजूद भी चिकित्सक के नहीं आने पर सदर विधायक भड़क गए। इस दौरान

विधायक ने कहा कि अस्पताल अधीक्षक, उपायुक्त समेत कई लोगों को जानकारी देने के बावजूद पोस्टमार्टम समय पर नहीं हुआ। पोस्टमार्टम समय पर नहीं होने के कारण धरने पर बैठने को विवश हो गए। विधायक ने पोस्टमार्टम के एवज में मृतक के परिजनों से पैसे मांगने का भी आरोप लगाया है। सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि मेडिकल कॉलेज अस्पताल में व्यवस्था नाम की चीज नहीं रह गई है। सिर्फ बड़े-बड़े अधिकारी बयान देने के लिए पहुंचते हैं। उसके बाद अस्पताल की वही स्थिति हो जाती है। डॉक्टर समय पर नहीं मिलते हैं और पैसे के बदौलत मरीजों का इलाज होता है। विधायक ने आरोप लगाया कि पोस्टमार्टम के लिए डॉक्टर मोटी रकम मृतक के परिजनों से वसूलते हैं। इधर, मामले की जानकारी मिलने के बाद मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक डॉक्टर अनुकरण पूर्ति पहुंचे और जल्द से जल्द पोस्टमार्टम करने का आश्वासन दिया। इसके बाद विधायक ने धरना समाप्त किया। पोस्टमार्टम में विलंब होने को लेकर शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अनुकूलन पूर्ति ने कहा कि जिस चिकित्सक की ड्यूटी थी वो विलंब से आए थे। उनपर कार्रवाई की जाएगी। रहा पोस्टमार्टम करने के एवज में पैसा मांगने का आरोप तो मामले की जांच कराई जाएगी। जांच में आरोप साबित होने पर दोषी डॉक्टर को निष्कासित करने के लिए सरकार को पत्राचार भी किया जाएगा। दरअसल रामनवमी के दौरान कटकमसांडी प्रखंड के गदोखर गांव में जुलूस के बीच हुई हिंसक घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। उन्हीं के शव का पोस्टमार्टम में विलंब के कारण विधायक ने मेडिकल कालेज में व्याप्त कुव्यवस्था को लेकर धरना पर बैठ गये।

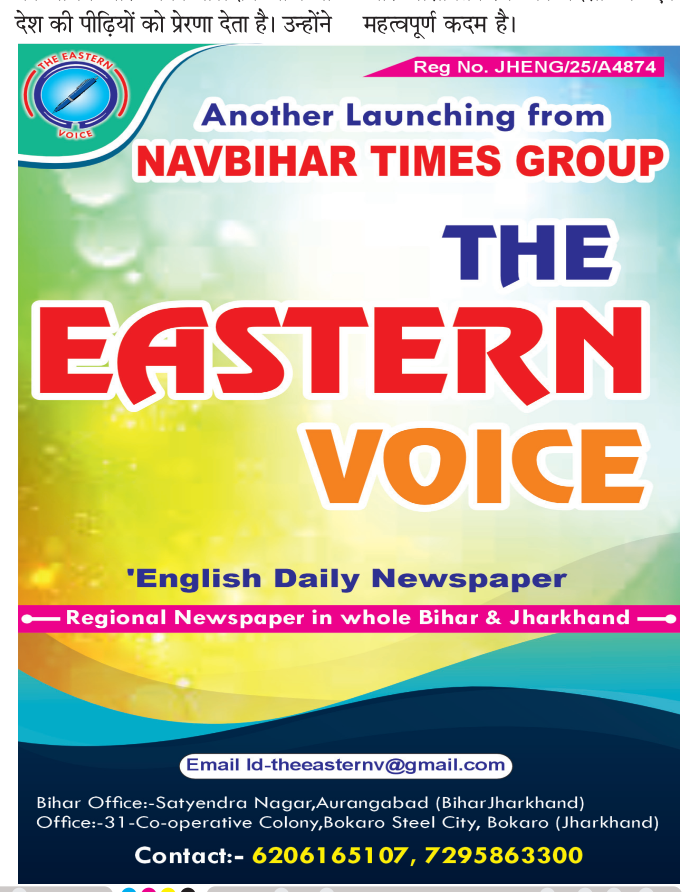

C M Y K

रामनवमी पर आस्था का सैलाब, जय श्रीराम के जयघोष से गूंजा शहर

अखाड़ा जुलूस में उमड़ी भारी भीड़, युवाओं ने किया शौर्य प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। रामनवमी के पावन अवसर पर शनिवार को गिरिडीह शहर पूरी तरह भक्ति और उत्साह में सराबोर नजर आया। शहर के विभिन्न इलाकों से निकले भव्य अखाड़ा जुलूस में हजारों श्रद्धालुओं की भागीदारी रही। ह्लजय श्रीरामह्व और ह्लजय हनुमानह्व के गगनभेदी नारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा अखाड़ा जुलूस के दौरान युवाओं ने लाठी, तलवार एवं पारंपरिक युद्धकला का शानदार प्रदर्शन किया। जगह-जगह पर बनाए गए मंचों पर खिलाड़ियों ने अपनी कला का प्रदर्शन कर लोगों का मन मोह लिया।

इस दौरान सड़कों पर दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था, प्रशासन रहा मुस्तैद रामनवमी को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। अधिकारियों द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही थी, जिससे पूरा आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ चैत्र नवरात्र की नवमी तिथि पर श्रद्धालुओं ने मां सिद्धिदात्री की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। शहर के विभिन्न मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। भजन-कीर्तन और पूजा-पाठ से माहौल पूरी तरह भक्तिमय बना रहा।श्रीराम जन्मोत्सव पर विशेष आयोजन भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के अवसर पर मंदिरों में विशेष पूजा, हवन और भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने पूरे श्रद्धा भाव से पूजा कर सुख-समृद्धि की कामना की।सौहार्द और एकता की मिसाल पर्व के दौरान सभी समुदायों के लोगों ने मिलकर भाईचारे का संदेश दिया। जगह-जगह पर श्रद्धालुओं के लिए पानी, शरबत एवं अन्य व्यवस्थाएं की गईं, जिससे सामाजिक समरसता की अनूठी मिसाल देखने को मिली।

डॉ. अंबेडकर कीर्ति सम्मान 2026 से सम्मानित होंगे डॉ. ब्रजेश बर्णवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

■ डॉ. ब्रजेश बर्णवाल को प्रतिष्ठित सम्मान हिंदी भाषा एवं साहित्य की दीर्घकालिक सेवा, देश-विदेश में मातृभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार तथा गद्य एवं काव्य लेखन हेतु दिया जायेगा

गिरिडीह। डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती महोत्सव के पावन अवसर पर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बरगंडा, गिरिडीह के हिंदी आचार्य एवं प्रख्यात साहित्यकार डॉ. ब्रजेश बर्णवाल को डॉ. अंबेडकर कीर्ति सम्मान 2026 से सम्मानित किया जाएगा यह सम्मान अखिल भारतीय कबीर मठ, सद्गुरु कबीर आश्रम सेवा संस्थान बड़ी खाटू एवं डॉ. अंबेडकर प्रतिमा अनावरण सेवा समिति, रोहिणी राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित समारोह में प्रदान किया जाएगा।

कार्यक्रम का आयोजन संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत डॉ. नानक दास जी महाराज के सानिध्य में होगा डॉ. ब्रजेश बर्णवाल को यह प्रतिष्ठित सम्मान हिंदी भाषा एवं साहित्य की दीर्घकालिक सेवा, देश-विदेश में मातृभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार तथा गद्य एवं काव्य लेखन में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रदान किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि उन्हें पूर्व में भी कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है तथा उनका नाम हिंद एशिया वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड में भी दर्ज है इस उपलब्धि पर विभिन्न साहित्यिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठनों ने डॉ. बर्णवाल को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं दीर्घायु की कामना की है। कार्यक्रम की रूपरेखा के अनुसार, 13 अप्रैल की संध्या को सांस्कृतिक कार्यक्रम, काव्य पाठ, कबीर भजन एवं गायन का आयोजन किया जाएगा। 14 अप्रैल को प्रातः शोभा यात्रा के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन द्वारा होगा। इसी दिन धूमधाम एवं गाजे-बाजे के साथ डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण भी किया जाएगा समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में नागौर विधायक हरेंद्र मिर्धा, अति विशिष्ट अतिथि के रूप में राजस्थान सरकार की राज्य मंत्री डॉ. मंजू मेघवाल, पद्मश्री से सम्मानित पर्यावरण प्रेमी हिमताराम भांभू, जिला कलेक्टर चंपालाल जैनगर, पूर्व डीजीपी रवि प्रकाश मेहरड़ा, एनएचआई के रोड सेफ्टी इंजीनियर वी. डी. इदोरा, अजमेर विद्युत वितरण निगम के एमडी के. पी. वर्मा तथा अध्यक्षता महेश शर्मा सरपंच, रोहिणी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे इस अवसर पर साहित्य, शिक्षा, समाजसेवा, चिकित्सा, गायन एवं वादन जैसे विभिन्न क्षेत्रों की लगभग 100 विशिष्ट हस्तियों को डॉ. अंबेडकर कीर्ति सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। साथ ही सभी सम्मानित प्रतिभागियों को भारत के संविधान की प्रति भेंट की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

रामनवमी शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न, प्रशासन और समाज के सामूहिक प्रयास की सराहना : राजेश सिन्हा

गिरिडीह (नबिटासं)। रामनवमी के पावन अवसर पर गिरिडीह में इस वर्ष शांति, सौहार्द और एकता की मिसाल देखने को मिली। माले नेता राजेश सिन्हा ने जिलेवासियों, अखाड़ा समितियों एवं प्रशासन को बधाई देते हुए कहा कि यह आयोजन सामूहिक सहयोग और बेहतर समन्वय का परिणाम है उन्होंने कहा कि दर्जनों अखाड़ा समितियों ने अनुशासन और एकजुटता का परिचय देते हुए पूरे उत्साह के साथ जुलूस निकाला। इस दौरान महिला, युवा, बच्चियां और बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और आकर्षक प्रदर्शन प्रस्तुत किया। विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा लगाए गए स्टॉलों पर शर्बत, पानी और फल की व्यवस्था ने लोगों को राहत पहुंचाई और आपसी भाईचारे को मजबूत किया। राजेश सिन्हा ने जिला प्रशासन की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक, अनुमंडल पदाधिकारी, डीडीसी सहित सभी विभागों के अधिकारी-कर्मी, थाना प्रभारी, पुलिस मित्र और मीडिया ने मिलकर पर्व को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई उन्होंने कहा कि सभी धर्मों के लोग आपसी मेल-जोल से समाज को बेहतर बनाने का काम कर रहे हैं, लेकिन कभी-कभी छोटी-छोटी बातों पर अहंकार (इगो) के कारण विवाद उत्पन्न हो जाता है। ऐसे में सभी को संयम और समझदारी से काम लेने की जरूरत है, तभी गिरिडीह को पूरी तरह शांतिपूर्ण बनाया जा सकता है सिन्हा ने आगे कहा कि जिस प्रकार लोग धार्मिक आयोजनों में एकजुट होते हैं, उसी तरह सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर भी एकता दिखानी होगी। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे आगे बढ़कर जिले में मूलभूत सुविधाओं की कमी के खिलाफ आवाज उठाएं और जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर विकास कार्यों को गति दें अंत में उन्होंने कहा कि समाज में कुछ असामाजिक तत्व शांति भंग करने की कोशिश करते हैं, जिनकी पहचान कर उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन देना आवश्यक है। इससे समाज में स्थायी शांति और भाईचारा कायम रहेगा।

लावारिस व्यक्ति का बारसोई पुलिस ने अनुमंडल अस्पताल में कराया इलाज

बारसोई/कटिहार (नबिटासं)। मानवता की पहचान बारसोई पुलिस ने दी है। शनिवार की सुबह नगर पंचायत स्थित स्टेशन के पास लावारिश अवस्था में बेहोश गिरे हुए व्यक्ति को बारसोई पुलिस ने उठाकर अनुमंडलीय अस्पताल इलाज के लिए लाया। लावारिश व्यक्ति के पास से पैन कार्ड के जरिए बारसोई पुलिस ने परिजन से संपर्क किया । जानकारी के अनुसार दिल्ली से इकरामुल अली ट्रेन पड़कर घर आ रहे थे। इसी बीच एक व्यक्ति द्वारा बिस्कुट दिया गया। खाकर वह बेहोश हो गया। बारसोई कैसे पहुंचा यह उन्हें भी जानकारी नहीं है।इस संबंध में बारसोई थानाध्यक्ष उमेश कुमार ने कहा कि सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति जो रघुनाथपुर के पास गिरे हुए हैं । तुरंत बारसोई पुलिस पहुंचकर अपने साथ लेकर अनुमंडलीय अस्पताल लाया जहां वह पूरी तरह से बेहोश थे। इलाज के उपरांत बेहोश पड़े व्यक्ति की पहचान इनामुल अली पश्चिम बंगाल पहाड़पुर के रहने वाले हैं। परिजनों से संपर्क की गई। परिजन पश्चिमबंगाल से आकर अपने पुत्र को अपने साथ ले गई।

सरकार की योजनाओं की दी गई जानकारी

बारसोई/कटिहार (नबिटासं)। बारसोई प्रखंड सभागार में वार्ड सदस्यों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विभिन्न पंचायत के सभी पंचायत सचिव सम्मिलित हुये। पंचायत सचिव मुकेश ठाकुर, अशोक कुमार,सुमित कुमार दीपक कुमार एवं डब्लू कुमार ने वार्ड सदस्यों को प्रशिक्षण के दौरान बताया कि अब वार्ड सदस्य अपने-अपने वार्ड में सरकारी जमीन पर स्थापित कब्रिस्तान, शवदाह गृह, मोक्ष धाम एवं अस्मशान घाट के प्रभारी होंगे। सरकार के आदेश अनुसार 24 घंटे में मृत्यु प्रमाण पत्र पंचायत सचिव को जारी करना है। जिसके लिए वार्ड सदस्य प्रखंड कार्यालय तक मृत्यु के शीघ्र पक्ष सूचित करेंगे। सूचना प्राप्त होते ही तय सीमा अवधि 24 घंटा के अंदर पंचायत सचिव द्वारा मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा।

मारवाड़ी युवा मंच कटिहार जागृति शाखा का चुनाव संपन्न

कटिहार (नबिटासं)। मारवाड़ी युवा मंच कटिहार जागृति शाखा का चुनाव संपन्न हुआ। जिसमें सर्व सम्मति से अध्यक्ष श्रीमति रीना मित्तल, सचिव श्रीमति तृषा मित्तल और कोषाध्यक्ष श्रीमति सरिता गोयनका को बनाया गया। मीटिंग में वर्तमान अध्यक्ष खुशबू अग्रवाल, संस्थापक अध्यक्ष रेनीता चौधरी, कोकिला अग्रवाल, कविता यादूका, अनिता यादुका, मीनू भोपालका, संतोष देवी, पूजा अग्रवाल, सरोज सेकसरिया, रूपा अग्रवाल आदि सदस्य उपस्थित रहे ।

मोमबत्ती से लगी आग से घर सहित लाखों की संपत्ति जलकर खाक

बरारी/कटिहार (नबिटासं)। - प्रखंड के सेमापुर क्षेत्र बरेटा पंचायत के वार्ड संख्या 2 में निवासी शेख आबिद के घर में गत बीते रात्रि मोमबत्ती से अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। आग की तेज लपटों से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का भरसक प्रयास किया। लेकिन आग इतनी तेजी से फैल रही थी कि उस पर काबू पाना मुश्किल हो गया। ग्रामीणों के मदद से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।हालांकि तब तक शेख आबिद के घर में रखे सारा सामान पूरी तरह जलकर चुका था। इस घटना में घर में रखे तीन लाख रुपए नकद, अनाज, कपड़े, कागजात और अन्य जरूरी सामान सहित लाखों रुपए की संपत्ति जलकर नष्ट हो गई। इस हादसे के बाद पीड़ित परिवार का रो-रो कर बुरा हाल है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता देने बात कही है। वही स्थानीय ग्रामीणों ने स्थानीय प्रशासन से अग्नि पीड़ित को मुआवजा दिलाने की मांग किया है।

रामनवमी पर एकता की मिसाल, एकता मंच ने लगाया सेवा शिविर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। रामनवमी के पावन अवसर पर गिरिडीह एकता मंच द्वारा मौलाना आजाद चौक पर श्रद्धालुओं के लिए पानी, शरबत एवं आकर्षक लाइटिंग की व्यवस्था की गई। यह सेवा कार्य झामुमो के वरिष्ठ नेता इरशाद अहमद वारिस एवं नगर उपाध्यक्ष नौशाद अहमद चांद के सौजन्य से किया गया

इस दौरान झारखंड के नगर विकास मंत्री सुदिव्या सोनू, मेयर प्रमिला मेहरा सहित शहर के कई गणमान्य लोग मौके पर पहुंचे और इस पहल की सराहना की रामनवमी के अवसर पर मौलाना आजाद चौक से गुजरने वाले सभी अखाड़ों के श्रद्धालुओं ने रुककर पानी और शरबत ग्रहण किया।

देर रात तक चले इस सेवा शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और व्यवस्था का लाभ उठाया गिरिडीह एकता मंच की इस पहल को शहर में हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल के रूप में देखा जा रहा है। इस आयोजन से आपसी भाईचारे और सौहार्द का संदेश गया, जिससे सभी समुदाय के लोगों में खुशी का माहौल देखा गया।

मासूम से दरिंदगी पर कांग्रेस ने जताई चिंता, त्वरित कारवाई की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिले के विष्णुगढ़ प्रखंड में 12 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म एवं निर्मम हत्या की घटना से पूरे राज्य में शोक और आक्रोश का माहौल है। इस हृदयविदारक घटना पर कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष धनंजय कुमार सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर गहरी चिंता व्यक्त की है उन्होंने कहा कि यह जघन्य अपराध मानवता के मूल्यों पर गहरा आघात है और समाज के लिए अत्यंत चिंताजनक है।

घटना के कई दिन बीत जाने के बावजूद आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होना गंभीर सवाल खड़े करता है। इससे पीड़ित परिवार के साथ-साथ स्थानीय लोगों में असुरक्षा और भय का वातावरण बन गया है कांग्रेस कमेटी ने प्रशासन से मांग की है कि मामले में शामिल सभी दोषियों की जल्द पहचान कर उनकी त्वरित गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए। साथ ही जांच प्रक्रिया में तेजी लाई जाए और निष्पक्ष एवं प्रभावी जांच के लिए विशेष जांच दल (सीट) के गठन पर भी विचार किया जाए धनंजय कुमार सिंह ने पीड़ित परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी इस कठिन समय में उनके साथ खड़ी है और न्याय दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास करेगी।

राम जन्मोत्सव पर निकली शोभायात्रा, झांकियां बनी आकर्षण का केंद्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

केरेडारी (हजारीबाग)। राम जन्मोत्सव के पावन अवसर पर केरेडारी प्रखंड के विभिन्न हिस्सों में श्रीराम भक्तों द्वारा भव्य शोभायात्राएं निकाली गईं। पूरे प्रखंड में श्रद्धा, उल्लास और भक्तिमय माहौल के बीच रामनवमी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। अलग-अलग गांवों और क्षेत्रों के लोग एकजुट होकर इस उत्सव में शामिल हुए, जिससे पूरा इलाका जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा।

प्रखंड क्षेत्र के प्रमुख स्थलों पर आयोजित मेलों और शोभायात्राओं में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। बांग्लाटांड़ मेला इस अवसर का प्रमुख केंद्र रहा, जहां केरेडारी, ओमे, खपिया, सलगा, कुठान, जोको, कराली और घुट्टू गांवों की शोभायात्राओं का भव्य संगम हुआ। वहीं बसरिया मेलाटांड़ में बसरिया, बेंगवरी, पांडु, बालेदेवरी, हेवई, लोचर और हरिला गांवों के राम भक्तों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसी प्रकार पेटो मेले में सायल, पुरनी पेटो, चट्टी पेटो, बेला पेटो और भदईखाप के सैकड़ों ग्रामीण उत्साहपूर्वक शामिल हुए। इसके अलावा प्रखंड के अन्य क्षेत्रों बेलतू, कंडाबेर, मनातू, चट्टीबारियातू, पचड़ा, बुंडू, बारियातू एवं हेन्देगिर में भी मेला एवं शोभायात्राओं का आयोजन किया गया, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। शोभायात्रा के दौरान विभिन्न अखाड़ों की आकर्षक झांकियां शामिल हुईं, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र रहीं। कई अखाड़ों ने पारंपरिक शैली में अपने कला-कौशल, धार्मिक प्रस्तुतियों और सांस्कृतिक प्रदर्शन से माहौल को और भव्य बना दिया। बेहतर प्रदर्शन करने वाले अखाड़ों एवं झांकियों को आयोजन समिति की ओर से पुरस्कृत भी किया गया, जिससे प्रतिभागियों में खासा उत्साह देखने को मिला। राम जन्मोत्सव को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। पूरे प्रखंड में सुरक्षा व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त रही। संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। वहीं जगह-जगह सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन कैमरों के माध्यम से निगरानी की जा रही थी, ताकि किसी भी आपात स्थिति पर समय रहते नियंत्रण पाया जा सके। भक्ति, अनुशासन और सामाजिक एकता के बीच संपन्न हुआ यह आयोजन केरेडारी प्रखंड में आस्था, सांस्कृतिक समरसता और पारंपरिक विरासत का अद्भुत उदाहरण बनकर सामने आया।

कटिहार में बन रही सामाजिक सरोकार से जुड़ी लघु फिल्म पलायन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार । कटिहार में बन रही सामाजिक सरोकार से जुड़ी लघु फिल्म पलायन मार्मिक विषय पर आधारित प्रभावशाली प्रस्तुति मैं बिहार हूं एवं कोशी संगम इंटरटेनमेंट चैनल के संयुक्त तत्वावधान में विगत कई वर्षों से सामाजिक, सांस्कृतिक एवं समसामयिक विषयों पर आधारित लघु फिल्मों का सफल निर्माण किया जाता रहा है। इसी क्रम में पूर्व में निर्मित लघु फिल्म ह्लराम हाफिज को कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।

इसके उपरांत छठ महापर्व पर आधारित फिल्म छठ माटी बुलाती है को भी विभिन्न फिल्म फेस्टिवल में लगभग एक दर्जन पुरस्कार प्राप्त हुए। अब इसी कड़ी में अगली प्रस्तुति के रूप में राजू दत्ता द्वारा लिखित एवं आलोक कुमार द्वारा निर्देशित लघु फिल्म ह्लपलायनह्व की शूटिंग इन दिनों जोर-शोर से जारी है। यह फिल्म वर्ष 2024 में बांग्लादेश में हुए दंगों की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसे अत्यंत मार्मिक एवं संवेदनशील ढंग से फिल्माया जा रहा है। इस लघु फिल्म में लगभग दो दर्जन कलाकार अपनी भूमिका निभा रहे हैं। पिछले दो महीनों से अधिक समय से फिल्म की शूटिंग कटिहार जिले के विभिन्न स्थानों पर की जा रही है।

जिसमें स्थानीय परिवेश और यथार्थ को बारीकी से दशार्ने का प्रयास किया गया है। कैमरा मनीष कुमार झा,अभिनव पॉल प्रकाश एवं ध्वनि राहुल मंडल,मेकअप अंजलि कुमारी, बाल कलाकार अमन कुमार, दिव्यांशी कुमारी और मुख्य भूमिका में डॉ. रिचा चौधरी, भावना सिंह, स्नेहा श्रीवास्तव, कौशिक कर, अनिल चमरिया, कुमार सत्यम आदि फिल्म की पूरी टीम समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ इस प्रोजेक्ट को एक सशक्त और भावनात्मक प्रस्तुति बनाने में जुटी हुई है। उम्मीद है कि पलायन भी अपने पूर्ववर्ती फिल्मों की तरह राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सवों में अपनी विशेष पहचान बनाएगी और दर्शकों के दिलों को गहराई से छुएगी।फिल्म को जल्द ही विभिन्न फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित किए जाने की योजना है।

रामनवमी से पहले हजारीबाग में युवक की हत्या, चाकूबाजी में एक गंभीर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो। हजारीबाग में रामनवमी से पहले हिंसा की घटनाओं ने माहौल को तनावपूर्ण बना दिया है। शहर में आज जुलूस और झांकियां निकलनी हैं, लेकिन उससे पहले गदोखर इलाके में एक बड़ी वारदात सामने आई। जुलूस के दौरान मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया और भुजाली से हमला कर राम कुमार साव उर्फ रामा साव (40 वर्ष) की निर्मम हत्या कर दी गई। मृतक को स्थानीय मुखिया का भाई बताया जा रहा है।

इसी बीच दीपूगढ़ा इलाके में भी चाकूबाजी की घटना हुई है। ब्रह्मऋषि समाज के अध्यक्ष मुकेश कुमार सिंह पर आपसी रंजिश में चाकू से हमला किया गया, जिसमें वे गंभीर रूप से घायल हो गए। बेहतर इलाज के बाद स्थिति सामान्य है। घटनाओं के बाद प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। सीओ अनिल कुमार गुप्ता सहित कई अधिकारी अस्पताल पहुंचे और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है। वहीं पोस्टमार्टम में देरी और स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर विधायक प्रदीप प्रसाद सदर अस्पताल गेट पर धरने पर बैठ गए। प्रशासन ने आम लोगों से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की है तथा भगवान श्रीराम के आदर्शों पर चलते हुए शांतिपूर्ण तरीके से रामनवमी मनाने का संदेश दिया है।

गांडेय में जन मुद्दों पर आंदोलन तेज करने पर जोर, जिला कमेटी की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। गिरिडीह एवं गांडेय विधानसभा क्षेत्र के जिला कमिटी और प्रखंड कमिटी सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक बेंगाबाद प्रखंड के रातडीह में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला माले कमिटी के सचिव अशोक पासवान ने की, जबकि अखिल भारतीय किसान महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य पूरन महतो मुख्य रूप से उपस्थित रहे बैठक में संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान को तेज करने तथा जन समस्याओं को लेकर व्यापक आंदोलन खड़ा करने पर विस्तार से चर्चा की गई। जिला सचिव अशोक पासवान और किसान नेता पूरन महतो ने कहा कि प्रदूषण, खनन क्षेत्र की समस्याएं, किसानों, मजदूरों, छात्रों और महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर संगठन को और मजबूत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि थाना, पुलिस, ब्लॉक जैसे विभागों से जुड़े आम जनता के कार्य यदि समय पर नहीं होते हैं, तो सीधे आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा गिरिडीह नगर सचिव सह जिला कमिटी सदस्य राजेश सिन्हा, कन्हाई पांडेय और प्रखंड सचिव मसूदन कोल ने कहा कि वर्ष 2029 को ध्यान में रखते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना जरूरी है।

उन्होंने फैक्ट्री क्षेत्रों में बढ़ते प्रदूषण पर सवाल उठाते हुए कहा कि इसकी जिम्मेदारी जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को लेनी होगी। साथ ही स्थानीय लोगों को 70 प्रतिशत रोजगार देने के सरकारी प्रावधान को लागू कराने की मांग की गई। नेताओं ने चेतावनी दी कि बालमुकुंद फैक्ट्री से निकाले गए मजदूरों की समस्याओं का समाधान नहीं होने पर आंदोलन तेज किया जाएगा। वहीं ताराटांड़ थाना क्षेत्र में बालू तस्करी के मुद्दे को उठाते हुए कहा गया कि इस पर संबंधित थाना और उच्च अधिकारियों को संज्ञान लेना चाहिए गांडेय विधानसभा क्षेत्र के शंकर पांडेय, मेहताब अली मिर्जा, रामलाल मुर्मू, नवीन पांडेय, शेखर सिंह और सलामत अंसारी ने कहा कि दो दिनों के भीतर पार्टी सदस्यता का नवीनीकरण किया जाएगा। साथ ही बेंगाबाद और गांडेय के प्रत्येक गांव में संगठन को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा बैठक में यह भी माना गया कि सोशल मीडिया पर सक्रियता बढ़ाना समय की आवश्यकता है, ताकि संगठन की बात आम लोगों तक तेजी से पहुंच सके। नेताओं ने कहा कि जमीनी स्तर पर किए जा रहे कार्यों को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना होगा अंत में सभी सदस्यों ने एकमत होकर निर्णय लिया कि जनता के मुद्दों पर मजबूती से खड़े रहकर संघर्ष को तेज किया जाएगा और गांव-गांव में संगठन को सक्रिय बनाया जाएगा।

लोक अदालत में 56 मामलों का निस्तारण

चार लाख 52 हजार 400 रुपए का मामला हुआ सेटल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। झालसा के दिशा निर्देश व पलामू जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष व पलामू के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीराम शर्मा के मार्गदर्शन में शनिवार को व्यवहार न्यायालय परिसर में लोक अदालत का आयोजन किया गया इसमें सुलह समझौते का आधार पर 56 मामले का निस्तारण किया गया। लोक अदालत में चार लाख 52 हजार 400 रुपए का मामला सेटल हुआ । लोक अदालत में मामले निस्तारण को लेकर दस पीठ का गठन किया गया था। पीठ संख्या एक में पारिवारिक विवाद से संबंधित मामले का निस्तारण कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश संजीव कुमार दास व अधिवक्ता वीना मिश्रा कर रहे थे। पीठ संख्या दो में विद्युत विभाग से सम्बंधित मामले का निस्तारण जिला व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रथम अखिलेश कुमार व अधिवक्ता शशि भूषण कर रहे थे। पीठ संख्या तीन में प्री लिटिगेशन से संबंधित मामले का निस्तारण जिला व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश चतुर्थ सुश्री स्वेता ढींगरा व स्थायी लोक अदालत की सदस्य महिमा श्रीवास्तव कर रही थी। पीठ संख्या चार में प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश के अलावे सभी जिला व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश के कोर्ट से संबंधित मामले का निस्तारण जिला व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अष्टम आयशा खान व अधिवक्ता उत्तम कुमार कर रहे थे। पीठ संख्या पांच की चार्ज में सभी तरह के अपराधिक वादों का निस्तारण जेएम सोनम विश्नोई व अधिवक्ता सतेंद्र कुमार सिंह कर रहे थे। पीठ संख्या छह में सिविल जज सीनियर डिवीजन के सभी कोर्ट के मामले का निस्तारण सिविल जज सीनियर डिवीजन निशिकांत व अधिवक्ता योगेंद्र प्रसाद सिंह कर रहे थे। पीठ संख्या सात सिविल जज जूनियर डिवीजन कोर्ट के मामले का निस्तारण सिविल जज जूनियर डिवीजन रोजलिना बारा व अधिवक्ता सुधा कुमारी कर रही थी । पीठ संख्या आठ में रेलवे कोर्ट से संबंधित मामले का निस्तारण रेलवे जेएम प्रज्ञेष निगम व अधिवक्ता संजय कुमार सिन्हा कर रहे थे। पीठ संख्या नौव में चेक बाउंस से सम्बंधित मामले का निस्तारण एसडीजेएम कमल प्रकाश व अधिवक्ता पुष्कर राज कर रहे थे। पीठ संख्या 10 में भूमि व राजस्व से संबंधित मामले का निस्तारण सदर एसडीएम सुलोचना मीना व अधिवक्ता कुमारी नीतू सिंह कर रही थी। हेल्प डेस्क पर पीएलभी भागीरथी दूबे लोगों की मदद कर रहे थे। **नवबिहार टाइम्स**

पलामू में डीजे के खिलाफ कार्रवाई, दो डीजे जब्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू जिले में डीजे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। कार्रवाई में पुलिस ने दो डीजे जब्त किए गए हैं। एक डीजे मध्य प्रदेश के भोपाल का व दूसरा उत्तर प्रदेश के मऊ का है। पलामू के मेदिनीनगर के बेलवाटिकर इलाके में शनिवार की देर रात दो डीजे के बीच साउंड कॉम्पिटिशन हो रहा था। कॉम्पिटिशन के दौरान एक जाने-माने होटल कोराबारी की मां की तबीयत खराब हो गई। उनके हार्ट में पेसमेकर लगा हुआ है। उन्हें गंभीर हालत में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद होटल कारोबारी ने मेदिनीनगर टाउन थाना में एफआइआर दर्ज कराई। आवेदन के आधार पर दोनों डीजे के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए दोनों डीजे को जब्त कर लिया है। इधर पलामू पुलिस अधीक्षक रिष्मा रमेशन ने डीजे जब्त करने व एफआईआर दर्ज करने की पुष्टि कर दी है। टाउन थाना प्रभारी ज्योतिलाल रजवार ने बताया कि डीजे जब्त कर लिए गए हैं। एफआईआर में गंभीर धाराएं लगाईं गई हैं। पूरे मामले की जांच की जा रही है। टीओपी टू प्रभारी राकेश कुमार के नेतृत्व में डीजे जब्त किया गया है।

नीलांबर- पीतांबर का त्याग व बलिदान अनुकरणीय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानी नीलांबर-पीतांबर के शहादत दिवस के पर नीलांबर- पीतांबर विश्वविद्यालय में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने वीर भाइयों के अद्वितीय योगदान को स्मरण करते हुए उनके चित्र पर माल्यार्पण व श्रद्धासुमन अर्पित किए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉक्टर दिनेश कुमार सिंह ने कहा कि नीलांबर- पीतांबर ने अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष कर न केवल पलामू बल्कि पूरे देश के स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। इन वीर भाइयों का त्याग व बलिदान हमें राष्ट्र के प्रति समर्पण, साहस व कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा देता है। कुलपति ने शहादत को नमन करते हुए सभी को नीलांबर -पीतांबर के आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम के आयोजक व छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष सह डीएसडब्ल्यू डॉ. एसके पांडेय ने कहा कि नीलांबर- पीतांबर का बलिदान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है। विश्वविद्यालय द्वारा इस प्रकार के आयोजन का उद्देश्य नई पीढ़ी को अपने गौरवशाली इतिहास से परिचित कराना है। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. नफ़ीस अहमद, प्रॉक्टर डॉ. आरके झा, सीसीडीसी डॉ. मनोरमा सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ. अजीत सेठ सहित विश्वविद्यालय के अनेक शिक्षकों व कर्मियों ने उपस्थित होकर वीर भाइयों को श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी ने एक स्वर में कहा कि नीलांबर-पीतांबर ने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध संघर्ष कर पलामू का नाम गौरवान्वित किया और देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने वीर शहीदों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया व उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

रांची के इन इलाकों में 48 घंटे बाधित रहेगी जलापूर्ति

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के कई इलाकों में 30 मार्च से 31 मार्च तक पानी की सप्लाई पूरी तरह बाधित रहेगी। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग बूटी प्रमंडल की ओर से सूचना जारी की गयी है। इसके अनुसार, बहु बाजार से पटेल चौक तक बन रहे फ्लाईओवर निर्माण कार्य के कारण पाइपलाइन शिफ्टिंग और नए कनेक्शन का काम किया जाएगा। विभाग ने बताया कि 30 मार्च से 31 मार्च 2026 तक कुल 48 घंटे का शटडाउन लिया जाएगा। इस दौरान सिरमटोली-मेकॉन फ्लाईओवर से लेकर पटेल चौक तक और कोकर-योगदा सत्संग आश्रम फ्लाईओवर से जुड़े सभी क्षेत्रों में जलापूर्ति पूरी तरह ठप रहेगी। इससे हजारों घरों में पानी की किल्लत हो सकती है। विभाग के अनुसार, "बहु बाजार से पटेल चौक फ्लाईओवर निर्माण" परियोजना के तहत करीब 1125 किलोमीटर लंबे हिस्से में पाइपलाइन को शिफ्ट करने और नए कनेक्शन जोड़ने का काम किया जा रहा है।

धनबाद नगर निगम में 11 जोनल कमेटियों का गठन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। शहर के बाबुडीह स्थित विवाह भवन में नगर निगम की एक अहम बैठक आयोजित की गई। जिसमें शहर के विकास और प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में मेयर संजीव सिंह, डिप्टी मेयर अरुण चौहान, नगर आयुक्त आशीष गंगवार और टुंडी विधायक सह झारखंड विधानसभा के सचेतक मथुरा प्रसाद महतो सहित सभी 55 वार्डों के पार्षद और निगम अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक का मुख्य उद्देश्य नगर निगम के कार्यों को अधिक व्यवस्थित, पारदर्शी और प्रभावी बनाना रहा। इसी दिशा में सभी 55 वार्डों के लिए कुल 11 जोनल कमिटियों का गठन सर्वसम्मति से किया गया। प्रत्येक जोनल कमिटी में संबंधित वार्डों के पार्षदों को शामिल किया गया है, ताकि स्थानीय स्तर पर विकास कार्यों की निगरानी और उनके क्रियांवयन में तेजी लाई जा सके।

30 मार्च को होगी विशेष बैठकः मेयर

मेयर संजीव सिंह ने जानकारी दी कि नवगठित कमिटियों के साथ नगर निगम कार्यालय में बजट को लेकर विस्तृत चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि इन कमिटियों के सुझावों के आधार पर आगामी योजनाओं को अंतिम रूप दिया जाएगा। साथ ही 30 मार्च को प्रस्तावित विशेष बैठक में विभिन्न विकास योजनाओं को पारित करने की तैयारी है। जिससे शहर में बुनियादी सुविधाओं को और बेहतर किया जा सके।

जोनल कमिटी से विकास कार्य को मिलेगी गतिः विधायक

बैठक में मौजूद विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने जोनल कमिटियों के गठन को सकारात्मक पहल बताते हुए कहा कि इससे नगर निगम के कार्यों में गति आएगी। उन्होंने विश्वास जताया कि नई व्यवस्था के तहत केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को तेजी से धरातल पर उतारा जाएगा। जिससे आम जनता को सीधा लाभ मिलेगा।

झारखंड में मॉडल विद्यालय प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची के तत्वावधान में राज्य के 82 मॉडल विद्यालयों में कक्षा 6 में सत्र 2026–27 के नामांकन के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा शनिवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। झारखंड एकेडमिक काउंसिल यानी जेएसी द्वारा आयोजित यह परीक्षा राज्य के 19 जिलों में बनाए गए 60 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण और कदाचार मुक्त वातावरण में आयोजित की गई।

परीक्षा पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 1:00 बजे तक आयोजित की गई। परीक्षा शुरू होने से पहले ही सभी केंद्रों पर परीक्षार्थियों का पहुंचना शुरू हो गया था। छात्रों में परीक्षा को लेकर उत्साह, अनुशासन और आत्मविश्वास साफ तौर पर देखने को मिला। कई केंद्रों पर अभिभावक भी अपने बच्चों के साथ पहुंचे और परीक्षा समाप्त होने तक बाहर प्रतीक्षा करते नजर आए।

कुल 100 अंकों की थी परीक्षा

यह प्रवेश परीक्षा कुल 100 अंकों की बहुविकल्पीय प्रश्नों पर आधारित थी। प्रश्नपत्र में अंग्रेजी और गणित से 30-30 अंक तथा सामाजिक विज्ञान से 40 अंकों के प्रश्न पूछे गए। परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर राज्य स्तर पर मेरिट सूची तैयार की जाएगी। इसी मेरिट के आधार पर चयनित विद्यार्थियों को राज्य के विभिन्न मॉडल विद्यालयों में नामांकन का अवसर मिलेगा।

परीक्षा के सफल और सुव्यवस्थित संचालन के लिए सभी जिलों में व्यापक तैयारी की गई थी। जिला प्रशासन, जिला शिक्षा पदाधिकारी, केंद्राधीक्षक और अन्य संबंधित कर्मियों ने मिलकर परीक्षा को निष्पक्ष और सुचारु रूप से संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सभी केंद्रों पर सुरक्षा और निगरानी के पर्याप्त इंतजाम किए गए थे, जिससे परीक्षा पूरी तरह कदाचार मुक्त रही।

हैप्पी स्ट्रीट का आयोजन, फिटनेस और नशा मुक्ति का दिया गया संदेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। नशा मुक्ति जागरुकता को लेकर जिला प्रशासन की पहल "हैप्पी स्ट्रीट" को लोगों का जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। लुबी सर्कुलर रोड पर आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में साइक्लिंग, स्केटिंग, शूटिंग, योगा, बास्केटबॉल, डार्ट गेम, ह्यूमन लूडो और पेंटिंग जैसी कई गतिविधियों ने लोगों को करीब चार घंटे तक व्यस्त रखा। हेल्थ ड्रिंक और पौष्टिक व्यंजनों का भी लोगों ने खूब लुत्फ उठाया।

फिट रहने और नशे से दूर रहने का संदेश

उपायुक्त आदित्य रंजन, एसएसपी प्रभात कुमार समेत कई अधिकारियों ने साइक्लिंग कर लोगों को फिट रहने और नशे से दूर रहने का संदेश दिया। यह साइक्लिंग लुबी सर्कुलर रोड से पूजा टॉकीज, डीआरएम चौक, कोर्ट रोड और रणधीर वर्मा चौक होते हुए वापस लुबी सर्कुलर रोड तक गई। कार्यक्रम में नशा मुक्ति केंद्र, हेल्थ चेकअप कैंप, रक्तदान शिविर, नुक्कड़ नाटक, लाइव बैंड, आर्चरी, राइफल शूटिंग और झारखंड के पारंपरिक नृत्य लोगों के आकर्षण का केंद्र रहे।वहीं "पेंट माय सिटी" और सिग्नेचर बोर्ड के जरिए लोगों ने सामाजिक संदेश भी दिए। इस दौरान उपायुक्त, एसएसपी सहित कुल 15 लोगों ने रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई।

सीताराम महायज्ञ व श्रीराम कथा संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हसपुरा (औरंगाबाद)। प्रखंड के कोईलवां गांव में आयोजित नौ दिवसीय श्री सीताराम महायज्ञ एवं श्रीराम कथा शुक्रवार को विधि-विधान के साथ संपन्न हो गया। समापन अवसर पर वैदिक याज्ञिक आचार्यों ने यजमानों के सहयोग से देवी-देवताओं का विधिवत विसर्जन कराया। महायज्ञ के मुख्य यजमान प्रवीण कुमार, प्रेम कुमार, मुकेश कुमार, सोनू चंद्रवंशी एवं मारुति नंदन ने सपत्नीक आचार्य पं. अनिल पांडेय (अयोध्या) के निर्देशन में गुरुदेव आचार्य पं. लाल मोहन शास्त्री का शताधिक कलशों से भवभृत स्नान कराया। इसके उपरांत याज्ञिक वैदिक आचार्यों को प्रशस्ति पत्र एवं वस्त्रादि भेंट कर सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। व्यासपीठ से राष्ट्रीय मानस मर्मज्ञ माता श्री नीलम गायत्री जी ने महायज्ञ समिति के पदाधिकारियों सचिव अजय कुमार 'सूर्यवंश शर्मा', वृज बिहारी शर्मा, मृत्युंजय शर्मा तथा संरक्षक सियाराम शर्मा, दिलीप शर्मा, मुनन शर्मा, ओम प्रकाश शर्मा, शिव नारायण शर्मा, शैलेन्द्र शर्मा, कौशल किशोर शर्मा एवं वृज किशोर शर्मा को आशीर्वाद प्रदान किया। बाद में उन्हें आदरपूर्वक विदाई दी गई। विंध्याचल से आई प्रवचन वाचिका शिवानी दुबे को भी यज्ञ समिति द्वारा सम्मानपूर्वक विदा किया गया। अध्यक्ष आचार्य पं. लाल मोहन शास्त्री ने कहा कि यह महायज्ञ माता रानी की कृपा से निर्विघ्न संपन्न हुआ और इसकी सफलता का प्रतीक अंत में हुई वर्षा रही, जिसे उन्होंने देवताओं की अमृत वर्षा बताया। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर समिति के सदस्यों—बबलू मेहला, विनोद शर्मा, अजीत कुमार, मंगल मिस्त्री, रविंद्र शर्मा, राम वल्लभ शर्मा, रिशु कुमार, शांत्येश, यशराज शास्त्री, आचार्य रंजन मिश्र, कन्हैया दुबे सहित अन्य लोगों ने प्रशासन, पत्रकारों एवं सभी श्रद्धालुओं के प्रति आभार प्रकट किया।

अम्बेडकर जयंती को लेकर विकास मित्रों के साथ बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। रफीगंज ब्लॉक परिसर भवन में अम्बेडकर जयंती के आयोजन को लेकर विकास मित्रों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता हरेन्द्र कुमार ने की, जबकि संचालन लालदेव पासवान द्वारा किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता रामाशीष दास शामिल हुए। इस दौरान कार्यक्रम की रूपरेखा, आयोजन की तैयारियों तथा सामाजिक सहभागिता को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही निर्णय लिया गया कि 14 अप्रैल को भव्य झांकी निकाली जाएगी। बैठक में विनोद यादव, विकास मित्र अमित कुमार, अजय कुमार, अखिलेश कुमार, दिलकेवर राम, बीरेन्द्र राम, कमलेश कुमार, गीता देवी, पूनम कुमारी एवं स्याम कुमारी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यपालक सहायक रविकांत कुमार के निधन पर शोक सभा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

ओबरा (औरंगाबाद)। ओबरा प्रखंड कार्यालय परिसर में शनिवार को एक शोक सभा का आयोजन कर सदर अनुमंडल कार्यालय, औरंगाबाद में कार्यरत कार्यपालक सहायक रविकांत कुमार के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। जानकारी के अनुसार, रविकांत कुमार पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। इलाज के दौरान ही उनका निधन हो गया, जिससे प्रशासनिक महकमे में शोक की लहर दौड़ गई। शोक सभा में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा और ईश्वर से उनके परिजनों को इस दुख की घड़ी में धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी मो. यूनुस सलीम, प्रभारी अंचलाधिकारी मीरा कुमारी, बड़ा बाबू रामदीप राम, सत्येंद्र कुमार एवं राहुल कुमार सहित अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

गिरिडीह में धीरे-धीरे होने लगा एलपीजी सिलेंडरों की डिलीवरी में सुधार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। रसोई गैस की तंगी की बातें सुनकर परेशान होने वाले लोगों के लिए अच्छी खबर है। अब घरों तक रसोई गैस सिलेंडर की आपूर्ति शुरू कर दी गई है। जैन गैस एजेंसी गिरिडीह द्वारा पिछले दो दिनों से होम डिलीवरी का काम किया जा रहा है। शनिवार को कई इलाकों में होम डिलीवरी की गई है। डिलीवरी ब्वॉय शंकर ने बताया कि दो दिनों से वह घरों तक रसोई गैस सिलेंडर पहुंचाने का काम कर रहा है। जिले में चार दिन पहले ही जिलाधिकारी ने रसोई गैस वितरण को लेकर महत्वपूर्ण बैठक की थी। इसके बाद से वितरण में परिवर्तन देखा जा रहा है। इधर जैन गैस के संचालक महेश जैन का कहना है कि उनके पास 40 हजार कनेक्शन हैं। पहले 10-11 हजार लोग ही रसोई गैस लेते थे उसी के अनुसार उनके पास सिलेंडर की आपूर्ति होती थी। हाल के एक पखवाड़े के दौरान सिलेंडर लेने वालों की संख्या में अप्रत्याशित बढ़ोतरी हो गई। इससे स्थिति गंभीर हो गई। अभी उनके पास सिलेंडर की आपूर्ति बढ़ाने की जरूरत है। वैसे उनके द्वारा घरों तक सिलेंडर की आपूर्ति शुरू की गई है। उनके यहां वर्तमान में सबसे अधिक भीड़ केवाईसी कराने वालों की है। उन्होंने कहा कि आपूर्ति बढ़ेगी तो स्थिति कतार वाली नहीं रहेगी।

अनियंत्रित कार नदी में गिरी, तीन की मौत

मेला देखकर लौट रहे थे लोग, चौथे की तलाश जारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मधेपुरा। बिहार के मधेपुरा में शुक्रवार देर रात सड़क हादसे में कार सवार चार लोगों की मौत की आशंका जताई जा रही है। अब तक तीन शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि एक अन्य व्यक्ति की तलाश जारी है। सभी लोग ग्वालपाड़ा से मेला देखकर मधेपुरा लौट रहे थे। वे रात करीब 9 बजे स्टेशन चौक से निकले थे। इसी दौरान देर रात लगभग एक बजे अरार पुल के पास उनकी कार अनियंत्रित होकर पोल को तोड़ते हुए नदी में जा गिरी।

घटना की सूचना मिलते ही अरार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद तीन शवों को बाहर निकाला गया है, जबकि चौथे व्यक्ति की तलाश जारी है।

मृतकों में मधेपुरा स्टेशन चौक, वार्ड-23 निवासी स्व. विमल यादव के पुत्र घनश्याम कुमार (28), सहरसा जिले के बसनही थाना क्षेत्र के मोकमा निवासी मनोज कुमार के पुत्र अंकित कुमार (26), और सौर बाजार थाना क्षेत्र के निवासी प्रमोद यादव के पुत्र वसंत कुमार (23) की पहचान हो चुकी है। चौथे की पहचान अब तक नहीं हो पाई है और उसकी तलाश जारी है।

ट्रक ने बाइक सवार को रौंदा

आरा। भोजपुर जिले के कोईलवर थाना क्षेत्र अंतर्गत आरा-छपरा फोरलेन पर जमालपुर बाजार के समीप शनिवार को एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रक ने बाइक सवार दो दोस्तों को रौंद दिया। इस हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल युवक को स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया।

मृतक की पहचान संदेश थाना क्षेत्र के अखगांव निवासी संजीव कुमार के रूप में की गई है। हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मौके पर हंगामा किया और ट्रक समेत अन्य वाहनों के शीशे तोड़ दिए।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को जब्त कर लिया है। हादसे का कारण ट्रक का अनियंत्रित परिचालन बताया जा रहा है। मामले की जांच जारी है।

विख्यात नाटककार डॉ जैनेन्द्र के निर्देशन में डॉक्युमेंटरी फिल्म की शूटिंग शुरू

वैशाली की व्याख्याता डॉ. शालिनी प्रसाद ने कार्यक्रम का किया समन्वय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

छपरा। राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली के नेशनल सेंटर फॉर स्कूल लीडरशिप द्वारा स्कूल लीडरशिप एकेडमी, बिहार के तहत सारण जिले के नगरा प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय लोहा छपरा का चयन किया गया है। इस कार्यक्रम के तहत उक्त विद्यालय का चयन उड़ान क्लब जैसे नवाचारी कार्यक्रम के लिए किया गया है। उड़ान क्लब में छात्राओं को माहवारी स्वच्छता तथा पोषण से संबंधित विशेष जानकारी तथा मुफ्त सैनिटरी पैड दी जाती है।

इस डॉक्युमेंटरी फि ल्म का निर्देशन शिक्षा विभाग के व्याख्याता एवं प्रसिद्ध डॉक्युमेंटरी फि ल्म निर्देशक डॉ. जैनेन्द्र दोस्त द्वारा किया जा रहा है। आज इस फि ल्म की शूटिंग की गई। फि ल्म निर्देशक डॉ. जैनेन्द्र दोस्त ने कहा कि इस डॉक्युमेंटरी फि ल्म में उड़ान में किए गए नवाचार के विविध पहलुओं को दिखाया जाएगा।

स्कूल लीडरशिप एकेडमी कार्यक्रम के तहत भारत के सभी राज्यों से नवाचार करने वाले विद्यालयों का चयन किया जाता है। इस वर्ष बिहार से चार विद्यालयों का चयन किया गया है जिसमें उत्क्रमित मध्य विद्यालय लोहा छपरा का भी चयन हुआ है। इस फि ल्म निर्माण हेतु मार्गदर्शन विभा रानी, विभाग प्रभारी, एससीईआरटी, पटना का है तथा डायट, वैशाली की व्याख्याता डॉ. शालिनी प्रसाद ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया है। इस फि ल्म निर्माण में सिनेमेटोग्राफी राहुल आर्यन ने तथा साउंड रिकॉर्डिंग राज कुमार ने किया।

नेशनल सेंटर फॉर स्कूल लीडरशिप के तहत सारण जिले के विद्यालय का चयन होने पर जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री निशान्त किरण ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए विद्यालय के प्रधानाध्यापक विजयेन्द्र कुमार विजय सहित पूरे विद्यालय परिवार को बधाई दिया।

एम्स के छात्र ने की आत्महत्या की कोशिश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। एम्स में पीजी प्रथम वर्ष के एक छात्र ने अपने छात्रावास के कमरे नंबर 13 में नशीली पदार्थ का सेवन कर आत्महत्या करने का प्रयास किया। छात्र की पहचान डॉक्टर विश्वास कुमार के रूप में हुई है, जो मूल रूप से पश्चिम बंगाल के मुकुंदपुर के रहने वाले हैं। डॉक्टर ने ऐसा क्यों किया यह अब तक पता नहीं चल पाया है।

बताया जा रहा है कि शुक्रवार को डॉक्टर विश्वास की ड्यूटी लगी थी, लेकिन जब वे काफी देर तक ड्यूटी पर नहीं पहुंचे, तो उनके सहपाठियों को चिंता हुई। साथी डॉक्टर उन्हें खोजने के लिए एम्स छात्रावास के कमरा नंबर 13 पहुंचे। दरवाजा अंदर से बंद होने पर जब साथियों ने खिड़की से झांककर देखा, तो उनके होश उड़ गए। डॉक्टर विश्वास अपने बेड पर अचेत (बेहोश) अवस्था में पड़े थे। आननफानन में सहयोगियों ने खिड़की तोड़ी और कमरे में प्रवेश किया। उन्हें तत्काल कमरे से बाहर निकालकर पटना एम्स के ही इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया। फिलहाल उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है और विशेषज्ञों की टीम उनके उपचार में जुटी है।

मामले की सूचना मिलते ही फुलवारी शरीफ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। थानेदार गुलाम शाहबाज आलम ने बताया कि तलाशी के दौरान कमरे से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है। डॉक्टर विश्वास ने अंग्रेजी में लिखा है जिसका रूपांतर इस प्रकार है-मुझे जिंदा करने की कोशिश न करें, मुझे शांति से मरने दें। थानेदार का कहना है कि डॉक्टर विश्वास ने किस परिस्थिति में ऐसा कदम उठाने की कोशिश की? उनके साथ क्या हुआ? वह किस परेशानी से गुजर रहे थे? इन सब की जांच की जा रही है। उनके दोस्तों से भी पूछताछ चल रही है।

नगर निकायों के लिए सरकार ने जारी की नयी गाइडलाइन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। नीतीश सरकार ने बिहार के शहरों को स्वच्छ और प्रदूषणरहित बनाने के लिए नगर निकायों के लिए नई गाइडलाइन जारी की है। इसके तहत 100 किलो से अधिक कचरा उत्पन्न करने वाले संस्थानोंजैसे अपार्टमेंट, होटल और सरकारी कार्यालयको अपने स्तर पर कचरा प्रोसेसिंग की व्यवस्था करना अनिवार्य कर दिया गया है। साथ ही गीले कचरे का ऑन-साइट कंपोस्टिंग करने का स्पष्ट निर्देश दिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, यह व्यवस्था एक अप्रैल से न्यू सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स-2026 के तहत सभी नगर निकायों में लागू होगी। इधर, राजधानी पटना को सुंदर, स्वच्छ और कचरा मुक्त बनाने के लिए पटना नगर निगम 1 अप्रैल से डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन की नई व्यवस्था लागू करेगा। अब घरों से कचरा उठाव के दौरान लोगों को अपने कचरे को केवल गीला और सूखा ही नहीं, बल्कि चार अलग-अलग श्रेणियों में बांटकर देना अनिवार्य होगा। पहले यह व्यवस्था अनिवार्य नहीं थी और कचरा केवल दो श्रेणियों में ही लिया जाता था।

कचरे को किया जायेगा पुनर्चक्रित

नई व्यवस्था के तहत कचरा ढोने वाली गाड़ियों में चार अलग-अलग रंग के डस्टबिन लगाए जाएंगे। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि यदि घरों से कचरा अलग-अलग करके नहीं दिया गया, तो सफाईकर्मी उसे स्वीकार नहीं करेंगे। इस पहल का मुख्य उद्देश्य कचरे का शत-प्रतिशत वैज्ञानिक निस्तारण सुनिश्चित करना और पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाना है। इसके साथ ही राजधानी में दो नए रंग भी स्वच्छता नियमों में शामिल किए जाएंगे। नगर निगम क्षेत्र के छह अंचलों के 375 सेक्टरों में कचरा उठाव को सुदृढ़ करने के लिए 225 नए वाहन खरीदे जाएंगे। वर्तमान में निगम के पास 373 क्लोज टिपर और 150 सीएनजी टिपर हैं, जिनमें से लगभग 327 वाहन सुचारू रूप से कार्य कर रहे हैं। नए वाहनों में 150 क्लोज टिपर और 75 ओपन टिपर शामिल होंगे, जिन्हें कलर-कोडेड बिन से लैस किया जाएगा।

अधिकारियों के अनुसार, 100 प्रतिशत कचरा निस्तारण के लिए चार अलग-अलग डस्टबिन रखना अनिवार्य होगा।

नीला बिन सूखे कचरेजैसे प्लास्टिक, कागज, कांच और धातुके लिए होगा, जबकि हरा बिन गीले कचरेजैसे रसोई अपशिष्ट, फल-सब्जियों के छिलके और बचा हुआ भोजनके लिए निर्धारित किया गया है। लाल रंग का बिन जैव-अपशिष्ट, जैसे डायपर और सैनिटरी नैपकिन, के लिए होगा, जबकि काला बिन स्पेशल केयर वेस्टजैसे पुरानी दवाइयां, पेंट के डिब्बे, थर्मामीटर, बल्ब और ई-वेस्टके लिए रखा जाएगा।

नए नियम केवल आम नागरिकों पर ही नहीं, बल्कि बड़े संस्थानों पर भी सख्ती से लागू होंगे। 20 हजार वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल वाले या 100 किलो से ज्यादा कचरा उत्पन्न करने वाले संस्थानोंजैसे होटल, अपार्टमेंट और सरकारी संस्थाएंको अपने परिसर में ही गीले कचरे का निस्तारण करना होगा। नियमों का उल्लंघन, गलत रिपोर्टिंग या कचरे का पृथक्करण न करने पर प्रदूषक भुगतान सिद्धांत के तहत भारी पर्यावरणीय मुआवजा वसूला जाएगा। इसकी निगरानी के लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने एक ऑनलाइन पोर्टल भी तैयार किया है।

बदमाशों ने साइबर कैफे में मचायी तबाही

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। नालंदा जिले के थरथरी थाना क्षेत्र अंतर्गत थरथरी बाजार में शनिवार को दिनदहाड़े बदमाशों ने जमकर उत्पात मचाया। एक साइबर कैफे को निशाना बनाते हुए करीब 10 की संख्या में आए बदमाशों ने न केवल दुकान में तोड़फोड़ की, बल्कि दहशत फैलाने के उद्देश्य से पांच राउंड हवाई फायरिंग भी की। इस घटना के बाद बाजार में अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया। गनीमत रही कि कैफे संचालक ने काउंटर के नीचे छिपकर अपनी जान बचाई।

घटना के पीछे का मुख्य कारण कुछ दिन पहले हुआ विवाद बताया जा रहा है। थाना प्रभारी साजिद अख्तर ने बताया कि 4-5 दिन पूर्व भारत गैस एजेंसी के पास गैस सिलिंडर लेने के दौरान कैफे संचालक और कुछ युवकों के बीच कहासुनी हुई थी। शनिवार को जब बदमाशों ने पीड़ित को दुकान पर देखा, तो वे लाठी-डंडों और हथियारों के साथ वहां धावा बोल दिया।

पीड़ित दुकानदार हरे राम कुमार जो थरथरी डीह का रहने वाला है और थरथरी बाजार में उसकी दुकान है उसने बताया कि वह अपने साथियों अविनाश, रॉकी और रोहित के साथ दुकान पर मौजूद थे। तभी करीब 10 लोग अचानक पहुंचे और बिना कुछ पूछे सामान तहस-नहस करना शुरू कर दिया। उन्होंने मुझ पर डंडों से हमला किया। एक लड़के ने मेरी ओर इशारा करते हुए कहा कि 'ये भी था', जिसके बाद वे चिल्लाने लगे कि इसे गोली मार दो। मैं जान बचाने के लिए काउंटर के नीचे दुबक गया। भागते समय उन्होंने चार-पांच राउंड फायरिंग की।

हमलावरों ने दुकान के भीतर रखे कंप्यूटर, प्रिंटर और अन्य कीमती उपकरणों को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया है। संचालक ने बताया कि इस हमले में करीब 50 हजार रुपये से अधिक की संपत्ति का नुकसान हुआ है। मारपीट में कुछ युवकों को हल्की चोटें भी आई हैं।

14 वर्षों बाद भी पीड़ितों को नहीं मिला मुआवजा

मामला गर्भाशय कांड का

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

समस्तीपुर। जिले में बहुचर्चित गर्भाशय कांड एक बार फिर सुर्खियों में है। 14 वर्ष बाद भी इस मामले से जुड़े 57 पीड़ितों को सरकारी अनुदान नहीं मिल सका है। जिला प्रशासन अब इन वंचित लाभुकों की तलाश में जुट गया है, ताकि उन्हें मुआवजा राशि उपलब्ध कराई जा सके।

कम उम्र की लड़कियों एवं महिलाओं के गर्भाशय हटाने से जुड़े 57 पीड़ितों को अभी तक सरकारी अनुदान उपलब्ध नहीं हो पाया है। इसे उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पीड़ितों की तलाश है। कई पीड़ितों से संपर्क नहीं हो पाने के कारण मुआवजा भुगतान लंबित है। उच्च न्यायालय, पटना के आदेश तथा स्वास्थ्य विभाग के पत्र के आलोक में जिलों में यह कार्रवाई की जा रही है।

जिला प्रशासन का उद्देश्य है कि संवेदनशील मामले से जुड़े सभी पात्र पीड़ितों तक अनुदान की राशि पहुंचाई जा सके। जिला प्रशासन आम लोगों से भी अपील कर रहा है कि यदि किसी को सूचीबद्ध पीड़ितों के आवासीय पते या वर्तमान ठिकाने के संबंध में कोई जानकारी हो तो वे संबंधित जानकारी प्रशासन तक पहुंचाएं, ताकि नियमानुसार मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया पूरी की जा सके।

सूचना में पीड़ित या उनके स्वजन बैंक पासबुक, आधार कार्ड की छाया प्रति एवं मोबाइल नंबर के साथ अपने क्षेत्र के अंचलाधिकारी से संपर्क कर आवश्यक दस्तावेज जमा करें।

जिले में कुल 316 पीड़ित महिलाओं की पहचान की गई थी, जिनके गर्भाशय कम उम्र में ही बिना उचित कारण के निकाल दिए गए थे। यह मामला स्मार्ट कार्ड के जरिए इलाज के दौरान सामने आया था। तत्कालीन जिलाधिकारी कुंदन कुमार की जांच में 17 निजी अस्पतालों द्वारा करोड़ों रुपये की हेराफेरी का खुलासा हुआ था, जिसके बाद केस दर्ज किया गया।

इसमें 316 में से 259 पीड़ितों को मुआवजा मिल चुका है, जबकि 57 अब भी वंचित हैं। इन पीड़ितों से संपर्क नहीं हो पाने के कारण भुगतान लंबित है। स्वास्थ्य विभाग के संज्ञान लेने के बाद जिला प्रशासन ने एक बार फिर खोजबीन शुरू की है। प्रखंडवार सूची जारी कर आम लोगों से भी अपील की गई है कि यदि किसी को सूचीबद्ध पीड़ितों के वर्तमान पते या ठिकाने की जानकारी हो तो प्रशासन को अवश्य सूचित करें।

प्रशासन ने कहा है कि पीड़ित या उनके परिजन बैंक पासबुक, आधार कार्ड की छायाप्रति और मोबाइल नंबर के साथ अपने संबंधित अंचलाधिकारी या जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग कार्यालय में संपर्क करें, ताकि मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया पूरी की जा सके।

पीएनजी कनेक्शन लेने वालों का एलपीजी सिलेंडर होगा जब्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शेखपुरा। रसोई गैस की वैश्विक किल्लत के बीच शेखपुरा में पीएनजी तथा एलपीजी दोनों का लाभ ले रहे उपभोक्ताओं को लेकर जिला प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए ऐसे लोगों को चेतावनी दी है। शनिवार को नियमित प्रेस वार्ता में जिलाधिकारी शेखर आनंद ने कहा जो उपभोक्ता दोनों रसोई गैसों का लाभ ले रहे हैं, उनसे एलपीजी का कनेक्शन जब्त किया जाएगा।डीउम ने ऐसे उपभोक्ताओं से अपील की है कि एनपीजी का लाभ ले रहे उपभोक्ता के पास अगर एलपीजी का भी कनेक्शन है, तो वे स्वयं एलपीजी का कनेक्शन सरेंडर कर दें।

प्रेस वार्ता में जिलाधिकारी ने बताया शेखपुरा जिला में अभी पीएनजी (पाइप लाइन से घरों तक रसोई गैस) का 1953 परिवार लाभ ले रहे हैं। अगर इनके घरों में एलपीजी का भी कनेक्शन है, तो इंका एलपीजी कनेक्शन जब्त किया जाएगा।

डीएम ने बताया पीएनजी का दायरा भी जिला में बढ़ाया जाएगा तथा लोगों को इसका कनेक्शन लेने के लिए प्रेरित किया जाएगा। यह पूरी तरह से सुरक्षित है। उन्होने बताया जिला में अभी एलपीजी की आपूर्ति तथा उसकी डिलीवरी पूरी तरह से सामान्य है। जिला प्रशासन इसपर लगातार नजर रख रहा है। घरेलू रसोई गैस के व्यावसायिक उपयोग की रोकने के लिए जिला में लगातार छापामारी भी चल रही है। नियंत्रण कक्ष में मिल रही शिकायतों का निष्पादन भी किया जा रहा है। शनिवार की अद्यतन स्थिति के अनुसार जिला में 3032 गैस सिलेंडर उपलब्ध हैं। उपभोक्ताओं को किसी भी अफवाह में नहीं पड़ने की भी सलाह दी है।

कोसी मेची अंतरराज्यीय लिंक नहर परियोजना के दूसरे फेज का सर्वे पूर्ण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। नदी जोड़ो योजना के तहत केंद्र सरकार की बहुप्रतीक्षित कोसी मेची अंतरराज्यीय लिंक नहर परियोजना के पहले फेज में जहां पूर्वी कोसी नहर के पुनरस्थापन का कार्य चल रहा है, वहीं अब इसके दूसरे फेज में अररिया जिले के फारबिसगंज से किशनगंज के मेची नदी तक 76.2 किमी विस्तारीकरण का कार्य होना है। जिसके लिए सर्वे का कार्य पूरा हो गया है।

वहीं, इसका डीपीआर बनने की प्रक्रिया भी अंतिम चरण में है। डीपीआर फाइनल हो जाने के बाद सबसे पहले भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया होगी। यह अधिग्रहण अररिया जिले में कुसार्कांटा, पलासी, सिकटी और जोकीहाट प्रखंड में में किया जाएगा।

पूर्णिया का बैसा, अमौर, बायसी तथा किशनगंज जिले के टेढ़ागाछ, दिघलबैंक, बहादुरगंज, कोचाधामन और कटिहार जिले के कदवा, डंडखोड़ा, प्राणपुर, मनिहारी और अमदाबाद प्रखंडों के किसानों को लाभ मिलेगा। इसके विस्तारीकरण के साथ ही सिंचाई के लिए इससे अररिया जिले में पांच ब्रांच कैनाल और छह शाखा नहर निकाली जाएगी।

यह पूरी परियोजना 117.5 किमी की है। जिसमें सुपौल जिले के वीरपुर बराज से फारबिसगंज तक 41.3 किमी पूर्वी कोसी नहर निकली है।

पहले फेज में वीरपुर बराज के शून्य किलोमीटर से लेकर फारबिसगंज तक आने वाली पूर्वी कोसी मुख्य नहर के 44.10 किमी तक पुनरस्थापन का कार्य सिंचाई प्रमंडल वीरपुर के द्वारा कराया जा रहा है। पहले फेज के काम की प्राक्कलित राशि 2054.30 करोड़ रूपए है। वहीं, कार्य की अवधि 36 माह निर्धारित है। इसके तहत नहर की गहराई और संरचना का कार्य हो रहा है। फिलहाल पूर्वी कोसी नहर की क्षमता 15 हजार क्यूसेक घनफीट प्रति सेकेंड की है। जिसकी क्षमता बढ़ाकर 20 हजार की जाएगी।

कोसी बराज से मेची नदी तक यह पूरी परियोजना 117.5 किमी लंबी है। परियोजना में सुपौल के वीरपुर, कटिहार और अररिया जिले के बथनाहा और अररिया सिंचाई प्रमंडल को शामिल किया गया है। किशनगंज में सिंचाई प्रमंडल नहीं होने से फिलहाल वहां का कार्य अररिया प्रमंडल ही देख रही है।

फिलहाल, पूर्वी कोसी नहर की क्षमता 15 हजार क्यूसेक घनफीट प्रति सेकेंड की है। जिसकी क्षमता बढ़ाकर 20 हजार की जाएगी। पांच हजार क्यूसेक अधिक पानी मिलने से अतिरिक्त सिंचाई क्षमता में वृद्धि होगी। जिसका लाभ अररिया जिले में सिकटी, पलासी, कुसार्कांटा और जोकीहाट प्रखंड को मिलेगा।

सिकटी, पलासी और कुसार्कांटा में फिलहाल नहर से सिंचाई की सुविधा नहीं है। वहीं, जोकीहाट में आंशिक सुविधा है, जबकि जिले का अररिया, रानीगंज, नरपतगंज, भरगामा और फारबिसगंज प्रखंड नहर की सिंचाई प्रणाली से पूरी तरह आच्छादित है।

जिप अध्यक्ष रानी कुमारी को गंवानी पड़ी कुर्सी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जहानाबाद। जिला परिषद जहानाबाद की राजनीति में शनिवार को बड़ा घटनाक्रम सामने आया। अध्यक्ष रानी कुमारी के खिलाफ लाया गया अविश्वास प्रस्ताव पारित हो गया, जबकि उपाध्यक्ष संगीता देवी अपने पद को बचाने में सफल रहीं। इसको लेकर समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में विशेष बैठक आयोजित कर मत विभाजन कराया गया। बैठक में कुल 13 पार्षदों में से 11 सदस्य शामिल हुए। सबसे पहले अध्यक्ष रानी कुमारी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान कराया गया।

मत विभाजन में सभी 11 सदस्यों ने प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। एक भी मत उनके समर्थन में नहीं पड़ा। इस तरह सर्वसम्मति से अविश्वास प्रस्ताव पारित हो गया और रानी कुमारी को अपनी कुर्सी गंवानी पड़ी। इसके बाद उपाध्यक्ष संगीता देवी, जो घोसी भाग दो की पार्षद हैं, के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान कराया गया।

इस दौरान कुल 11 मत पड़े, जिनमें से एक मत अवैध घोषित किया गया। शेष 10 वैध मत अविश्वास प्रस्ताव के विरोध में पड़ा। परिणामस्वरूप उपाध्यक्ष के खिलाफ लाया गया अविश्वास प्रस्ताव खारिज हो गया और संगीता देवी अपनी कुर्सी बचाने में सफल रहीं।

इस महत्वपूर्ण बैठक के दौरान अध्यक्ष रानी कुमारी सहित एक अन्य पार्षद अनुपस्थित रहे। उनकी अनुपस्थिति भी पूरे घटनाक्रम में चर्चा का विषय बना रहा।

अध्यक्ष पद से हटने के बाद अब जिला परिषद में नए अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी। इसके लिए जल्द ही तिथि की घोषणा की जाएगी। फिलहाल इस पूरे घटनाक्रम को जिले की राजनीति में एक बड़ी हलचल के रूप में देखा जा रहा है।

जंगल से केन बम सहित अन्य हथियार बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। बिहार के जमुई जिले में चरकापत्थर थाना क्षेत्र के बाराटाड़ जंगल में शनिवार को सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली। एसएसबी और चरकापत्थर पुलिस की संयुक्त टीम ने लंबी दूरी की पेट्रोलिंग के दौरान सघन तलाशी अभियान चलाकर एक शक्तिशाली केन बम, 9 डेटोनेटर, एक थ्री नट, थ्री राइफल व मैगजीन बरामद किया।

बरामद राइफल का लकड़ी वाला हिस्सा गायब था, जिससे उसके पुराने होने की आशंका जताई जा रही है। थानाध्यक्ष रंजीत कुमार ने बताया कि एसएसबी और स्थानीय पुलिस की टीम बाराटाड़ के जंगली इलाके में नियमित लांग रेंज पेट्रोलिंग पर थी।

पेट्रोलिंग के दौरान संदिग्ध गतिविधि की आशंका के मद्देनजर तलाशी तेज की गई। तलाशी के क्रम में जवानों ने पत्थरों के नीचे छिपाकर रखे गए विस्फोटक और हथियार को बरामद किया। उन्होंने बताया कि बरामद केन बम काफी शक्तिशाली है और इससे बड़ी क्षति हो सकती थी।

सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तत्काल बम निरोधक दस्ते को सूचना दे दी गई है, जो मौके पर पहुंचकर बम को सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय करेगा। पुलिस और एसएसबी की टीम ने पूरे इलाके को घेरकर सतर्कता बढ़ा दी है।

प्रथम दृष्टया यह अनुमान लगाया जा रहा है कि ये विस्फोटक और हथियार काफी समय पहले यहां छिपाकर रखे गए थे। हालांकि, इन्हें किस उद्देश्य से और किन लोगों द्वारा रखा गया, इसकी जांच शुरू कर दी गई है।

इस बरामदगी के बाद आसपास के क्षेत्रों में भी सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में किसी भी संदिग्ध गतिविधि को लेकर पूरी सतर्कता बरती जा रही है।

स्मार्ट मीटर के नाम पर साइबर ठगी

सीतामढ़ी। साइबर अपराधी लगातार बिजली उपभोक्ताओं को निशाना बना रहे हैं। स्मार्ट मीटर अपडेट व रिचार्ज के नाम पर उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबर पर संपर्क कर उन्हें झांसे में लेकर उनके बैंक खाते खाली कर रहे हैं।यह दूसरा मामला है जब नगर के वार्ड 17, पुरानी स्टेट बैंक मोहल्ला के अखबार विक्रेता ठगी के शिकार हुए हैं। अपराधियों ने झांसा देकर उनके बैंक खाते से 35 हजार रुपये उड़ा लिए। घटना को लेकर उन्होंने साइबर विभाग, पटना के नंबर पर कॉल कर इसकी सूचना दी। उन्होंने बताया कि 23 मार्च की शाम करीब 5 बजे उनके मोबाइल पर एक व्यक्ति ने खुद को बिजली कर्मी बताते हुए फोन किया। उसने कहा कि उनके मीटर का रिचार्ज खत्म हो गया है और जल्द 200 रुपये से रिचार्ज करना होगा। इस दौरान अपराधी ने उनका उपभोक्ता संख्या, पता व पिता का नाम भी सही बताया। बिजली चालू रखने के लिए रिचार्ज करने को कहा गया। उसके झांसे में आकर उन्होंने फोनपे के माध्यम से रिचार्ज कर दिया। रिचार्ज के दौरान अपराधी ने लगभग तीन मिनट तक कॉल को प्रोसेस में रखा।

नाबालिग छात्रा के साथ स्कूल ड्राइवर ने किया दुष्कर्म

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सीवान ।जिले के बसंतपुर थाना क्षेत्र के सूर्यपुरा गांव में शुक्रवार देर रात रामनवमी मेले के दौरान एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां परिवार के साथ मेला घूमने गई 12 वर्षीय नाबालिग छात्रा के साथ उसके ही निजी स्कूल के ड्राइवर ने दुष्कर्म कर दिया आरोपी को पुलिस ने तुरंत गिरफ्तार कर लिया है, जबकि पीड़िता को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

परिवार सहित रामनवमी मेला देख रही 12 वर्षीय बच्ची से आरोपी ने धोखे से संपर्क किया। उसने लड़की से कहा कि तुम्हारे जीजा मेले में दुकान लगाए हैं और बुला रहे हैं। भोली-भाली बच्ची आरोपी के साथ चली गई।

आरोपी उसे जीजा के पास नहीं ले गया, बल्कि पास के एक सुनसान स्कूल में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और फरार हो गया।

जब परिवार को बच्ची के देर होने का अहसास हुआ तो उन्होंने तलाश शुरू कर दी। बच्ची के जीजा ने खोजते हुए स्कूल के पास सुनसान जगह पर रोती हुई बच्ची को पाया। घर ले जाने पर बच्ची के कपड़े खून से सने हुए थे। दादी के पूछने पर बच्ची ने सारी घटना बताई।

छात्रा की हालत नाजुक

घटना की सूचना मिलते ही परिवार और स्थानीय लोगों ने बसंतपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी स्कूल ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया पीड़िता को रात में ही सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

यह घटना इसलिए भी ज्यादा चौंकाने वाली है क्योंकि आरोपी उसी निजी स्कूल का चालक था, जहां पीड़िता पढ़ती है। विश्वास के इस घोर हनन ने पूरे इलाके में आक्रोश पैदा कर दिया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और आगे की जांच जारी है। पीड़िता की हालत अभी भी नाजुक बताई जा रही है।

सीमा पार कालाबाजारी पर नजर, बिहार में खाद उपलब्धता पर्याप्त : कृषि मंत्री

अफसरों को दिए सख्त निर्देश, जिलों से प्रत्येक सप्ताह रिपोर्ट तलब

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। खाद की कालाबाजारी करने वालों की अब खैर नहीं है। इस दिशा में कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने विभागीय पदाधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने साफ कहा है कि पदाधिकारी बिहार के साथ दूसरे राज्य और मुख्य रूप से सीमा से सटे नेपाल में खाद की कालाबाजारी पर नकेल कसने की दिशा में तत्पर रहें। जिला स्तरीय अधिकारी खाद की उपलब्धता को लेकर प्रत्येक सप्ताह में बैठक कर समीक्षा करेंगे और रिपोर्ट मुख्यालय को उपलब्ध कराएंगे। कृषि मंत्री शनिवार को पटना के मीठापुर स्थित कृषि भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध चल रहा है। इस स्थिति में खाद की कालाबाजारी की संभावना मजबूत हो जाती है। इसको ध्यान में रखते हुए विभागीय पदाधिकारियों को पैनी नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में खाद की उपलब्धता किसानों की मांग से भी ज्यादा है। ऐसे में किसान किसी भी अफवाह पर विश्वास नहीं करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी किसानों को आश्वस्त किया है कि उनकी प्रत्येक समस्या के समाधान के लिए सरकार सक्रिय है। कृषि मंत्री ने बताया कि मौजूदा समय में बिहार में यूरिया 2.48, डीएपी 1.43, एनपीके 2.07, एमओपी 0.39 और एसएसपी 1.02 लाख मीट्रिक टन उपलब्ध है। किसानों की मांग के अनुसार खाद की सतत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो और वह कालाबाजारी के शिकार न हो सकें। श्री यादव ने कहा कि खाद की कालाबाजारी की शिकायत मिलने पर रिटेलर, स्टाकिस्ट के साथ अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। इस दिशा में जिला से प्रखंड स्तर के अधिकारियों को निर्देश दिया जा चुका है। उन्होंने कहा कि राज्य में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को प्रेरित किया जा रहा है। इसके लिए धरती बचाओ कमेटी का गठन किया जाएगा। पैक्सों में लाइसेंस देने की प्रक्रिया भी तेज की जाएगी ताकि किसानों को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि आपदा प्रभावित किसानों को हाल के दिनों में करीब 200 करोड़ रुपए का मुआवजा बतौर राहत दिया गया है। मौजूदा खराब मौसम में होने वाली फसलों की क्षति को लेकर भी विभागीय अधिकारी जांच कर रहे हैं। श्रेणी में आने वाले किसानों को मुआवजा दिलाने के लिए विभाग पूरी तरह सक्रिय है। इस अवसर पर विभागीय प्रधान सचिव नर्मदेश्वर लाल ने कहा कि खाद की कालाबाजारी पर नियंत्रण पाने की दिशा में विभाग पूरी तरह से सतर्क है। निदेशक सुमन सौरभ यादव ने बताया कि विभाग खरीफ की तैयारी कर रहा है। कृषि एप से राज्य के किसान विभागीय योजनाओं की जानकारी हासिल कर उसका लाभ उठा सकते हैं।

अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए महाप्रबंधक ने 'विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार' से किया पुरस्कृत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। वैशाली रेल प्रेक्षागृह, हाजीपुर में आयोजित समारोह में महाप्रबंधक ने वर्ष 2025 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार से पुरस्कृत किया। समारोह का उद्घाटन महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह, पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा सुनीता सिंह एवं उपस्थित अन्य गणमाण्य द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक अमरेन्द्र कुमार, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव सहित मुख्यालय के उच्चाधिकारी एवं पांचों मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक उपस्थित थे। समारोह के दौरान मुख्यालय एवं पांचों मंडलों के कल्चर टीम द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिसे उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सराहा गया। आज के इस समारोह में महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा वर्ष 2025 में विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार के लिये कुल 94 अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन हेतु विभागों/मण्डलों के मध्य 56 दक्षता एवं सर्वांगीण दक्षता शील्ड भी प्रदान किया गया। आज के समारोह के दौरान समग्र क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य दक्षता के लिए 2025 का महाप्रबंधक ओवर ऑल एफिशिएंसी शील्ड पं.दीनदयाल उपाध्याय मंडल को प्रदान किया गया जबकि महाप्रबंधक एफिशिएंसी रनर्स अप कप धनबाद मंडल को मिला। पूर्व मध्य रेल में सफाई अभियान के लिए बड़े स्टेशनों की श्रेणी में धनबाद को, मध्यम श्रेणी के स्टेशनों में पाटलिपुत्र स्टेशन को तथा छोटे स्टेशनों की श्रेणी में सलौना स्टेशन को स्वच्छता शील्ड प्रदान किया गया। जनशिकायत निवारण में श्रेष्ठ प्रदर्शन से संबंधित रेल मदद शील्ड धनबाद मंडल को दिया गया। समारोह के प्रारंभ में महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने अपने स्वागत संबोधन में कहा कि पूर्व मध्य रेल अपनी स्थापना काल से अब तक के अविस्मरणीय सफर के दौरान कई उपलब्धियां हासिल कर चुका है। हमारी कार्य संस्कृति एवं निरंतर प्रयासों का परिणाम है कि कुल प्रारंभिक आय के मामले में पूर्व मध्य रेल ने चालू वित्तीय वर्ष में 31 हजार करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित कर भारतीय रेल में सर्वाधिक राजस्व प्राप्त करने वाले जोन का गौरव हासिल किया है।

सरकारी गेहूं खरीद 1 अप्रैल से, 48 घंटे में होगा भुगतान

राज्य में गेहूं की खरीद के लिए 21 जनवरी से चल रहा था किसानों का निबंधन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राज्य में सरकारी स्तर पर किसानों से गेहूं की खरीदारी 1 अप्रैल 2026 से शुरू हो जाएगी। गेहूं की खरीदारी के लिए सहकारिता विभाग ने सभी आवश्यक तैयारी कर ली है। विभाग पैक्सों और व्यापार मंडलों के माध्यम से किसानों से यह खरीदारी करता है। किसानों से गेहूं की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी पर की जाएगी। केंद्र सरकार ने रबी विपणन मौसम 2026-27 में गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,585 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया है जो पिछले वर्ष की तुलना में 160 रुपये प्रति क्विंटल अधिक है। इससे राज्य के गेहूं उत्पादक किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य प्राप्त हो सकेगा। वहीं इस वर्ष राज्य में गेहूं अधिप्राप्ति का कुल लक्ष्य 0.18 लाख मीट्रिक टन निर्धारित किया गया है। किसानों को उनके गेहूं का उचित मूल्य मिल सके, इसके लिए सहकारिता विभाग द्वारा किसानों को जागरूक भी किया जा रहा है। इसी कड़ी में विभाग की ओर से पिछले दिनों गेहूं की खरीदारी को लेकर राज्य के सभी जिलों में विभिन्न पैक्सों एवं व्यापार मंडलों में निबंधित किसानों के साथ बैठकें भी आयोजित की गई थीं। इन बैठकों में किसानों को अधिप्राप्ति प्रक्रिया, निबंधन, भुगतान व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी गई है। गेहूं की खरीद के लिए बीते 21 जनवरी से कृषि विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन निबंधन शुरू हो गया था। गेहूं बिक्री के बाद किसानों को 48 घंटों के भीतर पीएफएमएस प्रणाली के माध्यम से उनके नामित बैंक खाते में भुगतान किया जाएगा। किसान अपनी सुविधा के अनुसार पंचायत स्तर पर अवस्थित पैक्स अथवा प्रखंड स्तर पर अवस्थित व्यापार मंडल में गेहूं की बिक्री कर सकते हैं। किसान गेहूं बेचने से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए अपने प्रखंड में पदस्थापित सहकारिता प्रसार पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी अथवा संयुक्त निबंधक के कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

कन्या उत्थान योजना से बदली तस्वीर, 10 लाख से ज्यादा बालिकाएं लाभान्वित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के तहत तीन वर्षों में 10 लाख से अधिक बालिकाओं को लाभ पहुंचाया गया है। वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2024-25 तक 12 लाख 53 हजार 831 बालिकाएं पंजीकृत हुईं जिनमें से 10 लाख 35 हजार 770 लाभार्थियों को डीबीटी के जरिए राशि वितरित की जा चुकी है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में तकनीकी कारणों से पंजीकरण प्रक्रिया जनवरी माह के अंतिम सप्ताह से शुरू की गई थी। अब तक 1 लाख 10 हजार 367 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। अधिकारियों का कहना है कि पंजीकरण प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है और जल्द ही अधिक संख्या में लाभार्थियों को सहायता राशि प्रदान की जाएगी। समाज कल्याण विभाग से मिली जानकारी के अनुसार वित्तीय वर्ष 2022-23 में 3 लाख 46 हजार 658 बालिकाओं को डीबीटी के माध्यम से राशि प्रदान की गई है। 2023-24 में 3 लाख 52 हजार 413 लाभार्थी और 2024-25 में 3 लाख 36 हजार 699 लाभार्थियों को योजना का लाभ दिया गया है। योजना के तहत नवजात कन्या के जन्म के पहले वर्ष में 2 हजार रुपये और एक वर्ष पूरा होने पर जन्म पंजीकरण तथा आधार पंजीकरण के बाद 1 हजार रुपये सीधे माता-पिता/अभिभावकों के बैंक खाते में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से प्रदान किए जाते हैं।

बी.डी. कॉलेज के छात्रों ने कुलपति के समक्ष प्रस्तुत किया हेल्दी स्नैक स्टार्टअप 'फिट बडीज'

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। प्राचार्या प्रो. रत्ना अमृत के मार्गदर्शन में बी.डी. कॉलेज के एमबीए चौथे सेमेस्टर के छात्र शुभम कुमार एवं हर्ष कुमार ने फिट बडीज नामक हेल्दी स्नैक स्टार्टअप लॉन्च किया। यह स्टार्टअप मिलेट-आधारित स्नैक्स जैसे मिक्सचर और भुजिया विभिन्न फ्लेवर में उपलब्ध कराता है। ये स्नैक्स तले हुए नहीं बल्कि बेक्ड हैं जिनमें 12-16 ग्राम प्रोटीन होता है और इनमें पाम ऑयल का प्रयोग नहीं किया गया है। इस प्रकार फिट बडीज पारंपरिक स्नैक्स का एक स्वास्थ्यवर्धक विकल्प प्रस्तुत करता है। कुलपति ने छात्रों की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि नवाचार और उद्यमिता ही आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। ऐसे प्रयास छात्रों को उद्योग-तैयार बनाते हैं और समाज को स्वास्थ्यवर्धक विकल्प प्रदान करते हैं। प्राचार्या प्रो. रत्ना अमृत ने कहा कि छात्रों द्वारा स्वास्थ्य और सतत विकास पर केंद्रित स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करना हमारे संस्थान की प्राथमिकता है। यह पहल बी.डी. कॉलेज की नवाचार संस्कृति को और मजबूत करती है। छात्रों ने अपने उत्पाद का प्रदर्शन कुलपति के समक्ष भी किया जहां उनके नवाचार और उद्यमशीलता की सराहना की गई। यह स्टार्टअप बी.डी. कॉलेज और पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के उस दृष्टिकोण को साकार करता है जिसमें शिक्षा के साथ-साथ नवाचार, उद्यमिता और सामाजिक जिम्मेदारी को भी समान महत्व दिया जाता है।

केवाईपी में नामांकन और भुगतान को लेकर विवाद, केंद्र संचालकों में असंतोष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

वैशाली। बिहार कौशल विकास मिशन के तहत संचालित केवाईपी प्रशिक्षण केंद्रों में इन दिनों नामांकन प्रक्रिया और लंबित भुगतान को लेकर असंतोष बढ़ता जा रहा है। इस संबंध में केवाईसी वेल्फेयर सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. आनंद रंजन झा ने गंभीर मुद्दे उठाए हैं। डॉ. झा के अनुसार विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर केंद्र संचालकों में असमंजस की स्थिति है। एक ओर कम नामांकन वाले केंद्रों पर कार्रवाई की जा रही है जबकि दूसरी ओर जिन केंद्रों में पर्याप्त नामांकन हो चुका है उनके लिए नामांकन तिथि नहीं बढ़ाई जा रही है। उन्होंने बताया कि इस स्थिति के कारण कई इच्छुक छात्र योजना का लाभ लेने से वंचित हो सकते हैं। साथ ही केंद्र संचालकों का कहना है कि वे लगातार प्रयास कर नामांकन बढ़ा रहे हैं, लेकिन तिथि विस्तार नहीं मिलने से उनकी मेहनत प्रभावित हो रही है। इस बीच एक और महत्वपूर्ण समस्या के रूप में लंबित बिलों का भुगतान नहीं होना भी सामने आया है। डॉ. झा ने कहा कि समय पर भुगतान नहीं होने से केंद्रों पर आर्थिक दबाव बढ़ रहा है जिससे संचालन प्रभावित हो सकता है। केंद्र संचालकों ने विभाग से मांग की है कि नामांकन तिथि बढ़ाने के साथ-साथ लंबित बिलों का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित किया जाए, ताकि योजना का संचालन सुचारु रूप से हो सके और अधिक से अधिक युवाओं को इसका लाभ मिल सके।

नवाचार के साथ गणित सीखना समय की मांग : विजय प्रकाश

स्कूल ऑफ क्रिएटिव लर्निंग में दो दिवसीय गणित मेला सम्पन्न

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। दानापुर स्थित स्कूल ऑफ क्रिएटिव लर्निंग में 27 एवं 28 मार्च 2026 को आयोजित दो दिवसीय 'गणित मेला' उत्साह और रचनात्मकता के साथ सम्पन्न हुआ। मेले में विद्यार्थियों ने गणित को रोचक, जीवंत और अनुभवात्मक रूप में प्रस्तुत कर सभी को आकर्षित किया। मुख्य अतिथि, एपीसीएल के अध्यक्ष एवं 'सृजनात्मक गणित' के लेखक विजय प्रकाश ने अपने संबोधन में कहा कि आज के समय में गणित को पारंपरिक ढंग से नहीं, बल्कि नवाचारी तरीकों से सिखाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा गणित जीवन के हर क्षेत्र में व्याप्त है। यदि इसे आनंद और प्रयोग के साथ जोड़ा जाए तो यह बच्चों के लिए सहज और प्रिय विषय बन सकता है। उन्होंने गणित को मैजिक, म्यूजिक, नाटक, खेल और गतिविधियों के माध्यम से प्रस्तुत करने पर विशेष बल दिया।

प्राचार्या डॉ. मृदुला प्रकाश ने कहा कि गणित को समझने का सर्वोत्तम तरीका है उसे जीवन से जोड़ना। उन्होंने कहा कि जब बच्चे स्वयं करके सीखते हैं, तब ज्ञान अधिक स्थायी और प्रभावशाली बनता है। उन्होंने विद्यार्थियों की सृजनात्मक प्रस्तुतियों की सराहना की। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि विजय प्रकाश, प्राचार्या डॉ. मृदुला प्रकाश तथा गणित शिक्षकों–लव श्रीवास्तव, अलका, शिवानी एवं सलोनी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। मेले में प्राथमिक कक्षा के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत नाटक 'गणित की हड़ताल' विशेष आकर्षण का केंद्र रहा जिसमें यह दर्शाया गया कि गणित के बिना जीवन और व्यवस्था दोनों असंतुलित हो जाते हैं। इसके अतिरिक्त 'मैजिक स्क्वायर', 'कैलेंडर मैजिक', 'नो योर एज' तथा 'बर्थडे मैजिक' जैसे रोचक स्टॉलों ने आगंतुकों को आकर्षित किया और गणित के प्रति उनकी जिज्ञासा को बढ़ाया। गणितीय मॉडल्स और प्रोजेक्ट्स की प्रदर्शनी में विद्यार्थियों की कल्पनाशीलता और तार्किक क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन देखने को मिला। मेले के दौरान विभिन्न गणितीय प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया जिसमें छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

रसोई गैस की किल्लत, पेट्रोल-डीजल व बिजली दरों में संभावित बढ़ोतरी के खिलाफ चरणबद्ध विरोध करेगी कांग्रेस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश राम के निर्देश पर एलपीजी की भारी किल्लत, पेट्रोल-डीजल एवं बिजली की दरों में संभावित बढ़ोतरी के खिलाफ राज्य में चरणबद्ध विरोध कांग्रेस पार्टी करेगी। प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने बताया कि आम जनता महंगाई और आवश्यक वस्तुओं की किल्लत से त्रस्त है। रसोई गैस की उपलब्धता में भारी कमी और पेट्रोल-डीजल व बिजली की कीमतों में संभावित बढ़ोतरी ने आम लोगों की कमर तोड़ दी है, लेकिन केंद्र सरकार इस गंभीर समस्या पर कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। इसी को लेकर प्रदेश कांग्रेस ने निर्णय लिया है कि 31 मार्च को वरिष्ठ नेताओं के द्वारा जिला और प्रदेश मुख्यालय पर प्रेस कांफ्रेंस आयोजित किया जाएगा जिसके बाद 2 अप्रैल 2026 को राज्य के सभी प्रखंड मुख्यालयों पर कांग्रेसजनों द्वारा व्यापक विरोध प्रदर्शन किया जाएगा तथा प्रधानमंत्री का पुतला दहन किया जाएगा। इसके बाद 3 अप्रैल को राज्य मुख्यालय पर व्यापक प्रदर्शन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम के नेतृत्व में आयोजित होगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने सभी जिला प्रभारियों, जिला अध्यक्षों, कार्यकारी अध्यक्षों तथा प्रदेश पदाधिकारियों से आग्रह किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संगठित कर बड़ी संख्या में भागीदारी सुनिश्चित करें। राजेश राम ने कहा कि जब तक आम जनता को एलपीजी, महंगाई और आवश्यक वस्तुओं की किल्लत से राहत नहीं मिलती, तब तक कांग्रेस पार्टी जनता की आवाज बनकर संघर्ष करती रहेगी।

भारतीय खाद्य निगम, बिहार क्षेत्र ने किया अंतर-प्रभागीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का सफल आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारतीय खाद्य निगम, मण्डल कार्यालय, पटना स्थित खेल परिसर में क्षेत्रीय खेलकूद प्रोत्साहन समिति, बिहार क्षेत्र के तत्वावधान में अंतर-प्रभागीय बैडमिंटन प्रतियोगिता वर्ष 2025-26 का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर उद्घाटन/समापन सह पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन करनदीप जैन, महाप्रबंधक (बिहार क्षेत्र) सह क्षेत्रीय खेलकूद प्रोत्साहन समिति के अध्यक्ष की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। समारोह में आनन्द कुमार, उप महाप्रबंधक (विधि), एस.के.भदानी, पूर्व महाप्रबंधक (बिहार क्षेत्र) एवं अमित भूषण, पूर्व महाप्रबंधक (बिहार क्षेत्र) सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर महाप्रबंधक (बिहार क्षेत्र) करनदीप जैन ने खिलाड़ियों द्वारा प्रदर्शित उत्कृष्ट खेल भावना, अनुशासन एवं प्रतिस्पर्धात्मक उत्साह की सराहना की तथा उन्हें भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। अपने संबोधन में करनदीप जैन ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए सभी संबंधित अधिकारियों एवं आयोजन समिति को बधाई दी।

रामनवमी पर भव्य सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा वार्षिकोत्सव संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। रामनवमी के पावन अवसर पर प्रासंबी सरयूग विहार अपार्टमेंट सोसाइटी, पाटलिपुत्र कॉलोनी में सामूहिक सुंदरकांड पाठ, पूजा-अर्चना एवं भंडारा का भव्य एवं श्रद्धामय आयोजन किया गया। इस धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम में सोसाइटी के सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया जिससे पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान हो उठा। उल्लेखनीय है कि ठीक एक वर्ष पूर्व, पिछले रामनवमी के शुभ अवसर पर इसी सोसाइटी में साप्ताहिक सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ की शुरुआत की गई थी जो निरंतर प्रत्येक शनिवार रात्रि 9 बजे आयोजित होता आ रहा है। इस नियमित आयोजन में सभी सदस्य श्रद्धा एवं भक्ति भाव से सम्मिलित होकर धार्मिक एकता एवं सामाजिक समरसता का परिचय देते हैं। इस वर्ष रामनवमी का आयोजन इसलिए और भी विशेष रहा क्योंकि इसी दिन सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ के एक वर्ष पूर्ण होने पर वार्षिकोत्सव भी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुंदरकांड पाठ एवं पूजा-अर्चना के उपरांत भंडारा प्रसाद का आयोजन किया गया जिसमें सोसाइटी के सदस्य, उनके परिवारजन, बच्चे तथा आसपास के श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम की सफलता में सोसाइटी के सम्मानित सदस्यों सुभाष चंद्र रॉय, सुमंत सिंह, प्रदीप कुमार, विजय कुमार, गौरव कुमार, राजीव रंजन, प्रमोद कर्ण, अभय कुमार, उमेश कुमार, ललित प्रसाद, ऋतुराज राज एवं अक्षत अजित सहित सभी निवासियों का विशेष योगदान रहा। सभी सदस्यों के सहयोग, समर्पण और उत्साह ने इस आयोजन को अत्यंत भव्य, सफल एवं स्मरणीय बना दिया। समस्त कार्यक्रम का सफल संचालन अजीत कुमार ठाकुर एवं सुमंत सिंह द्वारा किया गया। यह आयोजन सामाजिक समरसता, धार्मिक आस्था और सामूहिक एकजुटता का अनुपम उदाहरण बनकर उभरा। इस अवसर पर सभी सदस्यों ने संकल्प लिया कि साप्ताहिक हनुमान चालीसा पाठ का यह पावन क्रम भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा।

1 अप्रैल से कचरा प्रबंधन के नए नियम लागू, चार डिब्बों में देना होगा कचरा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। शहरों को स्वच्छ व प्रदूषणरहित रखने के लिए नगर निकायों के लिए नया गाइडलाइन जारी किया गया है जिसमें 100 किलो से अधिक कचरा उत्पादन करने वाले संस्थान जैसे-अपार्टमेंट, होटल, सरकारी कार्यालय आदि को स्वयं कचरा प्रोसेसिंग लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। साथ ही गीले कचरे का ऑन साइट कंपोस्टिंग करने का साफ निर्देश दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि यह व्यवस्था एक अप्रैल से न्यू सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स-2026 के तहत सभी नगर निकायों के लिए लागू किया गया है। वहीं, राजधानी को सुंदर, स्वच्छ व कचरा मुक्त बनाने के लिए पटना नगर निगम डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन का भी नियम एक अप्रैल से लागू होगी। अब घरों से कचरा उठाव के दौरान लोगों को अपने कचरे को केवल गीला और सूखा में नहीं, बल्कि चार अलग-अलग श्रेणियों में बांटकर देना अनिवार्य होगा जबकि पहले यह व्यवस्था अनिवार्य नहीं थी। केवल दो श्रेणी में बांट कर कचरा उठाव किया जा रहा था। इस नई व्यवस्था के तहत अब कचरा ढोने वाली गाड़ियों में चार अलग-अलग रंगों के बिन लगे होंगे। नगर निगम ने स्पष्ट कर दिया है। बता दें कि यदि घरों से कचरा अलग-अलग करके नहीं दिया गया तो सफाईकर्मी उसे स्वीकार नहीं करेंगे। इस पहल का मुख्य उद्देश्य कचरे का शत-प्रतिशत वैज्ञानिक निस्तारण करना और पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाना है। वहीं राजधानी में दो नए रंग भी लोगों की स्वच्छता नियमों में शामिल किये जायेंगे। राजधानी के नगर निगम अंतर्गत 225 नये वाहन खरीदे जायेंगे जिसमें शहर के सभी 6 अंचलों के 375 सेक्टरों में कचरा उठाव के लिए नगर निगम संसाधनों को बढ़ाया जा रहा है। वर्तमान में निगम के पास 373 क्लोज टिपर और 150 सीएनजी टिपर हैं जिनमें से लगभग 327 वाहन वर्तमान में सुचारू रूप से कार्य कर रहे हैं। कचरा कलेक्शन को बेहतर बनाने के लिए निगम 225 नए वाहनों की खरीदारी कर रहा है। इनमें 150 क्लोज टिपर और 75 ओपन टिपर शामिल होंगे। इन सभी वाहनों को नए कलर कोडेड बिन के साथ लैस किया जायेगा।

बेहतर परवरिश और शिक्षा पर जोर: कार्मेल हाई स्कूल में के.जी.-1 ओरिएंटेशन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। के.जी.-1 कक्षा के विद्यार्थियों के अभिभावकों के लिए कार्मेल हाई स्कूल में 28 मार्च को विद्यालय परिसर में एक व्यापक ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसने नन्हे विद्यार्थियों के लिए एक सार्थक नई यात्रा की शुरुआत को चिह्नित किया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई जिसके बाद मधुर प्रार्थना गीत, मनमोहक प्रार्थना नृत्य और स्वागत गीत प्रस्तुत किए गए जिससे पूरे वातावरण में एक सकारात्मक और स्वागतयोग्य माहौल बना। विद्यालय की प्राचार्या सिस्टर मृदुल ए.सी. ने अभिभावकों के लिए मार्गदर्शन सत्र का संचालन किया। उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा के महत्व और अभिभावकों की प्रथम शिक्षक के रूप में भूमिका पर प्रकाश डाला। साथ ही अनुशासन, मूल्य आधारित परवरिश, सीमित स्क्रीन टाइम और गुणवत्तापूर्ण संवाद की आवश्यकता पर जोर दिया। संसाधन व्यक्ति डॉ. विमलेंदु ने सकारात्मक प्रोत्साहन, भावनात्मक जुड़ाव और घर में सहयोगी शैक्षणिक वातावरण बनाने पर केंद्रित व्यावहारिक अभिभावक सुझाव साझा किए। प्री-प्राइमरी समन्वयक सिस्टर लिली डी सूजा ने विद्यालय की दृष्टि, मिशन और मूल्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कृतज्ञता, मानव जीवन के प्रति सम्मान और महिला सशक्तिकरण जैसे प्रमुख मूल्यों पर विशेष जोर दिया। शिक्षक समन्वयक श्रीमती नमिता ने पाठ्यक्रम और दैनिक दिनचर्या के बारे में जानकारी साझा की। उन्होंने अनुशासन और विद्यालय-अभिभावक के बीच टीमवर्क की भूमिका को बच्चों के समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम के दौरान एक इंटरैक्टिव सत्र भी आयोजित किया गया जिसमें अभिभावकों ने शिक्षकों के साथ विचारों का आदान-प्रदान किया और शिक्षा एवं पालन-पोषण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

संपादकीय

होर्मुज पर ईरान के फैसले से भारत समेत दुनिया को बड़ी राहत

मौजूदा संकट के बीच सरकार ने तेल और गैस का पर्याप्त भंडार होने की बात कही है, लेकिन सच यह है कि आम लोग रसोई गैस, तेल और उर्वरकों की कमी से उपजी मुश्किल का सामना कर रहे हैं।पश्चिम एशिया में अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद ईरान ने जवाब के तौर पर जो मोर्चे खोले, उसमें होर्मुज जलमार्ग को बाधित करना उसकी एक कारगर रणनीति साबित हुई है। इसी वजह से आज हालत यह है कि दुनिया के कई देश ईरान के सख्त रुख की वजह से कच्चे तेल और गैस के संकट का सामना कर रहे हैं।इनमें वैसे देश भी हैं, जिन्होंने ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमले में कोई प्रत्यक्ष भागीदारी नहीं की है, वे किसी भी पक्ष में मैदान में नहीं हैं और मतभेद के मुद्दों का हल संवाद के जरिए करने के समर्थक हैं। भारत ने भी पश्चिम एशिया में उभरे संकट का समाधान बातचीत से निकालने के लिए आवाज उठाई है।शायद यही वजह है कि अब ईरान ने होर्मुज जलमार्ग से चीन और रूस सहित जिन पांच देशों को अपने जहाज निकालने की छूट दी है, उनमें भारत भी शामिल है। यों भारत आने वाले चार जहाज पहले ही होर्मुज जलमार्ग को पार कर चुके हैं, लेकिन अठारह जहाज उसी इलाके में फंसे हुए थे।ईरान के ताजा रुख के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि भारत के बाकी जहाज वहां से निकल कर आ सकेंगे और इससे देश में तेल और गैस के गहराते संकट को कम करने में मदद मिलेगी।हालांकि अमेरिका और इजरायल को लेकर ईरान अब भी सख्त है और शांति प्रस्तावों को लेकर भी उसने कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी है। मगर होर्मुज जलमार्ग पर उसके रुख में आई नरमी से दुनिया के कुछ देशों को राहत मिल सकती है।बाकी ईरान जिन्हें शत्रु देश मानता है, उनके जलपोतों को लेकर वह अब भी सख्त है। जहां तक भारत का सवाल है, तो ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि हमने कुछ ऐसे देशों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की इजाजत दी है, जिन्हें हम मित्र मानते हैं।इसमें चीन, रूस, भारत, इराक तथा पाकिस्तान शामिल हैं। दरअसल, पिछले कुछ दिनों से भारत ईरान के साथ लगातार कूटनीतिक संवाद के जरिए पश्चिम एशिया में संघर्ष खत्म कराने के साथ-साथ होर्मुज जलमार्ग से अपने लिए भी एक रास्ता निकालने की कोशिश कर रहा था।कुछ उतार-चढ़ाव को छोड़ दें, तो भारत और ईरान के संबंध दोस्ताना रहे हैं।

पूरी दुनिया में प्रदूषण एक गंभीर समस्या बन चुकी है। ऐसे में एक ओर वैश्विक स्तर पर पर्यावरण को बचाने का आह्वान किया जा रहा है, तो दूसरी तरफ विभिन्न देश धरती के वातावरण को बारूद से भर देने वाले युद्धों में उलझे हुए हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध इसका बड़ा उदाहरण है। लंबे समय से चल रहा यह संघर्ष केवल सैनिकों और शहरों के लिए त्रासदी नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण के लिए भी एक गहरी चोट है। जब मिसाइलें तेल भंडारों, ऊर्जा संयंत्रों और रासायनिक कारखानों पर गिरती हैं, तो केवल इमारतें नहीं टूटतीं, हवा में विषैला धुआं फैलता है, नदियों में जहरीले पदार्थ घुलते हैं और मिट्टी की संरचना तक बदल जाती है। विडंबना यह है कि इस युद्ध में दुनिया की बड़ी ताकतें भी किसी न किसी रूप में इसके पीछे खड़ी दिखाई देती हैं। सैन्य सहायता, हथियारों की आपूर्ति और रणनीतिक समर्थन ने इस संघर्ष को लंबा और जटिल बना दिया है। यही वे देश हैं, जो अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पर्यावरण संरक्षण के सबसे मुखर प्रवक्ता भी हैं।

दुनिया भर के सम्मेलनों में पर्यावरण बचाने की बातें, युद्ध आते ही खामोश हो जाता है विमर्श

(प्रीति अज्ञात)

युद्ध के धुएं में गुम पर्यावरण के प्रश्न प्रीति अज्ञात आज के दौर में पर्यावरण की चर्चा इतनी व्यापक हो गई है कि इससे जुड़े शब्दों का एक अंतहीन जंगल बन गया है, जिसमें हर रास्ता पृथ्वी की चिंता तक ले जाता है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जलवायु परिवर्तन, कार्बन उत्सर्जन, जैव विविधता और सतत विकास जैसे शब्द बार-बार गूंजते हैं। सम्मेलनों में पृथ्वी को बचाने के संकल्प लिए जाते हैं, भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित ग्रह की कल्पना की जाती है और यह घोषणा की जाती है कि पर्यावरण संकट मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ा खतरा है। मगर जैसे ही कहीं युद्ध का नगाड़ा बजता है, यह पूरा विमर्श मानो अचानक मौन हो जाता है। धरती और इसके वातावरण की रक्षा की वह नैतिकता, जो शांति के दिनों में इतनी मुखर दिखाई देती है, युद्ध की आहट पाते ही धुएं में विलीन हो जाती है। तब पर्यावरण की चिंता पीछे छूट जाती है और सामने आ खड़ी होती है शक्ति, प्रभुत्व और भू-राजनीति की कठोर भाषा। यह आधुनिक सभ्यता की सबसे गहरी विडंबनाओं में से एक है।

पूरी दुनिया में प्रदूषण एक गंभीर समस्या बन चुकी है। ऐसे में एक ओर वैश्विक स्तर पर पर्यावरण को बचाने का आह्वान किया जा रहा है, तो दूसरी तरफ विभिन्न देश धरती के वातावरण को बारूद से भर देने वाले युद्धों में उलझे हुए हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध इसका बड़ा उदाहरण है। लंबे समय से चल रहा यह संघर्ष केवल सैनिकों और शहरों के लिए त्रासदी नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण के लिए भी एक गहरी चोट है। जब मिसाइलें तेल भंडारों, ऊर्जा संयंत्रों और रासायनिक कारखानों पर गिरती हैं, तो केवल इमारतें नहीं टूटतीं, हवा में विषैला धुआं फैलता है, नदियों में जहरीले पदार्थ घुलते हैं और मिट्टी की संरचना तक बदल जाती है। विडंबना यह है कि इस युद्ध में दुनिया की बड़ी ताकतें भी किसी न किसी रूप में इसके पीछे खड़ी दिखाई देती हैं। सैन्य सहायता, हथियारों की आपूर्ति और रणनीतिक समर्थन ने इस संघर्ष को लंबा और जटिल बना दिया है। यही वे देश हैं, जो अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पर्यावरण संरक्षण के सबसे मुखर प्रवक्ता भी हैं।

इसी तरह अब इजरायल-अमेरिका तथा ईरान ने भी युद्ध का मोर्चा खोल दिया है। इसने मध्य-पूर्व की धरती को एक बार फिर बारूद के ढेर पर खड़ा कर दिया है। इस संघर्ष में गाजा पट्टी से लेकर ईरान, इजरायल और खाड़ी क्षेत्र के अन्य देशों में हो रही बमबारी केवल मानवीय त्रासदी नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण के विनाश का कारण की भी बन रही है। गाजा की सीमित भूमि पर हजारों बमों की बरसात ने वहां मिट्टी को विषैला बना दिया है। बारूदी हमलों से जलस्रोत नष्ट हो रहे हैं, समुद्री तट प्रदूषित हो रहे हैं और हवा में बारूद का जहर घुल रहा है। युद्ध का यह पर्यावरणीय पक्ष अक्सर मानवीय त्रासदी की विशालता के पीछे छिप जाता है, लेकिन उसका प्रभाव कहीं अधिक दीर्घकालिक होता है। इतिहास ऐसी घटनाओं की सच्चाई को उजागर करता है, लेकिन उससे कोई सबक नहीं लिया जाता। वर्ष 1991 के खाड़ी युद्ध के दौरान कुवैत के तेल कुओं में लगी आग ने महीनों तक आसमान को काले धुएं से ढक दिया था, जो केवल युद्ध नहीं, बल्कि पर्यावरण पर भी हमला था। इसी तरह वियतनाम युद्ध में जंगलों को नष्ट करने के लिए 'एजंट आरेंज' जैसे रसायनों का प्रयोग किया गया, जिसने लाखों हेक्टेयर जंगल नष्ट कर दिए और वहां की धरती तथा हवा को जहरीला बना दिया।

युद्ध का हर विस्फोट केवल सैनिकों को नहीं मारता, वह धरती की छाती में भी एक घाव बनाता है। एक बम जब गिरता है, तो उसके साथ हजारों टन कार्बन वातावरण में फैल जाता है। टैंक और लड़ाकू विमान ईंधन की ऐसी खपत करते हैं, जिसकी कल्पना भी सामान्य जीवन में नहीं की जा सकती। यदि युद्ध के दौरान होने वाले कार्बन उत्सर्जन की सही गणना की जाए, तो शायद वह कई छोटे देशों के कुल वार्षिक उत्सर्जन से भी अधिक होगा। फिर भी अंतरराष्ट्रीय जलवायु सम्मेलनों में इस विषय पर बहुत कम चर्चा होती है, क्योंकि युद्ध के समय नैतिक प्रश्नों को अक्सर राष्ट्रवाद की चादर से ढक दिया जाता है। पर्यावरण की बात करने वाले कई वैश्विक मंच भी इस विषय पर मौन साध लेते हैं। युद्ध और पर्यावरण के बीच का संबंध केवल प्रदूषण तक सीमित नहीं है। युद्ध प्राकृतिक संसाधनों के विनाश का भी कारण बनते हैं। जंगलों को काटकर सैन्य अड्डे बनाए जाते हैं और खनिज संपदाओं पर नियंत्रण के लिए संघर्ष छेड़े जाते हैं। इस दृष्टि से देखें, तो युद्ध और पर्यावरण संकट एक-दूसरे से अलग नहीं, बल्कि एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।

सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि पर्यावरण के नाम पर नैतिकता का पाठ वही देश पढ़ाते हैं, जिनकी सैन्य शक्ति सबसे अधिक है। वे विकासशील देशों को कार्बन उत्सर्जन कम करने की सलाह देते हैं, लेकिन अपने सैन्य उद्योगों के उत्सर्जन पर शायद ही कभी चर्चा करते हैं। यहां सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या पर्यावरण की चिंता केवल एक राजनीतिक औजार है? क्या यह गंभीरता तभी जागृत होती है, जब किसी विकासशील देश के उद्योगों पर सवाल उठाने हों? मगर पृथ्वी की वास्तविकता इससे कहीं अधिक व्यापक है। धरती किसी एक राष्ट्र की नहीं है। हवा, पानी, मिट्टी और जंगल पूरी मानवता की साझा धरोहर हैं।

जब किसी युद्ध में तेल के भंडार जलते हैं, तो उनका धुआं पूरी दुनिया के वातावरण में फैलता है। जब रासायनिक कारखाने नष्ट होते हैं, तो उनके विषैले अवशेष नदियों और समुद्रों तक पहुंच जाते हैं। इसलिए युद्ध को केवल राजनीतिक या सामरिक घटना के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह केवल मानवता का ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय संकट का भी एक बड़ा कारण है। आश्चर्यजनक तथ्य यह है कि आज की दुनिया में युद्ध और पर्यावरण पर विमर्श एक साथ चल रहे हैं, मगर दोनों के बीच कोई वास्तविक संवाद नहीं है। एक तरफ जलवायु सम्मेलन हो रहे हैं, दूसरी तरफ हथियारों की दौड़ तेज होती जा रही है।

संभवत-मानव सभ्यता इतिहास के उस मोड़ पर खड़ी है, जहां उसे यह तय करना होगा कि वह पृथ्वी को बचाना चाहती है या अपने अहंकार को, क्योंकि युद्ध उसी अहंकार की अभिव्यक्ति है, जो यह मानता है कि शक्ति ही सबसे बड़ा सत्य है। आज जलवायु परिवर्तन, असामान्य मौसम और प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती संख्या हमें यही संकेत दे रही है कि पृथ्वी की सहनशीलता की भी एक सीमा है। यदि मानव सभ्यता सचमुच पृथ्वी को बचाना चाहती है, तो उसे केवल पर्यावरणीय नीतियों पर ही नहीं, बल्कि युद्ध की मानसिकता पर भी गंभीरता से विचार करना होगा। जब तक राष्ट्र अपनी शक्ति का प्रदर्शन युद्ध के मैदानों में करते रहेंगे, तब तक पर्यावरण संरक्षण की सारी घोषणाएं शब्दों के जंगल से अधिक कुछ नहीं होंगी।

युद्ध पृथ्वी के उस संतुलन को नष्ट करते हैं, जिसे बनाने में प्रकृति को लाखों वर्ष लगे हैं। इसलिए पृथ्वी को बचाने की सबसे पहली शर्त ही यही है कि उसे युद्धभूमि बनने से रोका जाए। अन्यथा इतिहास यह लिखेगा कि मनुष्य ने पृथ्वी को बचाने के लिए असंख्य भाषण दिए, अनगिनत संकल्प लिए, लेकिन जब निर्णायक क्षण आया, तो उसने अपने ही हाथों से उस धरती की कोख में बारूद भर दिया, जिस पर मानव और मानवता का पूरा भविष्य टिका हुआ है। इस लेख में लेखक के निजी विचार हैं।

मलयालम को ताकतवर बनाने का श्रेय लेने की होड़

(उमेश चतुर्वेदी)

भाषायी अस्मिता के लिहाज से देखें तो केरल का यह कदम बेहद क्रांतिकारी और भारतीय भाषाओं के हित में है। लेकिन कर्नाटक की आपत्तियों को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। यहां ध्यान दिया जाना चाहिए कि केरल के कासरगोड जिले में मलयालम की बजाय कन्नड़ भाषी लोग ज्यादा है।

केरलम् में विधानसभा चुनावों के बीच मलयालम को राज्य की आधिकारिक भाषा का दर्जा मिलने का श्रेय लेने का सियासी खेल बढ़ता जा रहा है। राज्य का नाम केरलम् किया जाना और इसके हफ्तेभर बाद ही मलयालम को आधिकारिक भाषा की मंजूरी मिलना कुछ लोगों की नजर में भले ही संयोग हो, लेकिन ऐसा नहीं है। राज्य में विधानसभा चुनाव की रणभेरी बजने की औपचारिकता भर बाकी है। इस संदर्भ में राजनीतिक दलों द्वारा इन दोनों कदमों का श्रेय लेने की होड़ मचना स्वाभाविक है। लेकिन भाषा विधेयक को लेकर केरल की सीमाओं के बाहर सवाल भी उठने शुरू हो गए हैं। इसमें दो राय नहीं कि गैर हिंदीभाषी इलाके अपनी भाषाओं और सांस्कृतिक परंपराओं को अपनी अस्मिता से जोड़कर देखते हैं। हिंदीभाषी राज्यों में अपनी हिंदी या स्थानीय भाषाओं को लेकर ऐसी सोच नहीं दिखती।

मलयालम को केरलम् की आधिकारिक भाषा बनाने की मांग बहुत पुरानी है। इस दिशा में पहला प्रयास करीब दस साल पहले कांग्रेस की अगुआई वाली संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा यानी यूडीएफ की सरकार ने किया था। 2015 में ओमन चांडी सरकार ने इस विधेयक को पारित कराया था। लेकिन तब इस विधेयक पर पड़ोसी कर्नाटक सरकार ने कड़ा एतराज जताया था। जब इस विधेयक को मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा गया तो राष्ट्रपति ने इसे 1963 के ऑफिशियल भाषा एक्ट के नियमों को हटाकर जमा करने के सुझाव के साथ वापस भेज दिया था। फिर दस साल बाद मौजूदा वाममोर्चा की सरकार ने इसे नए रूप में पारित किया। इस बार भी कर्नाटक इस कानून का विरोध कर रहा है।

अब तक केरल में अंग्रेजी के साथ ही मलयालम को आधिकारिक भाषा के तौर पर प्रतिष्ठा रही है। लेकिन नए कानून के तहत सरकारी और सरकारी अनुदान प्राप्त स्कूलों में कक्षा 10 तक मलयालम को पहली भाषा के तौर पर अनिवार्य रूप से पढ़ाना जरूरी होगा। इसके साथ ही अदालती फैसलों और कार्यवाही भी अनिवार्य तौर पर मलयालम भाषा में अनूदित की जाएंगी। अब से राज्य विधानसभा में सभी बिल और अध्यादेश मलयालम में पेश किए जाएंगे। इसके साथ ही, अंग्रेजी में प्रकाशित महत्वपूर्ण केंद्रीय और राज्य कानूनों का भी मलयालम में अनुवाद होगा। नए कानून के तहत सूचना तकनीकी विभाग को मलयालम के प्रभावी इस्तेमाल के लिए ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर और इंस्ट्रूमेंट विकसित करने की जिम्मेदारी दी जा रही है। राज्य सचिवालय में मौजूदा पर्सनल एंड एडमिनिस्ट्रेटिव रिफॉर्म्स (ऑफिशियल लैंग्वेज) विभाग का नाम बदलकर मलयालम भाषा विकास विभाग किया जा राह है। इन कदमों के साथ ही राज्य में मलयालम भाषा विकास निदेशालय भी गठित किया जाएगा।

भाषायी अस्मिता के लिहाज से देखें तो केरल का यह कदम बेहद क्रांतिकारी और भारतीय भाषाओं के हित में है। लेकिन कर्नाटक की आपत्तियों को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। यहां ध्यान दिया जाना चाहिए कि केरल के कासरगोड जिले में मलयालम की बजाय कन्नड़ भाषी लोग ज्यादा है। राज्य मे इसी तरह तमिल, तुलु, गुजराती और कोंकणीभाषी लोग भी हैं। उनकी अपनी भाषाओं में पढ़ाई वाले स्कूल भी हैं। हालांकि मलयालम भाषा कानून का विरोध तमिल मूल के लोगों ने तो नहीं किया है, लेकिन कर्नाटक के तर्कों में उनकी भी बातें एक तरह शामिल हैं।

कर्नाटक सरकार का तर्क है कि यह कानून केरल में रहने वाले कन्नड़ भाषी अल्पसंख्यकों की भाषाई अस्मिता के लिए खतरा है। यह कानून, कर्नाटक भाषियों के अधिकारों का उल्लंघन है। कर्नाटक सीमा क्षेत्र विकास प्राधिकरण का तर्क है है कि कासरगोड और केरल के दूसरे कन्नड़ भाषी क्षेत्रों में भाषाई अल्पसंख्यक छात्र अभी स्कूलों में कन्नड़ को पहली भाषा के तौर पर पढ़ते हैं। केरल में स्कूलों में हिंदी भी पढ़ाई जाती रही है। इसलिए माना जाता है कि केरल में हिंदीविरोधी माहौल नहीं है। लेकिन दिलचस्प यह है कि केरल के विद्वान भी इस कानून के पक्ष में तर्क देते वक्त केंद्र सरकार पर केरल में हिंदी थोपने का आरोप लगाने से नहीं हिचक रहे। दिलचस्प यह है कि ऐसा ही आरोप कर्नाटक की ओर से लगाया जा रहा है, बस वहां हिंदी की जगह मलयालम को थोपे जाने की बात हो रही है।

केरल सरकार ने हालांकि सफाई दी है कि जिनकी मातृभाषा तमिल, कन्नड़, तुलु या कोंकणी है, उनके लिए भी कानून में प्रावधान हैं। इस कानून में इस बात की चर्चा है कि राज्य के भाषायी अल्पसंख्यक अपनी भाषा में राज्य सचिवालय, विभागों और स्थानीय सरकारी कार्यालयों से पत्राचार कर सकेंगे। इसके साथ ही, मलयालम के अलावा दूसरी मातृभाषा वाले छात्रों को नेशनल एजुकेशन प्रोग्राम में शामिल भाषाओं में पढ़ाई कर सकेंगे। इसी तरह दूसरे राज्यों या विदेश से आने वाले छात्रों को नौंवी, दसवीं और हायर सेकेंडरी स्तर पर मलयालम की परीक्षा देने से छूट मिलेगी।

मलयालम को आधिकारिक भाषा बनाने का स्थानीय नागरिक स्वागत तो कर रहे हैं, लेकिन कुछ लोगों का मानना है कि इस कानून के नाम से ही अलगाववादी और वर्चस्ववादी झलक मिलती है।, केरल के बौद्धिकों के एक वर्ग का कहना है कि बेहतर होता है कि इस कानून का नाम 'मलयालम भाषा एक्ट 2025' की जगह 'केरल स्टेट लैंग्वेज एक्ट 2025' होता। इससे समावेशी संदेश जाता। यहां के बौद्धिकों का तर्क है कि इस विधेयक में मलयालम की जगह बेहतर होता कि राज्य में प्रयोग में लाई जाने वाली तमिल,कन्नड़, कोंकणी, तुलु और गुजराती का भी जिक्र होता। केरल में जंगलों और दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों की अपनी भाषाएं भी हैं। वे मलयालम का इस्तेमाल कम करते हैं। इसलिए एक वर्ग का मानना है कि उनकी भाषाओं की अस्मिता की रक्षा का बोध भी इस कानून में होना चाहिए था। बेशक केरल के विधानसभा चुनाव में मलयालम को आधिकारिक दर्जा मिलना बड़ा मुद्दा होगा।

अमेरिका-ईरान युद्ध से अब इंटरनेट सेवाओं पर संकट के बादल

अमेरिका-इजरायल व ईरान युद्ध के चलते अभी विश्व के देश ऊर्जा संकट का समाधान तो निकाल ही नहीं पा रहे कि डिजिटल सेवाओं के बाधित होने के भय से दुनिया के देशों की सरकारों की जान सांसत में आने लगी हैं। इंटरनेट आज प्रमुख आवश्यकताओं में से एक हो गया है। एयर लाइंस, बैंकिंग सेवाएं, संचार व्यवस्था जिसमें संवाद कायम करने से लेकर सभी तरह की डिजिटल सेवाएं, स्टॉक मार्केट आदि आदि बुरी तरह से प्रभावित होने की संभावनाओं से नकारा नहीं जा सकता। आज इंटरनेट पर निर्भरता बहुत अधिक हो गई है। अमेरिका-ईरान युद्ध को जिस तरह से शुरुआती दौर में ट्रंप द्वारा हलके में लिया जा रहा था वास्तव यह ट्रंप की गलत फहमी ही रही। वैसे भी रुस यूक्रेन के युद्ध से ही अमेरिका को सबक लेना चाहिए था।

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

इंटरनेट की दुनिया अभी छह दशक भी पूरे नहीं कर पाई है कि बड़ी समस्या सामने आ गई है। इसमें कोई दो राय नहीं कि 1960 में जब जेसीआर लिकलाइडर ने वैश्विक नेटवर्क की कल्पना की थी उस समय यह सोचा भी नहीं होगा कि तीन से चार दशक में ही इंटरनेट संचार जगत में बड़ी क्रांति लाने में सफल हो जाएगा।

अमेरिका-इजरायल व ईरान युद्ध के चलते अभी विश्व के देश ऊर्जा संकट का समाधान तो निकाल ही नहीं पा रहे कि डिजिटल सेवाओं के बाधित होने के भय से दुनिया के देशों की सरकारों की जान सांसत में आने लगी हैं। इंटरनेट आज प्रमुख आवश्यकताओं में से एक हो गया है। एयर लाइंस, बैंकिंग सेवाएं, संचार व्यवस्था जिसमें संवाद कायम करने से लेकर सभी तरह की डिजिटल सेवाएं, स्टॉक मार्केट आदि आदि बुरी तरह से प्रभावित होने की संभावनाओं से नकारा नहीं जा सकता। आज इंटरनेट पर निर्भरता बहुत अधिक हो गई है। अमेरिका-ईरान युद्ध को जिस तरह से शुरुआती दौर में ट्रंप द्वारा हलके में लिया जा रहा था वास्तव यह ट्रंप की गलत फहमी ही रही। वैसे भी रुस यूक्रेन के युद्ध से ही अमेरिका को सबक लेना चाहिए था। दोनों देश पास पास होने और संसाधनों की दृष्टि से रुस अधिक ताकतवर होने के बावजूद आज तक कोई अंत नहीं दिखाई दे रहा। अमेरिका ईरान युद्ध के साइड इफेक्ट के रुप में अभी तो उर्जा संकट है पर जिस तरह के हालात बनते जा रहे हैं आने वाले समय में मध्य पूर्व के देशों में पेयजल और दुनिया के देशों के लिए इंटरनेट सेवाओं के प्रभावित होने की संभावनाओं को नकारा नहीं जा सकता। दरअसल जिस तरह से कच्चे तेल और एलपीजी आदि की दुनिया के देशों में सप्लाई हार्मुज जलडमरुमध्य के रास्ते होने और ईरान द्वारा इस रास्ते में अवरोध बनने से उर्जा संकट गंभीर रुप लेता जा रहा हैं। ठीक यही समस्या इंटरनेट को लेकर हो सकती है। कारण साफ है। युद्ध समाप्ति या यों कहें कि सीज फायर के आसार अभी तक बनते नहीं लग रहे तो दूसरी और ज्यों ज्यों एक दूसरे को नुकसान पहुंचाने के अधिक प्रयास होंगे तो ईरान हथियार के रुप में समुद्र में बिछी केबल्स को भी नुकसान पहुंचाने में कोई गुरेज नहीं करेगा। दुनिया के इंटरनेट ट्रैफिक का प्रमुख रास्ता भी यही है। एक मोटे अनुमान के अनुसार 20 प्रतिशत ट्रैफिक हार्मुज और लालसागर के रास्ते से गुजरता है। हार्मुज जलडमरुमध्य तो हालात यहां तक है कि सकरे स्थान पर तो मात्र 200 फीट की गहराई पर ही सबमैरिन केबल लाईने बिछी हुई है। लगभग यही हालात लालसागर के हैं। वहां भी इंटरनेट

सेवाओं के लिए सबमैरिन केबल्स बिछी हुई है। ऐसा कयास लगाया जा रहा है कि ईरान द्वारा हार्मुज जलडमरुमध्य क्षेत्र में सुरंगे बिछाने का काम किया जा रहा है और इससे अन्य नुकसान होने के साथ ही फाइबर केबल्स के भी क्षतिग्रस्त होने की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता। अधिकांश प्रमुख सेवा प्रदाताओं ने इसी क्षेत्र में डेटा सेंटर स्थापित कर रखे हैं। जानकारों के अनुसार हार्मुज क्षेत्र से करीब 20 और लालसागर क्षेत्र से 17 केबल्स गुजरती है। 2024 में भी लाल सागर क्षेत्र में हूती हमलों के दौरान केबल प्रभावित हो चुकी है। वर्तमान हालातों में यदि सबमैरिन केबल्स प्रभावित भी होती है तो हालात जिस तरह के हैं उनमें प्रभावित केबल्स को ठीक करनों में महीनों ही क्या साल भी लग सकता है और ऐसे में दुनिया के देश एक नए संकट के दौर से गुजरने को मजबूर हो जाएंगे।

इंटरनेट की दुनिया अभी छह दशक भी पूरे नहीं कर पाई है कि बड़ी समस्या सामने आ गई है। इसमें कोई दो राय नहीं कि 1960 में जब जेसीआर लिकलाइडर ने वैश्विक नेटवर्क की कल्पना की थी उस समय यह सोचा भी नहीं होगा कि तीन से चार दशक में ही इंटरनेट संचार जगत में बड़ी क्रांति लाने में सफल हो जाएगा। 1969 में अमेरिकी रक्षा विभाग द्वारा एंडवास्ड रिसर्च प्रोजेक्टस एजेन्सी नेटवर्क के लिए विंट सर्फ और बॉब काह्न ने टीसीपी/आईपी प्रोटोकाल विकसित किया। इंटरनेट की दुनिया में आमूलचूल बदलाव तो टिम बर्नर्स ली द्वारा ड्ब्लूड्ब्लूड्ब्लू वर्ल्ड वाइड वेव विकसित किया तो इससे संचार दुनिया ही बदल गई। भारत में सही तौर पर तो 1995 में वीएसएनएल ने इंटरनेट सेवाओं का विस्तार किया। आज बड़ी समस्या यह है कि अमेजन, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट आदि के विशाल डेटा सेंटर यूएई और सउदी आदि देशों में हैं। यही कारण है कि समुद्री रास्ते से फाइबर केबल्स भी हार्मुज जलडमरुमध्य व लालसागर होते हुए ही हैं। यदि केबल्स में व्यवधान होती है या किसी तरह से जाने अनजाने नुकसान पहुंचता है तो वीडियों काल, इमेल आदि से लेकर इंटरनेट से जुड़ी सभी तरह की सेवाएं प्रभावित हो सकती है और इसीको लेकर चिंता की लकीरें खिंचने लगी है।

वैसे आज संयुक्त राष्ट संघ तो बेमानी हो गया है। दुनिया के देशों के अलग अलग बने संगठन चाहे वे नाटो हो या ब्रिक्स या पिछले कुछ सालों के देश-दुनिया के हालातों में बेमानी हो गए हैं। वैश्विक हालात दिन प्रतिदिन बद से बदतर होते जा रहे हैं। ऐसे में सवाल यह उठता है कि कोई ना कोई ऐसी नियामक संस्था या कोई ना कोई इस तरह की बाध्यकारी व्यवस्था अवश्य होनी चाहिए जिससे दुनिया के देशों और उनके नागरिकों से जुड़ी सुविधाओं से छेड़छाड़ ना हो इस तरह की व्यवस्था किया जाना आवश्यक है। किसी भी देश या संगठन को इस तरह की सार्वभौमिक सेवाओं को बाधित करने से रोकने की व्यवस्था सुनिश्चित होनी चाहिए। क्योंकि दुनिया के देशों में कौन कब सिरफिरा नेता अपने अहम् की शांति के लिए दुनिया को संकट में ड़ाल दे इसकी संभावनाओं को नकारा नहीं जा सकता। आज ऊर्जा, पानी, स्वास्थ्य, डिजिटल दुनिया आदि आदि ऐसी सेवाएं है जिनके प्रभावित होने का असर समूची नहीं तो अधिकांश देशों पर पड़ता है और यह दुष्प्रभाव केवल देशों तक ही नहीं अपितु वहां निवास करने वाले करोड़ों नागरिकों पर सीधे सीधे पड़ता है। ऐसे में पूरी वैश्विक व्यवस्था को ही ठप्प करने वाले प्रयासों पर अंकुश या कारगर रोक लगाया जाना जरुरी हो जाता है। दो देशों के टकराव के चलते समूची दुनिया या दुनिया के अधिकांश देशों को संकट में नहीं ड़ाला जा सकता। दुनिया के देशों को इस दिशा में ठोस पहल करनी ही होगी। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

सक्षमता परीक्षा पास शिक्षकों को मिला नियुक्ति पत्र

कटिहार (नबिटासं)। शहर के हरिशंकर नायक उच्च विद्यालय के सभागार में शिक्षा विभाग के स्थापना डीपीओ रवि रंजन के निर्देश पर नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कुल 35 शिक्षकों को नियुक्ति पत्र दिए गए।कार्यक्रम के तहत सक्षमता 3 परीक्षा उत्तीर्ण 27 शिक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरित किया जाना था। जिसमें 12 शिक्षक वर्ग 9-10 और 11 शिक्षक वर्ग 6-8 के शामिल थे। हालांकि,

इनमें से 4 शिक्षकों को किसी कारणवश नियुक्ति पत्र नहीं मिल सका। वहीं सक्षमता 4 परीक्षा पास 8 शिक्षकों में से 3 शिक्षक वर्ग 9-10 और 5 शिक्षक वर्ग 6-8 के शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपा गया। विभागीय आदेश के अनुसार सक्षमता 3 और 4 परीक्षा में सफल शिक्षक 1 अप्रैल से 10 अप्रैल के बीच अपने-अपने विद्यालय में योगदान देंगे। इसके बाद उन्हें विशिष्ट शिक्षक का दर्जा प्राप्त होगा और वे राज्यकर्मी के रूप में मान्यता पाएंगे। नियुक्ति पत्र, पदस्थापन पत्र एवं विद्यालय योगदान पत्र वितरण के लिए 26 मार्च से 31 मार्च तक की अवधि तय की गई है। इस दौरान हरिशंकर नायक उच्च विद्यालय को वितरण केंद्र बनाया गया है।कार्यक्रम की निगरानी के लिए जिला कार्यक्रम पदाधिकारी स्थापना रवि रंजन को नोडल पदाधिकारी नियुक्त किया गया है। वहीं सफल संचालन के लिए लिपिक निशांत भास्कर, राजकिशोर सिंह,कमलजीत कुमार झा,किशोर कुमार,चंदन कुमार चौधरी, सुनील कुमार, चंद्रशेखर मंडल, रविन्द्र कुमार ठाकुर तथा डाटा एंट्री ऑपरेटर प्रीतम कुमार की प्रतिनियुक्ति की गई है।

इंटर साइंस में साक्षी भारती को 414 अंक मिलने पर किया सम्मानित

बरारी/कटिहार (नबिटासं)। इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित करने का सिलसिला बरारी प्रखंड क्षेत्र में लगातार जारी है। इसी क्रम में रैनिया पंचायत की छात्रा साक्षी भारती को उसके शानदार प्रदर्शन पर जनप्रतिनिधियों एवं शिक्षाविदों ने घर पहुंचकर सम्मानित किया। साक्षी भारती ने इंटरमीडिएट परीक्षा के साइंस

संकाय में 500 अंकों में 414 अंक प्राप्त कर अपने पंचायत का नाम रोशन किया है। साक्षी ने बताया कि उसने बिना किसी कोचिंग संस्थान के घर पर रहकर ऑनलाइन माध्यम से पढ़ाई कर यह सफलता हासिल की।साक्षी की माता रेखा कुमारी सिविल कोर्ट कटिहार में अधिवक्ता हैं। इस उपलब्धि पर पिता बिंदेश्वर सिंह, माता रेखा कुमारी, दादा राम प्रसाद सिंह, चाचा राकेश कुमार सिंह तथा नानी सीता कुमारी (सेवानिवृत्त शिक्षिका,मध्य विद्यालय बियारपुर सहित पूरे परिवार में खुशी का माहौल है। सम्मान के दौरान एमएलसी प्रतिनिधि कोढ़ा अखिलेश कुमार मेहता, पूर्व मुखिया शालिग्राम यादव, रश्मि कुमारी, सिंटू पोद्दार, विश्वनाथ पोद्दार समेत कई ग्रामीणों ने साक्षी को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।वहीं कटिहार मॉडर्न पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य राकेश रौशन,बीएमपी-7 की रेशमी कुमारी, अधिवक्ता विजय कुमार महतो, देवंती कुमारी, रीना राय, पीएलवी रीता झा, उजाला साह, संगीता कुमारी, सोनी कुमारी, अर्पिता पाण्डेय सहित अन्य पीएलवी सदस्य सिकंदर, नीलू व नेहा ने भी साक्षी की उपलब्धि पर प्रसन्नता जताई।

छोटा रघुनाथपुर में जागरण से श्रद्धालु भाव-विभोर

अमदाबाद/कटिहार (नबिटासं)। चैती दुर्गा मंदिर छोटा रघुनाथपुर में छोटा रघुनाथपुर समिति की ओर से इंद्रावती उच्च विद्यालय के मैदान में शुक्रवार के देर रात भक्ति जागरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में नेपाल,बिहार एवं बंगाल के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।भव्य झाकियों और भक्तिमय संगीत ने उपस्थित आम जनता को भाव-विभोर कर दिया।कार्यक्रम में हजारों की

संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए।इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य पार्षद बबलू मंडल, पार्षद प्रतिनिधि संजीव साह तथा उपमुख्य पार्षद पृथ्वी मंडल उपस्थित थें। मुख्य पार्षद ने कहा कि कार्यक्रम अत्यंत यादगार और सफल रहा।आयोजन समिति के सह वार्ड पार्षद चंद्रदीप कुमार पासवान ने बताया कि कार्यक्रम में नेपाल से झांकी दल के साथ बिहार और बंगाल के भक्ति गायकों ने भाग लिया था। कार्यक्रम को सफल बनाने में बंटी सिंह,आनंद कुमार पासवान,बंटी पासवान, करण पासवान, अंकित, सावन, मुस्कान सहित अन्य लोगों का सराहनीय योगदान रहा। वहीं खेल मैदान में लगे मेले में लोगों ने विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का स्वाद लिया और आयोजन का भरपूर लुत्फ उठाया।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की मांग को प्राचार्य ने किया पूरा

कटिहार (नबिटासं)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से केबी झा कॉलेज में कई वर्षों से शीतल पेय जल की व्यवस्था को लेकर मांग किया जा रहा था। विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं का मांग था कि महाविद्यालय में क्लास करने वाले छात्र छात्रों को बाहर से बोतल खरीद

कर पानी पीना पड़ता है। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय कुमार सिंह ने एबीवीपी की मांग को सुनते हुए महाविद्यालय परिसर में शीतल पेय जल की व्यवस्था कराया। आगामी पूर्णिया विश्वविद्यालय के द्वारा 30 मार्च से होने वाली सेमेस्टर वन की परीक्षा को देखते हुए शनिवार को महाविद्यालय परिसर में प्राचार्य के द्वारा नारियल फोड़कर शीतल पेयजल मशीन का शुभारंभ किया। इस मौके पर प्रो. विनय कुमार पांडेय, प्रो. सतीश मिश्रा, प्रो. जितेश कुमार, प्रो. हरिओम कुमार, प्रधान सहायकअरमान हसन,शशि कपूर, एबीवीपी के विभाग सह संयोजक विक्रांत सिंह, नगर सह मंत्री रवि सिंह, विशाल सिंह आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

बंगाल में तीन पिस्टल के साथ धराए बारसोई के पांच युवक

पश्चिम बंगाल में चुनाव को लेकर बंगाल पुलिस सतर्क

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बारसोई (कटिहार)। पश्चिम बंगाल के मालदा जिला के चांचल थाना क्षेत्र में हथियार की तस्करी करने गये बारसोई अनुमंडल क्षेत्र के पांच युवकों को पुलिस ने तीन पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया है। इस संबंध में मालदा एसपी अनूप सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी देते हुए कहा कि हमें गुप्त सुचना मिली थी कि हमारे क्षेत्र में अवैध हथियार कि डिलीवरी होने वाली है। इसी क्रम में बिहार के कटिहार जिला के पांच युवक 24 मार्च की रात पौने 11 बजे के आसपास चांचल की ओर घुसे चले आ रहे थे।

इसी बीच नलकुटिया नामक जगह पर चाचंल पुलिस द्वारा बनाई गई नाका पर पांचो युवक को रोका गया। एसपी ने बताया कि तलाशी लेने पर उन युवकों के पास से तीन पिस्तौल बरामद हुआ

जिसमें दो सिंगल राउंड चलने वाले थे और एक में एक बार में दो गोली चलाई जा सकती है। ऐसा पिस्टल पाया गया । साथ में दो गोलियां भी बरामद हुई है। एसपी अनुप सिंह ने पूछने पर बताया कि इन लोगों के नाम पर बंगाल में कोई क्रिमिनल रिकॉर्ड नहीं है। हम लोग बिहार पुलिस से संपर्क कर रहे हैं। अगर कोई क्रिमिनल रिकॉर्ड होगा तो पता चल जाएगा। उन्होंने कहा कि विशेष पूछताछ और जानकारी के लिए लड़कों को रिमांड पर लिया जा रहा है । पांचो लड़के बारसोई अनुमंडल क्षेत्र के निवासी है जिसमें एक आजमनगर नगर प्रखंड के सालमारी थाना क्षेत्र से,बारसोई प्रखंड के आबादपुर थाना क्षेत्र से दो, बारसोई थाना क्षेत्र से दो जिसमें नगर पंचायत से दो युवक शामिल है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में पांचो लड़कों में सुखदेव साहा,अमित कुमार साहा, गणेश महलदार, मोहम्मद रियाजुल, मोहम्मद अहमद का नाम उजागर करते हुए एसपी ने कहा कि पुलिस मामले की छानबीन कर रही है ।ये लोग किस उद्देश्य से हथियार बेचने आए थे। चुनाव को प्रभावित करने का उद्देश्य था या फिर किसी को व्यक्ति गत रूप से हथियार की जरूरत थी। पुलिस हर बिंदु को खंगालने का प्रयास कर रही है। वहीं बारसोई क्षेत्र के लड़कों के पकड़े जाने से यह स्पष्ट हो गया कि यहां के युवक अवैध हथियार की तस्करी में संलग्न है। जबकि इससे पहले क्षेत्र में स्मैक तस्करी की चर्चा होती थी।

चैती पूजा सह दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का किया गया उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र के कुरेठा पंचायत के सार्वजनिक दुर्गा मंदिर मटियारी में चैती नवरात्र के शुभ अवसर पर हर साल की तरह इस साल भी चैती दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर

मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर पूजा पाठ एवं दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन कुरेठा पंचायत के मुखिया अवधेश प्रसाद यादव ने फीता काट कर किया। इस मौके पर श्री श्री 108 सार्वजनिक दुर्गा मंदिर मटियारी सह मंदिर के सेवक राम प्रकाश साह ने बताया कि चैती नवरात्रा के प्रथम दिन मंदिर में कलश स्थापना की गई । आचार्य धर्मवीर गोस्वामी एवं अक्षय गोस्वामी के द्वारा पूजा पाठ किया गया। इसके उपरांत सप्तमी को मंदिर परिसर में माता दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर विधिवत पूजा पाठ की गई। एवं पहली बार नवमी एवं दशमी को कदवा के कलाकारों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया हैं। जिसका उद्घाटन पंचायत के मुखिया अवधेश प्रसाद यादव ने फीता काटकर किया।

इस मौके पर कमेटी के सदस्यों ने जदयू अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार उरांव, पंचायत के मुखिया अवधेश प्रसाद यादव, पंचायत समिति सदस्य फुलेश्वर उरांव, जिला परिषद प्रतिनिधि खुर्शीद आजाद, भाजपा के महिला प्रकोष्ठ के प्रखंड अध्यक्ष निरमा देवी, भाजपा अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के प्रखंड अध्यक्ष बिनोद उरांव, समाजसेवी रतन परिहार एवं पत्रकार को अंग वस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया। इससे पूर्व जदयू अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष मुकेश कुमार उरांव, जिला परिषद प्रतिनिधि खुर्शीद आजाद, पंचायत के मुखिया अवधेश प्रसाद यादव, पंचायत समिति सदस्य फुलेश्वर उरांव, पैक्स अध्यक्ष छोटू कुमार गोस्वामी, भारतीय जनता पार्टी के अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के प्रखंड अध्यक्ष विनोद उरांव, महिला प्रकोष्ठ के प्रखंड अध्यक्ष निरमा देवी, समाजसेवी रतन परिहार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर फीता काटकर दुर्गा पूजा सह दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस मौके पर पंचायत के मुखिया अवधेश प्रसाद यादव ने कहा कि दुर्गा पूजा के साथ दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद ले चैती दुर्गा पूजा साल में एक बार होता हैं । जिला परिषद प्रतिनिधि खुर्शीद आजाद ने कहा कि सभी लोगों को बढ़-चढ़कर पूजा पाठ में हिस्सा लेना चाहिए।

हरिनाम संकीर्तन को लेकर निकाली गई शोभायात्रा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र के साहेबनगर पंचायत के सार्वजनिक हनुमान मंदिर मनसाही हाट में 48 घंटे का अखंड हरिनाम संकीर्तन का आयोजन को लेकर शनिवार की दोपहर कलश शोभायात्रा निकाली गई। इस कलश शोभा यात्रा में 251 कुंवारी कन्याएं सर पर कलश लेकर मंदिर परिसर से लोहा पुल होते हुए कारी कोसी नदी में जल भर कर वापस होते हुए केवाला, मुसहरी टोला, पासवान टोला होते हुए हनुमान मंदिर मनसाही हाट पहुंचा। इस दौरान कमेटी के सदस्यों ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी रामनवमी के शुभ अवसर पर मंदिर परिसर में राधा कृष्ण की प्रतिमा स्थापित की गई विधिवत पूजा

पाठ किया गया। वहीं कलश शोभा यात्रा निकाली गई जो विभिन्न गांव का भ्रमण करते हुए वापस यज्ञ स्थल मनसाही हाट पहुंचा।

पंडित जी के द्वारा विधिवत पूजा पाठ कर राधा कृष्ण की प्रतिमा स्थापित की गई एवं 48 घंटे का अखंड हरिनाम संकीर्तन का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर मनसाही हाट भगवा रंग में रंगा हुआ दिखा। विश्व हिंदू परिषद,बजरंग दल के सदस्य सहित सार्वजनिक हनुमान मंदिर मनसाही हाट कमेटी के सदस्य शांतिपूर्ण तरीके से कलश शोभायात्रा का समापन कराया। इस दौरान गाजे बाजे बज रहे थे जय श्री राम एक ही नारा एक ही नाम जय श्री राम जय श्री राम आदि के नारे लग रहे थे।

आंधी-बारिश से किसानों की फसल बर्बाद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अमदाबाद (कटिहार)। शुक्रवार की देर रात आई दूसरी बार तेज आंधी और बारिश ने अमदाबाद प्रखंड के किसानों को एक बार फिर झकझोर कर रख दिया है।सभी की 12 पंचायतों में व्यापक पैमाने पर गेहूं और मकई की फसल गिरकर बर्बाद हो गई है।हजारो एकड़ मे लगा गेहुं मकई का फसल गिर कर जमींदोज हो गया है । किसान कैलाश कुमार, शमसुद्दीन, नूर इस्लाम, सैफुद्दीन आदि ने बताया कि इस वर्ष हमारी फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई।मकई में दाना पूरी तरह नहीं पड़ा था और गेहूं पूरी तरह तैयार था, लेकिन सब बर्बाद हो गया।सभी किसानो छाती का आकलन कराकर उचित मुआवजा देने की मांग की है।

बलवा में निकाली गई भव्य कलश यात्रा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरारी (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र के बलुआ गांव में श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के पूर्व भव्य कलश यात्रा निकाली गई।कलश यात्रा दुर्गा मंदिर बलुआ से प्रारंभ होकर हटिया टोला, बलुआ पुल होते हुए गौरीडीह स्थित राधा कृष्ण मंदिर तक पहुंची। कलश यात्रा में सैकड़ों की संख्या में महिला व पुरूष श्रद्धालु शामिल हुए, जिनमें महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर भजन-कीर्तन के साथ सहभागिता निभाई। पूरे मार्ग में हरे कृष्ण और राधे-राधे के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

आयोजन का नेतृत्व मनीष कुमार चौधरी उर्फ पम्पू, मनोज कुमार चौधरी, मनोज पोद्दार, श्याम बिहारी चौहान, आनंद कुमार, अमित सिंह, शम्भू महलदार, ई० विकास तिवारी, निकेश एवं सत्यनाम चौधरी ने किया। साथ ही समस्त ग्रामवासियों की सक्रिय भागीदारी से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस दौरान आयोजकों ने बताया कि बलुआ दुर्गा स्थान परिसर में श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन 29 मार्च से 4 अप्रैल तक किया जाएगा। कथा का समय प्रतिदिन शाम 6 बजे से 9 बजे तक निर्धारित है। कथा वाचन के लिए राजस्थान से आए प्रवक्ता निर्माण मोहन दास श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराएंगे।

जिला पदाधिकारी ने पर्यवेक्षण गृह का किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। अंशुल कुमार जिला पदाधिकारी पूर्णिया की अध्यक्षता में गठित जिला निरीक्षण समिति की ओर से पर्यवेक्षण गृह का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर समिति के सभी नामित सदस्य उपस्थित रहे। निरीक्षण के क्रम में पाया गया कि पर्यवेक्षण गृह में बच्चों की क्षमता 50 के विरूद्ध कुल-68 विधि विवादित बच्चे पर्यवेक्षण गृह में आवासित हैं, जिसमें पूर्णिया जिला के 29 एवं कटिहार जिला के 39 बच्चे आवासित हैं। पर्यवेक्षण गृह के बच्चे कक्षा में अध्ययनरत पाये गये।

सभी वर्ग के बच्चों के लिए उम्र, कक्षा के अनुसार अलग-अलग कक्षा की व्यवस्था की गयी थी। जिला पदाधिकारी

द्वारा बच्चों से शिक्षण संबंधी पूछताछ की गयी। उनके द्वारा बच्चों को पाठ्यक्रम के अतिरिक्त बच्चों के सामान्य ज्ञान बढ़ाने हेतु समाचार पत्र, विभिन्न शैक्षणिक पत्रिका यथा-योजना कुरूक्षेत्र, इण्डिया टूडे एवं प्रेरक पत्रिकाओं आदि के माध्यम से भी शिक्षा ग्रहण को प्रेरित किया गया। अमरेश कुमार सहायक निदेशक, जिला बाल संरक्षण इकाई ने बताया कि 07 शिक्षक शिक्षा विभाग से प्रतिनियुक्त है। जिनके द्वारा आवासित बच्चों को पाठ्यक्रम के अनुरूप शिक्षा उपलब्ध करायी जाती है। निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी ने पर्यवेक्षण गृह में रह रहे बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं जैसे आवास, भोजन, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा एवं पुनर्वासन से संबंधित व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया। उन्होंने बच्चों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी भी प्राप्त की। जिला पदाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था एवं पोषण मानकों का विशेष ध्यान रखने का भी निर्देश दिया। पर्यवेक्षण गृह में आवासित किशोरों के चिकित्सा के बारे में पृच्छा करने पर सहायक निदेशक, जिला बाल संरक्षण इकाई, पूर्णिया द्वारा बताया गया कि असैनिक शल्य चिकित्सक -सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य की जाँच हेतु रोस्टर ड्युटी के अनुसार 05 चिकित्सा पदाधिकारी, 03 एएनएम, 02 लैब टेक्निशियन एवं 01 फार्मासिस्ट प्रतिनियुक्त हैं।

विशेष टिकट जांच अभियान में पौने दो लाख की राजस्व वसूली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। कटिहार रेल मंडल के अंतर्गत कटिहार स्टेशन एवं मनिहारी टर्मिनल पर विशेष टिकट जांच अभियान चलाया गया। यह अभियान रेल प्रशासन द्वारा बिना टिकट यात्रा, अनियमित यात्रा एवं राजस्व हानि को रोकने के उद्देश्य से संचालित किया गया। इस अभियान का नेतृत्व मंडल वाणिज्य प्रबंधक संगीता मीना एवं सहायक वाणिज्य प्रबंधक निशांत कुमार ने किया।

अभियान में टिकट जांच दल, वाणिज्य विभाग एवं रेलवे सुरक्षा बल की संयुक्त टीम ने सक्रिय भागीदारी निभाई। अभियान के दौरान विभिन्न ट्रेनों एवं स्टेशनों पर सघन जांच की

गई। इसमें मुख्य वाणिज्य निरीक्षक पुष्पेंद्र कुमार, मुख्य चल टिकट निरीक्षक प्रभारी विनोद कुमार साह,मुख्य टिकट निरीक्षक रवि कुमार, सुखदेव पातर, केडी. मंडल, सुमन कुमार सिन्हा, चल टिकट परीक्षक अनूप कुमार पासवान, मनीष कुमार सिंह एवं अमरेश कुमार सहित कुल 22 टीटीई तथा रेलवे सुरक्षा बल की सहायक उपनिरीक्षक श्रीमती नीता क्षेत्री के साथ 6 जवान मौजूद रहे। जांच के दौरान कुल 316 मामलों बिना टिकट एवं अनियमित यात्री का निपटारा किया गया।जिससे ₹1,75,560/- का राजस्व अर्जित हुआ। यह कार्रवाई प्लेटफार्मों एवं कई ट्रेनों में की गई, जिनमें प्रमुख रूप से एक्सप्रेस एवं पैसेंजर ट्रेनें शामिल थीं। साथ ही एक दर्जन से अधिक ट्रेनों में यात्रियों की टिकटों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की गई।रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे सदैव वैध टिकट के साथ यात्रा करें, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा एवं दंडात्मक कार्रवाई से बचा जा सके। रेल प्रशासन द्वारा इस प्रकार के विशेष टिकट जांच अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे। जिससे रेल सेवाओं में पारदर्शिता एवं अनुशासन सुनिश्चित किया जा सके।

हनुमान मंदिर मोहनपुर में 48 घंटे का हरिनाम संकीर्तन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र के मोहनपुर पंचायत के सार्वजनिक हनुमान मंदिर मोहनपुर में रामनवमी के शुभ अवसर पर आयोजित 48 घंटे का अखंड हरिनाम संकीर्तन का समापन प्रतिमा विसर्जन के साथ हो गया। इस मौके पर सार्वजनिक हनुमान मंदिर मोहनपुर कमेटी के अध्यक्ष दीपक कुमार मंडल ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी सार्वजनिक हनुमान मंदिर मोहनपुर में राधा कृष्ण की प्रतिमा स्थापित की गई। पांच कीर्तन मंडली के द्वारा हरे राम हरे कृष्णा का गायन हुआ। वहीं रामनवमी के शुभ अवसर पर मंदिर परिसर में हनुमान जी का ध्वजा रोहन भी किया गया। वहीं हरिनाम संकीर्तन को लेकर पूरा माहौल भक्ति में था। वहीं शनिवार की शाम को राधा कृष्ण की प्रतिमा को पूरे छोटी मोहनपुर,बड़ी मोहनपुर में घूमाते हुए स्थानीय चंपा नदी में विसर्जित कर दिया गया। इस अवसर पर कमेटी के दिलीप कुमार यादव, आजाद कुमार मंडल, सवेरा कुमारी, अमर सिंह, पिंकी देवी, मुनिलाल यादव, सुनील कुमार शर्मा, मिथुन कुमार यादव आदि उपस्थित रहे ।

महानवमी की श्रृंगार पूजा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

विधायक, विधान पार्षद सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी टेका मत्था

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डंडखोरा (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र के महेशपुर पंचायत स्थित बासंती दुर्गा मंदिर डुमरिया का मेला अब पूरी तरह सज गया है। पूजा को लेकर जहॉ मंदिर परिसर में श्रद्धा और उल्लास का माहौल है।वहीं मेले में मिठाई,श्रृंगार,फास्टफूड,झूले आदि की दर्जनों दुकानों के सज जाने तथा रात में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन से लोगों की भीड़ बडने लगी है।शुक्रवार की देर शाम हुई महानवमी की श्रृंगार पूजा में सैकड़ों की संख्या में लोगों ने भाग लेकर मैया की आरती की। जिसमें महिलाओं की संख्या अधिक रही।

इस आयोजन में भाग लेने कदवा विधायक दुलाल चंद्र गोस्वामी, विधान पार्षद अशोक कुमार अग्रवाल, जिला पार्षद मुकेश कुमार पोद्दार, पूर्व प्रमुख सह पंचायत समिति सदस्य सूरज

साह, पैक्स अध्यक्ष हीरालाल साह सहित प्रमुख राजनीतिक व सामाजिक कार्यकर्ता मंदिर पहुंचकर मैया के आगे माथा टेका एवं अपने तथा क्षेत्र वासियों की सुख-शांति तथा समृद्धि की प्रार्थना की।आयोजन समिति के अध्यक्ष अरुण कुमार ठाकुर ने बताया कि बासंती दुर्गा पूजा प्रखंड का इकलौता आयोजन है।बंगाल से सटा होने के कारण यहॉ स्थापना काल 1937 से हीं षष्ठ्यादि कल्प पूजा प्रचलित है।जिसमें महाअष्टमी तथा महानवमी तिथि की संधि बेला में होने वाली संधिपूजन तथा रात के पहले पहर की श्रृंगार पूजा श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केन्द्र रहता है।यहाँ छांग की बलि नहीं दी जाती है।जबकि छप्पन भोग लगाया जाता है। इस अवसर पर चारदिवसीय मेला लगता आ रहा है,जो इस बार भी आयोजित है। मंदिर की ख्याति के कारण राज्य के विभिन्न जिलों सहित बंगाल और झारखंड के श्रद्धालु भी अपनी मनोकामना को लेकर मंदिर में प्रतिमा दर्शन एवं पूजा-अर्चना के लिए आते हैं।मुराद पूरी होने पर भगवती को कबुला के अनुसार चढावा चढाते हैं।दशमी मेले में दूर-दूर के आदिवासियों की जमघट होती है।जिसके चलते कभी- कभी सुलभ आवागमन जारी रखने में दिक्कत हो जाती है। आयोजन समिति की ओर से मेले में पेयजल तथा रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था की गई है तो वही विधि-व्यवस्था बनाये रखने में थानाध्यक्ष विजय कुमार, अपर थानाध्यक्ष अमलेंदु सिंह के नेतृत्व में डंडखोरा पुलिस मुस्तैद है। शनिवार को कलश विसर्जन कर दिया गया जबकि सोमवार को प्रतिमा का जल प्रवाह किया जाएगा। मंदिर में माथा टेकने वालों में भाजपा नेता डा. चन्द्रभूषण ठाकुर, भाजपा प्रखंड अध्यक्ष सह रायपुर मुखिया आलोक चौहान, स्थानीय मुखिया नीलम देवी, जदयू प्रखंड अध्यक्ष कुंदन महतो, राजद प्रखंड अध्यक्ष करण यादव, पूर्व जिला परिषद सदस्य पुरुषोत्तम वर्मा,जदयू नेता रमेश कुमार मंडल, अरुण मिस्त्री सहित कई अन्य शामिल रहे।

एलपीजी सिलेंडर नई कीमतें जारी, आपके शहर में क्या है रेट, क्या फिर से बढ़ गए दाम

नईदिल्ली, एजेंसी। एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में इसी महीने की शुरुआत में इजाफा किया गया था। तब 14.2 किलोग्राम के घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में 60 रुपये का इजाफा किया गया था। वहीं, कॉमर्शियल गैस सिलेंडर का भाव तब 144 रुपये बढ़ा दिया गया था। युद्ध की वजह से भारत को एलपीजी इंपोर्ट करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। भारत 60 प्रतिशत एलपीजी खाड़ी के देशों से मंगाता है। लेकिन युद्ध ने इस रास्ते को प्रभावित कर दिया है। जिसकी

वजह से देश के सामने नया संकट खड़ा हो गया है। आइए जानते हैं कि मौजूदा स्थितियों में क्या एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव हुआ है या नहीं आपके शहर में क्या रेट है केंद्र सरकार ने साफ किया कि उनके पास पेट्रोल और डीजल की 60 दिन की स्टोरेज है। सरकार की तरफ से कहा गया है कि पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कोई कमी देश में नहीं है। ऐसे में किसी भी प्रकार से घबराने की जरूरत नहीं है। सरकार ने तेल मार्केटिंग कंपनियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का भी निर्देश दिया है। पिछले दिनों एक बार फिर से राज्यों का कोटा 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया। केंद्र सरकार की तरफ से पेट्रोल, डीजल और गैस की आपूर्ति पर पैनी नजर रखी जा रही है। एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में इसी महीने की शुरुआत में इजाफा किया गया था। तब 14.2 किलोग्राम के घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में 60 रुपये का इजाफा किया गया था। वहीं, कॉमर्शियल गैस सिलेंडर का भाव तब 144 रुपये बढ़ा दिया गया था। इसके बाद से आजतक कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। पिछले कुछ दिनों से एलपीजी सिलेंडर की पैनिक बुकिंग में भी गिरावट आई है। जिसकी वजह से अब गैस एजेंसियों के सामने कम भीड़ लग रही है।

पेट्रोल, डीजल के दाम आज क्या कम हो गए सरकार ने घटा दिया है 10 रुपए टैक्स

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार की तरफ से शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल पर लगने वाले एक्साइज

ड्यूटी में कटौती की गई थी। हालांकि, इसका कोई भी फायदा आम आदमी को नहीं मिलेगा। जिसकी वजह से आज 28 मार्च 2026 को एक बार फिर से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। बता दें, गुरुवार को केंद्र सरकार ने पेट्रोल पर लगने वाले एक्साइज ड्यूटी को 13 रुपये से घटाकर 3 रुपये और डीजल पर लगने वाले 10 रुपये के एक्साइज ड्यूटी को घटाकर शून्य कर दिया है। देश में नायरा एनर्जी ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बुधवार को इजाफा किया था। तेल कंपनी ने 5.30 रुपये प्रति लीटर पेट्रोल, डीजल की कीमतों में 3 रुपये का इजाफा किया था। कंपनी ने बढ़ते खर्च को ग्राहकों पर हिस्से में डाल दिया है। सरकार ने डीजल के एक्सपोर्ट पर 21.50 रुपये प्रति लीटर और विमान ईंधन (एटीएफ) पर 29.50 रुपये प्रति लीटर का निर्यात शुल्क (विंडफॉल टैक्स) लगा दिया है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद रिफाइनरी कंपनियों के 'अप्रत्याशित लाभ' पर लगाम लगाने के लिए जुलाई 2022 में पहली बार यह (विंडफॉल टैक्स) कर लगाया गया था, जिसे दिसंबर 2024 में हटा लिया गया

निपटा लें अपना काम

8वें वेतन आयोग से इनकम टैक्स रिटर्न तक 31 मार्च को खत्म हो जाएगी ये डेडलाइन

एक अप्रैल से नए फाइनेंशियल ईयर की शुरुआत होने वाली है

नईदिल्ली, एजेंसी। 31 मार्च को खत्म हो रहे फाइनेंशियल ईयर में कुछ जरूरी काम निपटा लेने होंगे। ये हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि कई ऐसी डेडलाइन हैं जो 31 मार्च को पूरी हो रही हैं। इनमें इनकम टैक्स और इन्वेस्टमेंट से जुड़ी डेडलाइन भी शामिल हैं। आइए डिटेल जान लेते हैं। एक अप्रैल से नए फाइनेंशियल ईयर की शुरुआत होने वाली है। इससे पहले, 31 मार्च को खत्म हो रहे फाइनेंशियल ईयर में कुछ जरूरी काम निपटा लेने होंगे। ये हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि कई ऐसी डेडलाइन हैं जो 31 मार्च को पूरी हो रही हैं। इनमें इनकम टैक्स और इन्वेस्टमेंट से जुड़ी डेडलाइन भी शामिल हैं। 8वें वेतन आयोग ने वेतन, भत्तों और पेंशन से संबंधित सुधारों के लिए सुझाव और राय आमंत्रित किए हैं, जिसके लिए अंतिम तिथि 31 मार्च 2026 तय की गई है। यह डेडलाइन केंद्र सरकार के कर्मचारियों, पेंशनर्स और विभिन्न हितधारकों के लिए है।

अतिरिक्त इनकम टैक्स देना होगा

हालांकि, यह ध्यान रखें कि फाइल करने के लिए आपको पेनल्टी और ब्याज के तौर पर अतिरिक्त इनकम टैक्स देना होगा और जरिए टैक्स रिफंड का कोई दावा नहीं किया जा सकता। पहले आईटीआर का इस्तेमाल पिछले दो सालों की गलतियों को सुधारने के लिए किया जा सकता था लेकिन बजट 2025 में, इस समयसीमा को बढ़ाकर पिछले चार सालों तक कर दिया गया है। अगर आप रिटर्न सही समय पर भरने या सही डेटा देने से चूक गए हैं तो समझदारी इसी में है कि आप अभी अतिरिक्त टैक्स का भुगतान करें और फाइल कर दें। ऐसा इसलिए क्योंकि अगर आप अभी फाइल नहीं करते हैं।

धारा 80 सी के तहत टैक्स बचाने का आखिरी मौका

पुराने टैक्स सिस्टम को मानने वाले टैक्सपेयर्स के लिए 31 मार्च निवेश करने का आखिरी मौका है। पब्लिक प्रोविडेंट फंड, सुकन्या समृद्धि योजना और नेशनल पेंशन सिस्टम जैसे विकल्पों में योगदान 31 मार्च से पहले पूरा कर लेना चाहिए। आप मौजूदा फाइनेंशियल ईयर के लिए कीमती टैक्स छूट से चूक जाएं। नया वित्तीय वर्ष शुरू होने से पहले यह आवेदन कर लेना चाहिए। इससे अप्रैल 2026 से ही डिडक्टर सही दर पर काट सकेंगे। हालांकि यह अनिवार्य नहीं है लेकिन प्लानिंग के लिए बहुत उपयोगी है। वित्तीय वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2025) का रिटर्न जमा करने की अंतिम तारीख 31 मार्च 2026 तक बढ़ा दी गई है।

एक अप्रैल से रूस दूसरे देशों को नहीं बेचेगा गैसोलीन, क्या देश में हो गई है पेट्रोल की कमी क्या है फैसले की वजह

नईदिल्ली, एजेंसी। शुक्रवार को रूस ने गैसोलीन के एक्सपोर्ट पर प्रतिबंध लगा दिया। रूस की सरकार की तरफ से 28 मार्च को इसकी जानकारी दी गई है। रूसी सरकार ने कहा कि घरेलू स्तर पर आपूर्ति बनी रहे और कीमतों को स्थिर रखने के लिए यह फैसला लिया गया है। पुतिन की अगुवाई वाली सरकार ने यह फैसला ऐसे समय में लिया है जब ईरान युद्ध की वजह से पूरी दुनिया में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है। क्रूड ऑयल का रेट लगातार बढ़ रहा

है। इसके अलावा सप्लाई चेन भी बुरी तरह से प्रभावित हुई है। यह नया फैसला 1 अप्रैल 2026 से लागू हो जाएगा। लोकल मीडिया इंटरफैक्स की रिपोर्ट के अनुसार 31 जुलाई 2026 तक यानी अगले 4 महीने प्रतिबंध लगे रहने की संभावना है। रूस के उर्जा मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि तेल की रिफाइनिंग दरें मार्च 2025 के स्तर पर बनी हुई हैं। देश की डिमांड के हिसाब से पर्याप्त मात्रा में गैसोलीन और डीजल का भंडारण है। सभी रिफाइनरी अपनी क्षमता पर काम कर रही हैं। रूस के उप प्रधानमंत्री एलेक्जेंडर नोवाक की तरफ से जारी बयान में कहा गया है, 'मौजूदा मिडिल ईस्ट क्राइसिस की वजह से वैश्विक स्तर पर तेल और पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स का भाव काफी बढ़ा हुआ है।' बता दें, प्रतिबंध का फैसला नोवाक की अगुवाई में हुई मीटिंग में का लिया गया है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार रूस प्रति दिन 100000 बैरल गैसोलीन एक्सपोर्ट करता है। पिछले साल खबर आई थी की रूस के कई हिस्सों में गैसोलीन की कमी हो गई है। इन्हीं सबको देखते हुए रूसी सरकार ने यह फैसला लिया है।

17500 रुपये तक महंगा हुआ गोल्ड, क्या आ गया फिर से दांव लगाने का सही समय

नईदिल्ली, एजेंसी। इजरायल-ईरान-अमेरिका युद्ध की वजह से दुनिया भर के बाजार में उथल-पुथल मची हुई है। गोल्ड की कीमतों पर भी इसका असर देखने को मिल रहा है। इस हफ्ते सोने की कीमतें फ्लैट ही रही हैं। हालांकि, सप्ताह के न्यूनतम स्तर से अगर देखें तो गोल्ड का भाव 17500 रुपये बढ़ गया है। भारत में एमसीएक्स गोल्ड रेट कल शुक्रवार को 147270 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया था। जोकि सप्ताह के न्यूनतम स्तर 129595 रुपये की तुलना में 17500 रुपये अधिक है। सोने की कीमतों में इंटरनेशनल मार्केट में इस सप्ताह गिरावट देखने को मिली है। गोल्ड रेट 4500 डॉलर प्रति आउंस के स्तर के ऊपर पहुंच कर बंद हुआ। भले ही यह 4500 डॉलर को पार कर गया है। लेकिन इसके बाद भी इंटरनेशनल मार्केट में इस सप्ताह गोल्ड की कीमतों में 1.85 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है।

कच्चे तेल की कीमतों का असर: एसएस वेल्थस्ट्रीट से जुड़ी एक्सपर्ट का कहना है कि ब्रेंट क्रूड ऑयल का रेट 120 डॉलर प्रति बैरल से घटकर 93 डॉलर डॉलर के आस-पास आ गया है। जिसकी वजह से मंहगाई के मोर्चे पर थोड़ी राहत मिली है।

क्या यह गोल्ड खरीदने का है सही समय

सीईओ कहते हैं, 'अगर गोल्ड का रेट 4600 डॉलर के पार रहता है तो यह 4680 डॉलर से 4750 डॉलर तक जा सकता है। ऐसी स्थिति में गोल्ड का रेट 4850 रुपये तक पहुंच सकता है। वहीं, अगर गिरावट का ट्रेंड रहा और रेट 4300 डॉलर के नीचे आया तब की स्थिति में यह 4100 डॉलर या 4150 डॉलर के जोने में आ सकता है।' एक्सपर्ट्स का कहना है कि मौजूदा वैश्विक परस्थितियों में सोने की कीमतों में तेज बदलाव देखने को मिल सकता है। कोई भी गिरावट बिकवाली की ओर और तेजी खरीदारी की ओर ले जाएगा। एसएस वेल्थस्ट्रीट की फाउंडर सुगंधा सचदेवा कहती हैं कीमतों में गिरावट के पीछे मैक्रो और क्रॉस एसेट प्रेशर है। एक्सपर्ट का कहना है कि यूएस ट्रेजरी यील्ड में तेजी की वजह से गोल्ड के प्रति लोगों का रुझान कम

इंडसइंड बैंक के मैनेजमेंट में बदलाव

एसबीआई के पूर्व एमडी बने पार्ट-टाइम चेयरमैन

नईदिल्ली, एजेंसी। बसु के पास बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्टर का अनुभव है। इंडसइंड बैंक में अपनी नियुक्ति से पहले बसु ने एचडीएफसी बैंक की नॉन-बैंक लेंडिंग शाखा, एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज के बोर्ड के चेयरमैन के तौर पर काम किया था। प्राइवेट सेक्टर के दिग्गज इंडसइंड बैंक के मैनेजमेंट में एक बड़ा बदलाव हुआ है। दरअसल, पूर्व मैनेजिंग डायरेक्टर अरिजीत बसु को शेयरहोल्डर्स की मंजूरी के बाद इंडसइंड बैंक का पार्ट-टाइम चेयरमैन

नियुक्त किया गया है। बसु के पास बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्टर का अनुभव है। इंडसइंड बैंक में अपनी नियुक्ति से पहले बसु ने एचडीएफसी बैंक की नॉन-बैंक लेंडिंग शाखा, फाइनेंशियल सर्विसेज के बोर्ड के चेयरमैन के तौर पर काम किया था। बसु का एसबीआई के साथ एक शानदार करियर रहा है। मैनेजिंग डायरेक्टर के तौर पर रिटायर हुए थे। इससे पहले, अरिजीत बसु ने लाइफ इंश्योरेंस कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर के तौर पर भी काम किया था। वर्तमान में वे हॉस्पिटैक्स एंड हॉस्पिटल रिसर्च सेंटर के अलावा क्लीनमैक्स एनर्जी के बोर्ड में एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में भी कार्यरत हैं।

इंडसइंड बैंक ने शुरू की कैपिटल गेन अकाउंट स्कीम

इस बीच, बीते गुरुवार को ही इंडसइंड बैंक ने कैपिटल गेन अकाउंट स्कीम की शुरुआत की, जिसके तहत ग्राहक री-इन्वेस्टमेंट तक कैपिटल गेन अकाउंट को जमा रख सकते हैं और इस दौरान आयकर कानून के तहत टैक्स छूट का लाभ उठा सकते हैं। यह योजना पूंजीगत लाभ को री-इन्वेस्टमेंट तक सुरक्षित और नियमों के अनुरूप रखने की सुविधा प्रदान करती है, जिससे ग्राहक निर्धारित वैधानिक समय सीमा के भीतर सोच-समझकर उस पूंजी को दोबारा निवेश करने के बारे में निर्णय ले सकेंगे। बता दें कि यह योजना केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) से अनुमति मिलने के बाद पेश की गई है। बोर्ड ने इंडसइंड बैंक को पूंजीगत लाभ योजना, 1988 के अंतर्गत जमा स्वीकार करने की अनुमति दी है। कैपिटल गेन अकाउंट स्कीम के तहत इंडसइंड बैंक दो प्रकार के खाते प्रदान करता है - बचत खाता और सावधि जमा खाता। ग्राहक अपनी जरूरत के अनुसार, खाते का चयन कर सकते हैं।

भारतीय निवेशकों को बहुत महंगा पड़ रहा ईरान युद्ध, एक महीने में गंवा चुके हैं 41 लाख करोड़ रुपये

नईदिल्ली, एजेंसी। ईरान युद्ध को एक महीना हो चुका है और इस दौरान भारतीय निवेशकों को भारी चपत लगी है। 28 फरवरी को ईरान और अमेरिका/इजरायल के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से सेंसेक्स में 7,700 अंक से अधिक यानी करीब 9.5 फीसदी गिरावट आई है। इससे निवेशकों को 41.4 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। एनएसडीएल और बीएसई के आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय बाजार में 1.1 लाख करोड़ रुपये की निकासी की है। 27 फरवरी को सेंसेक्स 81,287 अंक पर था जबकि 27 मार्च को यह 73,583 अंक पर आ गया। सेंसेक्स के शेयरों का पिछले एक महीने का लेखा-जोखा देखें तो इस दौरान टेक महिंद्रा में सबसे ज्यादा 2.2 फीसदी तेजी आई है जबकि सन फार्मा का शेयर 1.7 फीसदी चढ़ा है। दूसरी ओर देश की सबसे बड़ी ऑटो कंपनी मारुति सुजुकी के शेयरों में 17.8 फीसदी गिरावट आई है जबकि बजाज फाइनेंस 17.4 फीसदी गिरा है। 1.1 लाख करोड़ के शेयर बेच चुके हैं विदेशी निवेशक मारुति और बजाज फाइनेंस में सबसे ज्यादा गिरावट आई है टेक महिंद्रा और सन फार्मा में सबसे ज्यादा तेजी आई है रिलायंस के शेयरों में गिरावट शुक्रवार को देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में 4.6% गिरावट आई। इससे सेंसेक्स 1,690 अंक यानी 2.3% गिरावट के साथ 73,583 अंक पर आ गया। सरकार ने पेट्रो-प्रोडक्ट एक्सपोर्टर्स पर फिर से विंडफॉल टैक्स लगा दिया है।

लोन से जमा पैसे तक में लापरवाही, आरबीआई ने तीन सरकारी बैंकों पर लिया बड़ा एक्शन

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अलग-अलग नियमों और दिशा-निर्देशों के उल्लंघन के कारण तीन सार्वजनिक बैंकों पर कुल दो करोड़ 17 लाख 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। रिजर्व बैंक ने एक बयान में बताया कि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया पर 95.40 लाख रुपये, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया पर 63.60 लाख रुपये, बैंक ऑफ इंडिया पर 58.50 लाख रुपये जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा फिनटेक कंपनी पाइन लैब्स पर भी तीन लाख 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आरबीआई के मुताबिक यूनियन बैंक ऑफ इंडिया पर धोखाधड़ी की रिपोर्टिंग की समुचित व्यवस्था न करने और परिसंपत्ति वर्गीकरण तंत्र में मानवीय हस्तक्षेप करने के लिए 95.40 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने पाया कि बैंक ने

धोखाधड़ी वाले लेनदेन की रिपोर्टिंग के लिए ग्राहकों को अलग-अलग चैनलों पर 24 घंटे रिपोर्टिंग की सुविधा उपलब्ध नहीं कराई।

बैंक ऑफ इंडिया

इसके अलावा, बैंक ऑफ इंडिया पर 58.50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। बैंक पर प्राथमिक सेक्टर को लोन देने और जमा पर ब्याज संबंधी नियमों के उल्लंघन का आरोप है। सर्विस चार्ज, निरीक्षण शुल्क और प्रोसेसिंग चार्ज वसूले थे। इसके अलावा बैंक ने सावधि जमा खातों पर मैच्योरिटी की तारीख से पैसे ग्राहकों को देने की तारीख तक के लिए ब्याज भुगतान नहीं किया।

रेलवे से जुड़ी कंपनी के शेयर में अचानक बड़ा उछाल, 75 रुपये से कम है भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। वैसे तो शुक्रवार को शेयर बाजार में भारी गिरावट देखी गई लेकिन कुछ शेयर रॉकेट की तरह बढ़े। ऐसा ही शेयर रेलवे इलेक्ट्रिफिकेशन और ओएचई प्रोजेक्ट्स में काम करने वाली माइक्रो-कैप कंपनी रेलवे इंफ्रा लिमिटेड है। इस कंपनी के शेयरों में शुक्रवार को जोरदार उछाल देखने को मिला। कंपनी के शेयर ने हस्थ पर लिस्टिंग के बाद 19 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की। रेलवे इंफ्रा लिमिटेड के शेयर की बात करें तो शुक्रवार को 61.94 रुपये की पिछली क्लोजिंग के मुकाबले 73.50 रुपये तक गया। शेयर के 52 हफ्ते का हाई और लो क्रमशः 119.91 रुपये और 55.40 रुपये है। बता दें कि बीते 24 मार्च को ही शेयर ने अपने 52 हफ्ते के लो को टच किया है।

लिस्टिंग के बाद बढ़ी निवेशकों की दिलचस्पी

कंपनी को हाल ही में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर अपने सिक्योरिटीज लिस्ट करने की मंजूरी मिली थी और 27 मार्च 2026 से इसके शेयरों में ट्रेडिंग शुरू हुई। विशेषज्ञों के मुताबिक, हस्थ पर लिस्टिंग से कंपनी को बेहतर विजिबिलिटी, लिक्विडिटी और बड़े निवेशकों की भागीदारी का फायदा मिलेगा। इससे संस्थागत निवेशकों की दिलचस्पी भी बढ़ सकती है और कंपनी के लिए भविष्य में फंड जुटाना आसान हो सकता है। रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड रेलवे आधुनिकीकरण से जुड़े प्रोजेक्ट्स पर काम करती है। ओएचई प्रोजेक्ट्स और ट्रैक अपग्रेडेशन जैसे काम करती है।

न्यूयॉर्क के सेंट्रल पार्क से आठ गुना बड़ा है नोएडा एयरपोर्ट

पूरे प्रोजेक्ट पर 29,560 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन किया। गौतम बुद्ध नगर जिले में यमुना एक्सप्रेसवे पर स्थित यह एयरपोर्ट दिल्ली-एनसीआर का दूसरा एयरपोर्ट है। पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के तहत बनाया गया यह एयरपोर्ट शुरुआत में सालाना 1.2 करोड़ पैसेंजर हैंडल कर सकता है। बाद में इसकी पैसेंजर हैंडलिंग कैपिसिटी बढ़ाकर 7 करोड़ करने की योजना है। यह देश के सबसे बड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में से एक है। पूरा बनने के बाद यह देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट होगा जिसमें 6 रनवे होंगे। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को 7,200 एकड़ में विकसित किया जा रहा है जो कि न्यूयॉर्क के सेंट्रल पार्क से आठ गुना बड़ा है। इस एयरपोर्ट के पहले चरण में 11,282 करोड़ रुपये की लागत आई है। इस पूरे प्रोजेक्ट

पर 29,560 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। सरकार के मुताबिक पहले चरण में इसके बनाने वाली कंपनी ने 6,876 करोड़ रुपये का निवेश किया है जबकि जमीन के अधिग्रहण पर सरकार ने 4,406 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। पहले चरण में इसमें एक रनवे और एक टर्मिनल विकसित किया गया है।

मल्टी-मोडल ट्रांसपोर्ट हब

इसके शुरू होते ही उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य बन जाएगा जिसके पास पांच इंटरनेशनल एयरपोर्ट होंगे। कार्गो टर्मिनल की शुरुआती सालाना क्षमता 2.5 लाख मीट्रिक टन होगी जिसे 18 लाख मीट्रिक टन तक बढ़ाया जा सकता है। इसमें साथ ही 40 एकड़ में फैली रिपेयर और ओवरहॉल फैसिलिटी भी होगी जिससे घरेलू विमानों के मेंटेनेंस को बढ़ावा मिलेगा और एविएशन सेक्टर में भारत की आत्म निर्भरता बढ़ेगी। एयरपोर्ट के पहले चरण में 11,282 करोड़ रुपये की लागत आई है पूरे प्रोजेक्ट पर 29,560 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है अधिकारियों का कहना है कि इस एयरपोर्ट को मल्टी-मोडल ट्रांसपोर्ट हब के रूप में डिजाइन किया गया है। इसमें रोड, रेल, मेट्रो और रीजनल ट्रांजिट सिस्टम को इंटीग्रेट किया जाएगा ताकि ट्रैवल टाइम और लॉजिस्टिक कॉस्ट में बचत हो। हवाई अड्डे की विशेषताओं में 3,900 मीटर लंबा रनवे शामिल है। यह चौड़े आकार के विमानों को हैंडल करने में सक्षम है। लैंडिंग सिस्टम और एयरफील्ड लाइटिंग जैसी आधुनिक नेविगेशन फैसिलिटीज भी मौजूद है।

'बिरसा' कार्यक्रम से युवाओं को मिलेगा रोजगार: मथुरा प्रसाद महतो

ब्लॉक स्तर पर ही मिलेगा प्रशिक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। तोपचांची स्थित झारखंड सरकार के श्रम एवं प्रशिक्षण विभाग ने मुख्यमंत्री सारथी योजना' के तहत 'बिरसा' कार्यक्रम का शुभारंभ टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने फीता काटकर किया। मथुरा प्रसाद महतो को संचालक सनोज सिंह एवं नव प्रशिक्षु छात्र-छात्राओं ने पुष्प गुच्छ एवं अंगवस्त्र ओढाकर स्वागत सम्मानित किया। मथुरा प्रसाद महतो ने दीप प्रज्वलित करने के उपरांत कहा कि बिरसा कार्यक्रम के जरिए राज्य के 80 ब्लॉकों में युवाओं को उनके घर के पास ही मुफ्त कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि उन्हें रोजगार के लिए दूर न जाना पड़े। इसी संदर्भ में तोपचांची में बिरसा प्रशिक्षण केंद्र खोला गया है। संचालक सनोज सिंह ने कहा झारखंड सरकार ने राज्य के ग्रामीण और ब्लॉक स्तर के युवाओं को सशक्त बनाने के लिए एक महत्वाकांक्षी कदम उठाया है।

मुख्यमंत्री सारथी योजना के एक मुख्य हिस्से के रूप में ब्लॉक लेवल इंस्टीट्यूट फॉर रूरल स्किल एक्विजिशन यानी बिरसा को तोपचांची में शुभारंभ किया गया है। इस केंद्र में युवाओं के लिए कंप्यूटर में कॉल सेंटर एग्जीक्यूटिव का कोर्स के अलावा फैशन डिजाइनिंग, सिलाई का कोर्स निशुल्क कराया जाएगा।

श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण और कौशल विकास विभाग द्वारा संचालित इस योजना का मुख्य उद्देश्य उन युवाओं को हुनरमंद बनाना है, जो अपने स्थानीय क्षेत्र में रहकर ही काम करना और सीखना चाहते हैं।

इस पहल से अब युवाओं को बड़े शहरों की ओर रुख करने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि उन्हें उनके ब्लॉक में ही विश्वस्तरीय प्रशिक्षण मिलेगा। ब्लॉक स्तर पर ही सेंटर होने से विशेष रूप से उन महिलाओं और युवाओं को फायदा होगा जो पारिवारिक जिम्मेदारियों की वजह से शहरों में की और रुक करने की जरूरत नहीं। सरकार की इस स्थानीय कौशल विकास योजना से आने वाले समय में झारखंड के गांवों में हुनरमंद कामगारों की एक नई फौज खड़ी होगी, जो राज्य के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। बिरसा केंद्र के उद्घाटन कार्यक्रम में कामेश्वर सिंह,रजनीश सिंह, चंदन सिंह, विनीत कुमार समेत सैकड़ों स्थानीय छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

झींगा पालन से संवर रही जनजातीय समुदायों की जिंदगी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गुमला। मत्स्य पालन के क्षेत्र में झारखंड राज्य लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। विशेष रूप से जनजातीय समुदायों की आजीविका में सुधार लाने के उद्देश्य से मत्स्य पालन विभाग, झारखंड द्वारा आधुनिक तकनीकी हस्तक्षेप किए जा रहे हैं।

विभाग के निदेशक डॉ. अमरेंद्र कुमार के मार्गदर्शन में तथा संबंधित जिलों के अधिकारियों के सहयोग से राज्य के कम उपयोग किए गए जलाशयों में स्कैम्पी (मीठे पानी की झींगा) मत्स्य पालन को बढ़ावा देकर एक सफल मॉडल प्रस्तुत किया गया है।

बैरकपुर के तकनीकी सहयोग से झारखंड के तीन प्रमुख जलाशयों गुमला के मसारिया, सिमडेगा के केलाघाघ और हजारीबाग के घाघरा में स्कैम्पी पालन की सफलता ने आदिवासी लाभार्थियों की आजीविका पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। इन जलाशयों में मत्स्य उत्पादन और आय में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है, जिससे स्थानीय मछुआरों का आर्थिक सशक्तिकरण संभव हुआ है। इस सफलता को देखते हुए राज्य के छह अन्य जलाशयों रांची के ओपा और करंजी, लातेहार के बचरा, लोहरदगा के नंदनी, गुमला के धनसिंहटोली और दुमका के बांकेबेरा में भी इस मॉडल को विस्तार दिया जा रहा है। मार्च 2026 के अंतिम पखवाड़े में इन नौ जलाशयों में लगभग 20 लाख स्कैम्पी किशोर (फिंगरलिंग) डालने के लिए विशेष

इकोसिस्टम विकसित किया गया है।प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एके दास डीएफओ गुमला कुसुम लता तथा अन्य अधिकारियों की टीम ने 27 मार्च को गुमला के मसारिया जलाशय में 2.44 लाख और 28 मार्च 2026 को गुमला के धनसिंहटोली जलाशय में 2.53 लाख स्कैम्पी का भंडारण किया।

इस प्रक्रिया की नियमित निगरानी एडीएफ एवं परियोजना प्रभारी गीतांजलि कुमारी द्वारा की जा रही है। मत्स्य पालन विभाग की यह पहल न केवल झारखंड के आदिवासी मछुआरों की आय बढ़ाने में सहायक साबित हो रही है, बल्कि पूरे देश में ग्रामीण मछुआरों की आजीविका को सुदृढ़ करने के लिए एक प्रेरणादायक मॉडल के रूप में उभर रही है।

दो स्थानों पर डूबने से दो की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। बिहार के जमुई जिले में शनिवार को दो अलग - अलग जगहों पर आहर में डूबने से एक बालक सहित दो लोगों की मौत हो गई। खैरा थाना क्षेत्र के खैरा सुभाष नगर से सटे बहरा आहर में डूबने से बिंदी रावत के पुत्र बादल कुमार (12) की मौत हो गई।

बताया जाता है कि दोपहर करीब 12 बजे बादल कुमार अपने कुछ साथियों के साथ घर से लगभग 100 मीटर दूर बहरा आहर में नहाने गया था। नहाने के दौरान वह गहरे पानी में चला गया और डूबने से उसकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और काफी खोजबीन के बाद बादल के शव को आहर से बाहर निकाला गया। मृतक बादल गांव के ही प्राथमिक विद्यालय में कक्षा चार का छात्र था। दो बहन और दो भाइयों में बादल सबसे छोटा था। घटना के बाद पूरे गांव में मातम का माहौल है और स्वजन का रो-रोकर बुरा हाल है।

दूसरी घटना नगर थाना इलाके के अमरथ की है। अमरथ चंद्रपुरा आहर में डूबने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान इंद्रदेव यादव (55) के रूप में हुई है।

बताया जाता है कि मृतक इंद्रदेव यादव चंद्रपुरा आहर में नहाने गए थे। नहाने के क्रम में गहरे पानी में डूबने से उनकी मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों द्वारा मृतक के शव को आहर से निकाला गया और घटना की जानकारी पुलिस को दी गई।

मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा कागजी प्रक्रिया पूरी कर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया।

जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। इंद्रदेव यादव की मौत के बाद पूरे परिवार में मातम पसरा हुआ है।

वार्षिक परीक्षा फल घोषित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चतरा। शनिवार को सरस्वती शिशु विद्या मंदिर हफुआ चतरा में सत्र 2025-26 का परीक्षा फल घोषित किया गया। सर्व प्रथम विद्यालय के सचिव दीनानाथ सिंह प्रधानाचार्य अभय नारायण सिंह परीक्षा प्रमुख अरविंद कुमार सिंह ने संयुक्त रुप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।

परीक्षा प्रमुख के द्वारा कक्षावार प्रथम, द्वीतीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया।

कक्षा में उपस्थिति में प्रथम व तीनों खंड से सबसे सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया । कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए नये सत्र में मेहनत का मंत्र दिया। अंत सचिव ने सभी को आशिर्वाद देते हुए बताए कि आगामी सत्र को बेहतर बनाने के लिए तीन दिन का कार्यशाला होगा एवं गुरुवार को हवन पूजन के साथ सत्र आरंभ किया जाएगा।

अवैध ईट-भट्टे के खिलाफ ग्रामीणों ने खोला मोर्चा

संचालक पर सरकारी संपति को नुकसान पहुंचाने का आरोप

मुखिया ने सीओ से की शिकायत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हंटरगंज (चतरा)। प्रखंड क्षेत्र के मीरपुर पंचायत के मीरपुर गांव के ग्रामीणों का गुस्सा ईंट भट्टे संचालक के खिलाफ फूट गया। इसको लेकर मीरपुर मुखिया चन्दा देवी ने सीओ से शिकायत की। लिखित शिकायत में उनका आरोप है कि मीरपुर में ईंट भट्ठा संचालक के द्वारा घरही नदी में मिट्टी भरकर अवैध ईट भट्टे का संचालन किया जा रहा है। जिससे नदी का पानी और पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। साथ ही राजस्व को भी नुकसान हो रहा है। उन्होंने सीओ से जल्द से जल्द अवैध ईट भट्टे को बंद करने की मांग की है। हालांकि ग्रामीणों ने भी इस ईट भट्टे के खिलाफ विरोध जताया, उनका भी आरोप है कि ईट भट्टे के संचालक मनमानी कर नदी का अस्तित्व को खतरे में डाल रहा है, वहीं दूसरे किनारे में निर्माण पंचायत सचिवालय तक बरसात में नदी की पानी पहुंच जाती है। उनका आरोप है कि यहां उत्क्रमित मध्य विद्यालय का मैदान है, जिसमें बच्चे खेल-कूद करते है। इधर ईट भट्टे संचालक के अतिक्रमण के वजह से मैदान का कुछ भाग धंस गया है, उन्होंने भी अंचलाधिकारी से जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की।

हालांकि ईट भट्?ठा संचालक रामधनी प्रजापति ने आरोप को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि आरोप बेबुनियाद है। मैं अपने निजी जमीन में ईट भट्टे का संचालन कर रहा हूं। सड़क विवाद के वजह से

यह मामला तूल पकड़ा है।

इधर हंटरगंज सीओ रितिक कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है, जांच हेतु सीआई धीरज कुमार को निर्देश दिया गया है। जांच में अगर ईट भट्टे संचालक पर लगाया गया ग्रामीणों और मुखिया का आरोप सत्य पाया गया तो निश्चित ही उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रामनवमी जुलूस में गूंजा जय श्रीराम का नारा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हंटरगंज (चतरा)। प्रखंड मुख्यालय के आसपास दर्जनों गांवों में रामनवमी के अवसर पर श्रद्धा और उल्लास के साथ भव्य जुलूस निकाला गया। जुलूस में शामिल रामभक्तों ने जय श्री राम और जय हनुमान जैसे धार्मिक उद्घोषों से पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया। इस दौरान डुमरी पंचायत के डुमरीकला और गोडवाली वही तरवागड़ा पंचायत से शाही, तेतरिया और परसिया से भी महावीरी झंडा बड़े उत्साह के साथ निकाला गया। जुलूस गांव से से प्रारंभ होकर गांव के विभिन्न स्थानों का भ्रमण करते तुलसीपुर पहुंचा । जगह-जगह लोगों ने जुलूस का स्वागत किया।कार्यक्रम के समापन पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर थाना प्रभारी प्रभात कुमार के नेतृत्व में सब इंस्पेक्टर राजदेव पांडे और अजय कुमार महतो सहित पुलिस बल मुस्तैद दिखी। कार्यक्रम में तरवागड़ा मुखिया प्रतिनिधि दिलीप कुमार दास भी मौके पर मौजूद थे। जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ।

भगवान महावीर जयंती की तैयारियां पूर्ण

30 को निकलेगी भव्य शोभायात्रा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। शहर के धैया स्थित जैन मंदिर में जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर की जयंती जन्म महोत्सव 30 मार्च को श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाई जाएगी। इस अवसर पर दिनभर विधिवत कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सुबह सात बजे मंदिर के निचले तल पर अभिषेक एवं शांतिधारा के साथ कार्यक्रम की शुरूआत होगी। इसके बाद झंडा रोहण एवं डाक बोली का आयोजन किया जाएगा। फिर सुबह आठ बजे श्रीजी को पालकी में विराजमान कर भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी।

वहीं, सुबह नौ बजे ऊपरी तल पर पुनः अभिषेक एवं शांतिधारा होगी। प्रातः 9:45 बजे से श्रद्धालुओं के लिए अल्पाहार की व्यवस्था रहेगी। संध्या सात बजे सामूहिक आरती के साथ महोत्सव का समापन होगा।

जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर की जयंती पूरे देश में श्रद्धा और आस्था के साथ मनाई जाती है। महावीर जयंती जैन समुदाय के लिए सबसे महत्वपूर्ण पर्वों में से एक है। इस दिन मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, शोभायात्राएं और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस अवसर पर देश के कई राज्यों में सरकारी अवकाश घोषित किया जाता है, जिससे स्कूल, कॉलेज और सरकारी कार्यालय बंद रहते हैं। भगवान महावीर ने अहिंसा, अपरिग्रह और सत्य के सिद्धांतों को अपनाने का संदेश दिया, जो आज के समय में भी उतना ही प्रासंगिक है। यही कारण है कि महावीर जयंती केवल एक धार्मिक पर्व ही नहीं, बल्कि समाज को नैतिकता और शांति का संदेश देने वाला दिन भी है।

भगवान महावीर का जन्म बिहार के कुंडाग्राम में हुआ था। उनके बचपन का नाम वर्धमान था। मान्यताओं के अनुसार, भगवान महावीर ने 12 वर्षों तक कठोर तप किया था। इस दौरान उन्होंने अपनी सभी इंद्रियों पर विजय प्राप्त की।

मोक्ष प्राप्ति के मार्ग के लिए उन्होंने मनुष्यों को पांच सिद्धांत बताए, जिन्हें पंच सिद्धांत कहा जाता है- अहिंसा, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, सत्य और अपरिग्रह। बाद में उन्होंने दिगंबर स्वरूप को स्वीकार किया और निर्वस्त्र रहकर मौन साधना की।

प्रधानाध्यापक निलंबित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सीतामढ़ी। जिले के सोनबरसा प्रखंड स्थित मध्य विद्यालय सहोरवा में छात्रा की मौत के मामले में शिक्षा विभाग ने सख्त कार्रवाई की है। कक्षा चार की छात्रा स्मृति कुमारी की पिटाई के बाद हुई मौत को गंभीरता से लेते हुए विभाग ने प्रधानाध्यापक को निलंबित कर दिया है, जबकि दो अन्य शिक्षकों के खिलाफ भी कार्रवाई की अनुशंसा की गई है।

यह घटना 23 मार्च 2026 की है, जब कक्षा चार की छात्रा स्मृति कुमारी और कक्षा पांच की दो छात्राओं के बीच विवाद मारपीट में बदल गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच के लिए त्रिसदस्यीय समिति गठित की गई, जिसने 25 मार्च को अपनी रिपोर्ट सौंपी। जांच में पाया गया कि घटना के दौरान सूचना मिलने के बावजूद शिक्षक हरेराम सिंह ने हस्तक्षेप नहीं किया, जिसे कर्तव्य में लापरवाही माना गया। वहीं प्रधानाध्यापक योगेंद्र प्रसाद सहनी पर विद्यालय में अनुशासन बनाए रखने में विफल रहने और विभागीय निदेशों की अनदेखी करने का आरोप सिद्ध हुआ, जिसके बाद उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया।

कृषि सांख्यिकी पर प्रशिक्षण सत्र का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। शनिवार को न्यू टाउन हॉल में जिला सांख्यिकी विभाग ने कृषि सांख्यिकी से संबंधित प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया। प्रशिक्षण में जिला सांख्यिकी पदाधिकारी उमेश लोहरा ने कृषि सांख्यिकी के महत्व पर प्रकाश डाला। सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी देवेन्द्र कुमार सिंह ने फसल का क्षेत्रिय सर्वेक्षण, प्रेक्षक मूल्य, फसल कटनी प्रयोग सहित अन्य विषयों पर प्रशिक्षण दिया। वहीं श्री प्रमोद कुमार ने फसल कटनी से संबंधित सीसीई अग्नि एप के उपयोग करने की जानकारी पीपीटी के माध्यम से दी। प्रशिक्षण में कृषि, सहकारिता एवं राजस्व विभाग के सभी पदाधिकारी व कर्मचारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी, सभी अंचल निरीक्षक, प्रखंड कृषि पदाधिकारी, प्रखंड सांख्यिकी पर्यवेक्षक, जनसेवक शामिल हुए।

धनबाद जिला प्रशासन ने की नशा छोड़ने व स्वस्थ जीवन शैली अपनाने की अपील

"हैप्पी स्ट्रीट" कार्यक्रम का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। शनिवार को जिला प्रशासन द्वारा लुबी सर्कुलर रोड पर सुबह 6 बजे से नशा मुक्ति जागरूकता हेतु ₹हैप्पी स्ट्रीट₹ कार्यक्रम के आयोजन को नागरिकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। इसमें साइक्लिंग, स्केटिंग, शूटिंग सहित कई प्रकार की एक्टिविटी ने बच्चों व बड़ों को चार घंटे तक व्यस्त रखा। हैप्पी स्ट्रीट में हेल्थ ड्रिंक, पौष्टिक व्यंजन के अलावा अनेक एक्टिविटी को शामिल किया गया था।कार्यक्रम में उपायुक्त आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, उप विकास आयुक्त सन्नी राज, नगर आयुक्त आशीष गंगवार, अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे, ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी सहित अन्य पदाधिकारियों ने लुबी सर्कुलर रोड से पूजा टॉकीज, डीआरएम चौक, कोर्ट रोड, रणधीर वर्मा चौक होते हुए लुबी सर्कुलर रोड तक साइक्लिंग कर लोगों को स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में नशे की लत से छुटकारा पाने, जानकारी लेने और सहायता के लिए नशा मुक्ति केंद्र, शारीरिक व खेल गतिविधियाँ, स्केटिंग, राइफल शूटिंग, आर्चरी, योगा, बास्केटबॉल डंक, लाइव बैंड, ह्यूमन लूडो, डार्ट गेम, कला और साहित्य, ओपन क्विज, कविता और शायरी, छात्रों के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता, शहर की सुंदरता को कैनवास पर उतारने के लिए ₹पेंट माय सिटी₹, सिग्नेचर बोर्ड, सामाजिक संदेशों या मनोरंजन पर आधारित छोटे नाटक, हेल्थ चेकअप कैंप, रक्तदान शिविर, झारखंड के पारंपरिक नृत्य, नुक्कड़ नाटक, सड़क सुरक्षा, विविध प्रकार के फूड स्टॉल सहित अन्य गतिविधियां लोगों के आकर्षण का केंद्र रही।

कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त, वरीय पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण एसपी तथा नगर आयुक्त ने कला भवन में स्वास्थ विभाग एवं भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा आयोजित शिविर में रक्तदान किया। शिविर में कुल 15 यूनिट रक्त संग्रह हुआ। उपायुक्त ने कहा कि इस कार्यक्रम से लोगों को नशा मुक्ति के लिए केवल जागरूक ही नहीं किया जा रहा है बल्कि उन्हें नैतिकता एवं कानून से जुड़े पहलुओं की भी जानकारी दी जा रही है। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में नशा के विरुद्ध सकारात्मक बदलाव लाना है। विशेष रूप से युवाओं को नशे के चंगुल से बचाना और समाज में ₹नशा मुक्त भारत₹ का संदेश फैलाना है।

उन्होंने जिले के अधिक से अधिक लोगों को इस मुहिम से जुड़ने की अपील की। कहा कि जागरूकता अभियान के बाद प्रशासन द्वारा नशा के विरुद्ध कड़ा रूख अपनाया जाएगा। कोटपा अधिनियम का सख्ती से पालन कराया जाएगा।

फूड स्टॉल बना लोगों का आकर्षण

वहीं वरीय पुलिस अधीक्षक ने युवाओं को नशे से दूर रहने की अपील की। कहा कि नशा से दूर रहने के बहुत फायदे हैं। जबकि नशा करने से घातक नुकसान हो सकता है। उन्होंने लोगों से नशा से दूर रहने व स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का अनुरोध किया। साथ में कहा कि नशा मुक्त धनबाद का सपना साकार करने के लिए अब कड़े प्रशासनिक कदम उठाए जाएंगे। कार्यक्रम में निदेशक डीआरडीबी राजीव रंजन, जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनिल कुमार सिंह, सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा, ट्राफिक डीएसपी अरविंद कुमार सिंह, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज अहमद, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश कुमार बाउरी, जिला खेल पदाधिकारी उमेश लोहरा, फूड सेफ्टी ऑफिसर राजा कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी कालीदास मुंडा, कार्यपालक दंडाधिकारी रविन्द्र नाथ ठाकुर, ट्रेजरी ऑफिसर पंकज कुमार, बाल संरक्षण पदाधिकारी साधना कुमारी, डीपीएम प्रतिमा कुमारी, सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ संजीव कुमार प्रसाद, भवन प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता चंदन कुमार, घनश्याम दुबे के अलावा बड़ी संख्या में बच्चे और जिले के नागरिक मौजूद थे।

अग्निपीड़ित परिवार को मिला सहायता राशि का चेक

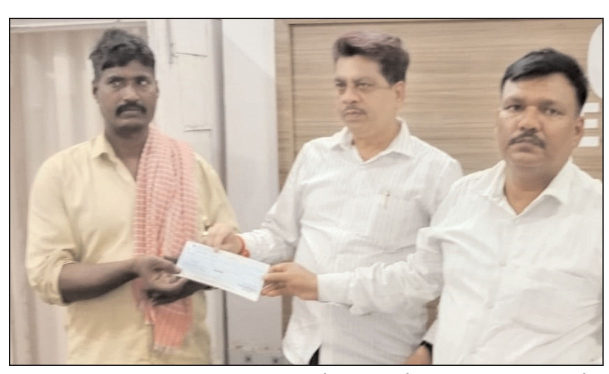

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रसूलपुर। स्थानीय चट्टी के अग्नि पीड़ित परिवार को मुखिया प्रतिनिधि व आलू व्यवसायी मिथिलेश प्रसाद आपदा के तहत 12 हजार रुपए की तत्काल सहायतार्थ राशि शनिवार को प्रदान की।अंचल कार्यालय में मौके पर राजस्व पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

मालूम हो कि दो दिन पहले उमाशंकर साह उर्फ झामलाल साह पिता मुन्नीलाल साह की झोपड़ी से उठ रही धुंआ देखते हीं देखते आग की लपटों में तब्दील हो उठी थी पछुआ हवा के कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लगभग 50 हजार रुपये से भी अधिक की सम्पत्ति जला डाली थी। जिसमें जरूरतमंद खाने पीने की वस्तुएं गेहूं,चावल व कपड़े समेत कुछ नकद भी शामिल थे। मुखिया प्रतिनिधि मिथिलेश ने कहा कि पीड़ित परिवार की जली संपत्ति का आकलन आपदा विभाग द्वारा करा कर आगे भी आर्थिक सहायता प्रदान कराने की अपील की गई है।

जसप्रीत बुमराह मुंबई टीम से जुड़े

पांच दिनों से बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में थे, केकेआर के खिलाफ पहला मैच खेल सकते हैं

मुंबई (एजेंसी)। जसप्रीत बुमराह मुंबई इंडियंस टीम से जुड़ गए हैं। खबरों के मुताबिक, वे शुक्रवार शाम टीम होटल पहुंचे। बुमराह रविवार को मुंबई में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ खेल सकते हैं। बुमराह पिछले पांच दिनों से बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में थे और अपने फिटनेस और वर्कलोड मैनेजमेंट पर काम कर रहे थे।

टीम के दूसरे टॉप विकेट टेकर

बुमराह ने 2013 में मुंबई के लिए डेब्यू किया था और तब से वे टीम के सबसे अहम गेंदबाजों में शामिल हैं। उन्होंने 148 मैचों में 186 विकेट लिए हैं। वे मुंबई के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 2013, 2015, 2017, 2019 और 2020 की खिताबी जीत में बड़ी भूमिका निभाई है। पिछले सीजन शुरुआती 4 मैचों में नहीं खेले थे बुमराह पिछले सीजन में शुरुआती चार मैच नहीं खेल पाए थे। टीम उन मुकाबलों में से तीन हार गई थी।

विल जैक्स और सैंटनर अब तक नहीं जुड़े

मुंबई टीम के विल जैक्स और मिचेल सैंटनर अभी तक स्क्वॉड से नहीं जुड़े हैं। दोनों खिलाड़ी 27 मार्च को हुए जरूरी प्रैक्टिस सेशन में भी नजर नहीं आए। हालांकि, उनकी अनुपस्थिति के पीछे इंटरनेशनल क्रिकेट शेड्यूल और आराम को वजह माना जा रहा है। खासकर सैंटनर हाल ही में साउथ अफ्रीका के खिलाफ न्यूजीलैंड टीम की कप्तानी कर रहे थे और उन्हें सीरीज के बाद ब्रेक दिया गया था।

बांग्लादेश में आईपीएल का प्रसारण हो सकता है

- प्रसारण मंत्री बोले- देश में ब्रॉडकास्ट पर कोई रोक नहीं

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश ने आईपीएल 2026 के प्रसारण को लेकर अपने रुख में बड़ा बदलाव किया है। सरकार ने संकेत दिए हैं कि अब देश में आईपीएल के मैचों के प्रसारण की अनुमति दी जा सकती है। दरअसल, इससे पहले प्रोफेसर यूनुस के नेतृत्व वाली

बांग्लादेश सरकार ने आईपीएल के प्रसारण पर रोक लगा दी थी। यह फैसला तब लिया गया था जब तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल टीम से बाहर किए जाने को लेकर विवाद हुआ था, जिससे देश में नाराजगी बढ़ गई थी।

सरकार करेगी समीक्षा

बांग्लादेश के नए सूचना एवं प्रसारण मंत्री जाहिर उद्दीन स्वपन ने कहा कि उनके देश (बांग्लादेश) में आईपीएल के प्रसारण पर कोई रोक नहीं है। इससे पहले, युवा और खेल मामलों के राज्य मंत्री अमीनुल हक ने क्रिकबज से बातचीत मे कहा था कि पिछली अंतरिम सरकार द्वारा आईपीएल के प्रसारण पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद वे इस संबंध में संबंधित अधिकारियों से बात करेंगे।

धोनी 2 हफ्ते आईपीएल से बाहर रह सकते हैं

● मांसपेशियों में खिंचाव, सीएसके ने पोस्ट में जानकारी दी

चेन्नई (एजेंसी)। एमएस धोनी आईपीएल 2026 के शुरुआती दो हफ्ते बाहर रह सकते हैं। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान इस समय मांसपेशियों में खिंचाव के कारण रिहैब से गुजर रहे हैं। सीएसके की ओर से एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि उन्हें काफ स्ट्रेन, यानी पिंडली में खिंचाव है।

3 मैचों से हो सकते हैं बाहर

अगर धोनी पूरे 2 हफ्ते यानि 14 दिन तक बाहर रहते हैं तो वो कम से कम 3 मैच नहीं खेल पाएंगे। सीएसके का पहला मैच 30 मार्च को गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ है। इसके बाद उसका अगला मैच 3 अप्रैल को चेन्नई में पंजाब किंग्स के खिलाफ है। टीम अपना तीसरा मैच 5 अप्रैल को डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ उसके ही घर में खेलेगी, जिसका हर किसी को बेसब्री से इंतजार है। धोनी इन तीनों ही मैच से बाहर रह सकते हैं। उनकी वापसी 11 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में हो सकती है।

44 साल के धोनी आईपीएल 2026 के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी

धोनी फिलहाल 44 साल के हैं। वे आईपीएल 2026 के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। पिछले सीजन ऋतुराज गायकवाड के चोटिल होने के बाद उन्हें बीच में ही चेन्नई की कप्तानी करनी पड़ी। उन्होंने टीम को 4 में से 3 मैचों में जीत दिलाई थी।

आईपीएल में सबसे ज्यादा मैच धोनी के नाम- आईपीएल में सबसे ज्यादा मैच खेलने वालों में महेंद्र सिंह धोनी पहले पायदान पर हैं। वे अब तक 278 मैच खेल चुके हैं। चेन्नई सुपर किंग्स को पांच बार खिताब जिताया है। 38.30 की औसत से 5439 रन बनाए हैं। इस दौरान धोनी ने 24 अर्धशतक भी लगाए हैं। उन्होंने विकेटकीपिंग में 47 स्टंपिंग और 154 कैच भी लपके हैं।

आईपीएल में 100 मैच जीतने वाले इकलौते कप्तान

धोनी आईपीएल में 100 मैच जीतने वाले एकमात्र कप्तान हैं। उन्होंने आईपीएल में सबसे ज्यादा 235 मैचों में कप्तानी की है। धोनी अपनी कप्तानी में टीम को 136 मैचों में जीत दिला चुके हैं, जबकि 97 में टीम को हार मिली। धोनी ने अपनी कप्तानी में सीएसके को 2023 में आखिरी बार चैंपियन बनाया था। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर रोहित शर्मा हैं। उन्होंने 158 मैचों में कप्तानी की है और 87 मैच जीते हैं।

2023 में आईपीएल फाइनल के बाद हुई थी घुटने की सर्जरी

धोनी ने आईपीएल 2023 के फाइनल के बाद 1 जून को मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में घुटने की सर्जरी कराई थी। धोनी का ऑपरेशन डॉक्टर दिनशॉ पारदीवाला ने किया था।

धोनी की रिटायरमेंट को लेकर 2023 से अटकलें

धोनी इंटरनेशनल क्रिकेट से साल 2020 में संन्यास ले चुके हैं। उनके आईपीएल रिटायरमेंट की अटकलें 2023 से ही लगाई जा रही हैं। ऐसा माना जा रहा था कि साल 2026 धोनी का आखिरी साल होगा।

इंदौर में होगा मुकाबला

11 अक्टूबर को भारत-वेस्टइंडीज के बीच टी-20

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में 11 अक्टूबर को सीरीज का तीसरा मैच

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के होल्कर स्टेडियम को एक और मैच की मेजबानी मिली है। 11 अक्टूबर को भारत और वेस्टइंडीज के बीच टी-20 मैच खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम इंडिया के 2026-27 के घरेलू इंटरनेशनल सीजन का शेड्यूल जारी किया।

आगामी घरेलू सीजन में रोमांचक और एक्शन से भरपूर मुकाबले देखने को मिलेंगे। चार मेहमान टीमें वेस्टइंडीज, श्रीलंका, जिम्बाब्वे और ऑस्ट्रेलिया मल्टी फॉर्मेट क्रिकेट खेलने के लिए भारत आएंगी। इस सीजन में 17 शहरों में 22 इंटरनेशनल मैच खेले जाएंगे। सीजन की शुरुआत वेस्टइंडीज के भारत दौरे से होगी। इस दौरे की शुरुआत 27 सितंबर 2026 से होगी। इस दौरान भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज और उसके बाद पांच टी-20 मैचों की सीरीज खेली जाएगी। वनडे मैच तिरुवनंतपुरम, गुवाहाटी और न्यू चंडीगढ़ में खेले जाएंगे। टी-20 मैच लखनऊ, रांची, इंदौर, हैदराबाद और बेंगलुरु में होंगे।

होलकर स्टेडियम में अब तक 4 टी-20 मैच खेले गए

● **पहला मैच**- 2017 में श्रीलंका को 88 रनों से हराया। ● **दूसरा मैच**- 2020 में श्रीलंका को 7 विकेट से हराया। ● **तीसरा मैच**- दक्षिण अफ्रीका ने 49 रन से भारत को हराया। ● **चौथा मैच**- भारत ने 6 विकेट से अफगानिस्तान को हराया।

मानसिक मजबूती की मदद से जीती प्लेयर्स चैम्पियनशिप

- अमेरिकी गोल्फर ने नंबर-2 से नंबर-1 बनने के लिए माइंडसेट में किया बदलाव, मूलमंत्र- वर्तमान में जियो

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। गोल्फ की दुनिया में अक्सर प्रतिभा से ज्यादा मानसिक मजबूती मायने रखती है। इस बात को गोल्फर कैमरन यंग ने हाल ही में 'द प्लेयर्स चैम्पियनशिप' जीतकर सच साबित किया है। इस जीत से यंग वर्ल्ड गोल्फ रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

हालांकि यह सफलता उन्हें रातों-रात नहीं मिली। पीजीए टूर में अक्सर खिताब के करीब पहुंचकर पिछड़ने वाले यंग के लिए यह एक बड़े मानसिक बदलाव का नतीजा है। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले यंग के मन में विचार आया कि क्या होगा अगर मैं यह खिताब जीत लूं, लेकिन उन्होंने अगले ही पल यह विचार दिमाग से निकाल दिया। उन्हें एहसास हुआ कि यदि पूरा ध्यान सिर्फ ट्रॉफी जीतने पर रहेगा, तो वे मंजिल तक नहीं पहुंच पाएंगे।

पिछले एक साल से यंग स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट डॉ. ब्रेट मैककेबे के साथ मानसिक मजबूती पर काम कर रहे हैं। यंग बताते हैं कि पहले बड़े टूर्नामेंट के दौरान वे नकारात्मक सोचने लगते थे। उनका ध्यान नतीजों पर टिका होता था और वे हमेशा घबराए रहते थे कि उन्हें टॉप-5 में जगह बनानी है। करियर के शुरुआती दौर में वे लीडरबोर्ड के टॉप पर जगह बना लेते थे, लेकिन ऐन मौके पर चूक जाते थे।

इसकी वजह प्रतिभा की कमी नहीं, बल्कि भटकता हुआ दिमाग था। जब परिस्थितियां योजना के मुताबिक नहीं होती थीं, तो वे खुद पर नियंत्रण खो बैठते थे। डॉ. मैककेबे के साथ काम करके यंग ने नतीजों के बजाय प्रक्रिया और छोटे कदमों पर ध्यान लगाना सीख लिया है। इसका सबसे बड़ा असर पिछले साल क्वेल हॉलो क्लब की पीजीए चैम्पियनशिप में दिखा।

उस समय यंग बीमार थे और 30वें नंबर पर संघर्ष कर रहे थे। थकान से गलतियां हो रही थीं। उन्हें वापसी करना नामुमकिन लग रहा था। तभी उन्हें मनोवैज्ञानिक की बात याद आई कि परिस्थितियां कैसी भी हों, अपना शॉट खेलना ही है।

गुरजंत सिंह ने किया संन्यास का ऐलान

भारत को दो ओलंपिक मेडल दिलाने वाले स्टार खिलाड़ी

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम के दो बार के ओलंपिक मेडलिस्ट खिलाड़ी गुरजंत सिंह ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास का ऐलान कर दिया है। उनके इस फैसले ने फैंस को हैरान कर दिया है और एक शानदार करियर का अंत हो गया है। गुरजंत सिंह ने कहा कि अब समय आ गया है कि युवा खिलाड़ियों को मौका दिया जाए।

शानदार रहा अंतरराष्ट्रीय करियर- 31 वर्षीय गुरजंत सिंह ने भारत के लिए 130 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और 33 गोल दागे। वह 2023 एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे। इसके अलावा उन्होंने टोक्यो 2020ओलंपिक और पेरिस 2024 ओलंपिक में लगातार दो ब्रॉन्ज मेडल जीतने में अहम भूमिका निभाई।

चोट बनी करियर का टर्निंग पॉइंट

गुरजंत सिंह पिछले साल जून में खेले गए प्रो लीग के बाद से टीम से बाहर चल रहे थे। उन्होंने बताया कि पीठ की चोट के कारण वह करीब 7-8 महीने तक मैदान से दूर रहे। चोट से वापसी के बाद भी वह राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह नहीं बना सके, जिसके बाद उन्होंने संन्यास लेने का फैसला किया।

जूनियर से सीनियर तक बनाया बड़ा नाम

गुरजंत ने अपने करियर की शुरुआत जूनियर स्तर से की और 2016 जूनियर वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन किया। फाइनल में उनका गोल भारत की जीत में अहम साबित हुआ। तेज रफ्तार और आक्रामक खेल के कारण उन्होंने जल्द ही सीनियर टीम में अपनी जगह पक्की कर ली।

कई बड़ी उपलब्धियां और सम्मान- गुरजंत सिंह 2017 एशिया कप और कई एशियन चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम का भी हिस्सा रहे। साल 2021 में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें अर्जुन अवार्ड से सम्मानित किया गया, जो भारतीय खेलों का बड़ा सम्मान है।

गोल से रचा रिकॉर्ड

जनवरी 2020 में नीदरलैंड्स के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग मैच में गुरजंत सिंह ने सिर्फ 13 सेकंड में गोल दागा था। यह अंतरराष्ट्रीय हॉकी में किसी भारतीय खिलाड़ी द्वारा किया गया सबसे तेज गोल है, जिसने उन्हें खास पहचान दिलाई। हालांकि गुरजंत सिंह ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास ले लिया है, लेकिन वह अभी भी घरेलू और लीग हॉकी में खेलते रहेंगे। उन्होंने कहा कि वह हाकी इंडिया लीग और विदेशी क्लबों में खेलने के अवसर तलाशेंगे।

सीनियर टीम के लिए हुए एलिजिबल, आईसीसी नियमों के तहत इंटरनेशनल डेब्यू के लिए तैयार

वैभव सूर्यवंशी 15 साल के हुए

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी 27 मार्च को 15 साल के हो गए हैं। अपना जन्मदिन आईपीएल 2026 के शुरू होने से ठीक एक दिन पहले मनाया था। आईपीएल में डेब्यू करने के बाद से ही यह चर्चा लगातार चल रही थी कि वैभव को भारत की सीनियर टीम में कब मौका मिलेगा। अब 15 साल की उम्र पूरी करते ही उनका इंतजार खत्म हो गया है। आईसीसी के प्लेयर एलिजिबिलिटी नियमों के अनुसार अब वैभव सीनियर इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने के लिए पूरी तरह पात्र हो गए हैं।

2020 में लागू हुआ था नियम- आईसीसी के प्लेयर एलिजिबिलिटी रेगुलेशंस के आर्टिकल 4.1 के अनुसार, कोई भी खिलाड़ी इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने देश का प्रतिनिधित्व तभी कर सकता है, जब सीरीज या टूर्नामेंट के पहले मैच तक उसकी उम्र कम से कम 15 साल हो। यह नियम नवंबर 2020 से लागू है। इसका मकसद युवा खिलाड़ियों की शारीरिक और मानसिक सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

वैभव सूर्यवंशी के टॉप-3 रिकॉर्ड

- **वैभव आईपीएल में फिफ्टी लगाने वाले यंगेस्ट प्लेयर**- वैभव सूर्यवंशी आईपीएल में फिफ्टी लगाने वाले सबसे कम उम्र के प्लेयर बने। उन्होंने मात्र 14 साल और 32 दिन में अर्धशतक लगाया। सेकेंड पोजिशन पर कप्तान रियान पराग है, उन्होंने 17 साल 175 दिन में 2019 में फिफ्टी लगाई थी।
- **वैभव मुश्ताक अली में शतक लगाने वाले यंगेस्ट बैटर**- वैभव ने 10 दिन पहले सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी शतक लगाया था। 14 साल के वैभव टूर्नामेंट में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने थे। उन्होंने 2 दिसंबर को ईडन गार्डन्स में महाराष्ट्र के खिलाफ 61 गेंदों में नाबाद 108 रन बनाए, जिसमें 7 चौके और 7 छक्के शामिल थे। साथ ही वैभव 14 की उम्र में 3 टी-20 सेंचुरी लगाने वाले इकलौते प्लेयर हैं।
- **वैभव टी-20 में शतक लगाने वाले यंगेस्ट बैटर**- टी-20 क्रिकेट में अब तक के सबसे युवा शतक लगाने वाले खिलाड़ियों में वैभव सूर्यवंशी का नाम सबसे ऊपर आता है। उन्होंने 14 साल 32 दिन की उम्र में राजस्थान रॉयल्स के लिए गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 बॉल में शतक पूरा किया।

इसके बाद, विजय जोल ने 18 साल 118 दिन में महाराष्ट्र के लिए मुंबई के खिलाफ 2013 में शतक लगाया था।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में डीजे पर गाना बजाने को लेकर विवाद, नाबालिग की चाकू मारकर हत्या

बाहरी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के रानी बाग इलाके में शुक्रवार की देर रात एक शादी समारोह के दौरान गाना बजाने को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। चाकूबाजी की इस घटना में साढ़े 17 वर्षीय नाबालिग की मौत हो गई, जबकि उसका एक साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने कुछ नाबालिगों समेत सात लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार रात शादी समारोह में दो पक्षों के युवकों के बीच अपनी-अपनी पसंद का गाना डीजे पर चलाने को लेकर कहासुनी हुई। देखते ही देखते विवाद बढ़ा और एक पक्ष ने चाकू से हमला कर दिया। हमले में नाबालिग के सीने में चाकू लगा, जबकि उसके साथी सनी को कमर के नीचे चोट आई। दोनों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान नाबालिग ने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, एसीपी, एसएचओ और क्राइम टीम मौके पर पहुंची। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर संदिग्धों की पहचान की गई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मृतक और घायल युवक रोहिणी के नाहरपुर इलाके के रहने वाले हैं। मृतक मोटर मैकेनिक का काम करता था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। देर रात तक चली छापेमारी में कुछ नाबालिगों समेत सात लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। फरार अन्य आरोपितों का पुलिस पता लगा रही है।

कमजोर बच्चों की पहचान के लिए दिल्ली सरकार चलाएगी विशेष अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार अप्रैल में पूरे शहर में एक अभियान चलाएगी, ताकि कमजोर बच्चों की पहचान की जा सके, उन्हें वेलफेयर स्कीम से जोड़ा जा सके और चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 के बारे में जागरुकता बढ़ाई जा सके। महिला और बाल विकास विभाग (डब्ल्यूसीडी), नान-प्राफिट संस्थाओं के साथ मिलकर, झुग्गी-झोपड़ी इलाकों में रहने वालों को मौजूद सपोर्ट सिस्टम के बारे में जागरूक करने के लिए एक अभियान चलाएगा। विभाग की जानकारी के अनुसार 2023 में चाइल्ड हेल्पलाइन के इमरजेंसी नंबर 112 के साथ मर्ज होने के बाद, 2023 और 2025 के बीच 2,18,699 शिकायतें मिलीं, जिनमें से 14,684 मामले डिस्ट्रिक्ट चाइल्ड प्रोटेक्शन यूनिट्स (डीसीपीयूए) को भेजी गईं। इनमें बच्चों के साथ गलत व्यवहार की 4,249, काउंसलिंग सपोर्ट की 1,951, लापता बच्चों से संबंधित 1,984 और बच्चों और परिवार से जुड़े मामले 1,114) शामिल थे।

व्यक्ति को मार सकते हैं, लेकिन विचारों को नहीं: बाबा रामदेव

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के अमेरिकी-इजरायली हमले में मारे जाने पर बाबा रामदेव ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि आप व्यक्ति को तो मार सकते हैं, लेकिन उसके विचारों को नहीं। जब उनसे पूछा गया किखामेनेई को नेतन्याहू ने मार दिया, आपको क्या लगता है, यह सही है या गलत। इस पर बाबा रामदेव ने कहा, ''आप किसी व्यक्ति को मार सकते हो, लेकिन उसके जज्बे, विचार, दर्शन, सोच, वीरता को कम नहीं कर सकते।'' उन्होंने आगे कहा कि मैं बहुत ज्यादा नहीं जानता ईरान के बारे में, लेकिन इतना जरूर जानता हूं कि यह पैगंबर मुहम्मद के खानदान के रियल लोग हैं, जिन्हें शिया कहा जाता है। इन्हें न कोई हरा सकता है और न ही मिटा सकता है। कम से कम एक नहीं, नौ-दस करोड़ की आबादी में एक करोड़ से ज्यादा लोग खामेनेई के विचार को रोम-रोम से जीते हैं। आप कैसे उसे खत्म कर देंगे? यह अमेरिका की एक तरह से राजनैतिक अपरिपक्वता है। ट्रंप और नेतन्याहू को युद्ध और मानवता के अपराधी हैं। इसका युद्ध का खामियाजा 50-100 सालों तक इजरायल-अमेरिका को भुगतना होगा। न इसमें अमेरिका-इजरायल जीत सकते हैं और न तो इसमें ईरान हार सकता है। अमेरिका और इजरायल ने मिलकर हमला बोल दिया था।

कैग रिपोर्ट में खुला यमुना की दुर्दशा का कच्चा चिट्ठा, जल मंत्री बोले- सुधार के लिए शुरू हो चुका है काम

नईदिल्ली, एजेंसी। यमुना की खराब हालत और पानी-सीवर व्यवस्था की कमजोरियों को लेकर कैग रिपोर्ट में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने रखे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 200 एमजीडी से ज्यादा बिना ट्रीटमेंट का सीवेज सीधे यमुना में जा रहा है, जबकि 1000 से अधिक कॉलोनियां अब भी सीवर नेटवर्क से बाहर हैं। इस मुद्दे पर जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने माना कि वर्षों से चली आ रही व्यवस्थागत कमियों के कारण हालात बिगड़े हैं, लेकिन अब सरकार ने सुधार के लिए ठोस और समयबद्ध योजना पर काम शुरू कर दिया है।

मंत्री ने कहा कि दिल्ली को करीब 1200 एमजीडी पानी की जरूरत है, जबकि सप्लाई लगभग 1000 एमजीडी ही हो रही है। इसके अलावा नॉन-रेवेन्यू वाटर लॉस 45 से 53 फीसदी तक पहुंच गया है, जो सिस्टम की बड़ी कमजोरी को दिखाता है। करीब 30 लाख घरों में नियमित जल कनेक्शन नहीं होने से समस्या और बढ़ रही है। मंत्री ने कहा कि यमुना की सफाई का सबसे बड़ा रास्ता बिना ट्रीटमेंट वाले सीवेज को रोकना है। इसके लिए 35 नए और अपग्रेडेड सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाए जाएंगे और ट्रीटमेंट क्षमता 1500 एमजीडी तक बढ़ाई जाएगी। नजफगढ़ नाले समेत बड़े नालों का इन-सीटू ट्रीटमेंट भी योजना में शामिल है। उन्होंने दावा किया कि अगले 2 से 2.5 साल में ट्रीटमेंट क्षमता जरूरत से ज्यादा हो जाएगी। सीवर नेटवर्क को लेकर भी सरकार ने बड़ा लक्ष्य रखा है। अभी करीब 20 लाख घर इससे बाहर हैं। सरकार 1799 अनधिकृत कॉलोनियों तक सीवर लाइन पहुंचाने की दिशा में काम कर रही है।

पिछले एक साल में 180 किलोमीटर से ज्यादा नई लाइन बिछाई गई है और 400 से अधिक कॉलोनियों में काम जारी है। सेप्टिक टैंक सिस्टम में गड़बड़ियों को खत्म करने के लिए दिल्ली जल बोर्ड नई पारदर्शी व्यवस्था ला रहा है। इसमें डिजिटल बुकिंग और अपने टैंकर शामिल होंगे।

जल बोर्ड को 4988 करोड़ का नुकसान

विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने भी कैग रिपोर्ट के अहम बिंदु सदन में रखे। उन्होंने बताया कि जल नीति का अभाव, परियोजनाओं में देरी, भूजल प्रबंधन की कमी और करीब 4988 करोड़ रुपये के राजस्व नुकसान जैसे गंभीर मुद्दे सामने आए हैं। अध्यक्ष ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि रिपोर्ट पर तय समय में एक्शन टेकन नोट दें, ताकि संबंधित समितियां जांच शुरू कर सकें। दिल्ली के सरकारी विश्वविद्यालयों की हालत पर कैग रिपोर्ट ने कई चौंकाने वाले तथ्य सामने रखे हैं। कुछ विश्वविद्यालयों की हालत बेहद खराब है। दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी आज भी एक स्कूल की बिल्डिंग में चल रही है, जबकि तीन विश्वविद्यालयों में कुल मिलाकर केवल तीन छात्र ही दाखिल हैं। पिछले साल भी यह संख्या सिर्फ 20 थी। इसी तरह दिल्ली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी सीमित कमरों में चल रही है और वहां पढ़ने वाले छात्रों के भविष्य को लेकर भी स्पष्टता नहीं है। विधानसभा में शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने बताया कि रिपोर्ट से साफ है कि पिछले वर्षों में उच्च शिक्षा व्यवस्था में गंभीर गड़बड़ियां रही हैं। दिल्ली विधानसभा में 2018 से 2023 के बीच विश्वविद्यालयों के कामकाज पर आई कैग रिपोर्ट को लेकर सरकार ने बड़ा खुलासा किया। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने सदन में कहा कि रिपोर्ट ने विश्वविद्यालयों की कार्यप्रणाली, नीतियों और प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। रिपोर्ट में वित्तीय कुप्रबंधन, मानव संसाधन की कमी और अकादमिक स्तर पर कमजोरियों को साफ तौर पर उजागर किया गया है। कई फैसले बिना योजना के लिए गए, जिनका असर आज भी दिख रहा है। दिल्ली स्किल एंड एंटरप्रेन्योरशिप यूनिवर्सिटी का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा कि पॉलिटेक्निक संस्थानों को इसमें शामिल तो कर दिया गया, लेकिन इससे छात्रों और शिक्षकों के सामने अनिश्चितता पैदा हो गई। कई जगह छात्र और शिक्षक दोनों विरोध कर रहे हैं। कैग रिपोर्ट से पता चला कि 16 साल तक एडमिशन सिस्टम सही तरीके से काम नहीं किया। न स्पष्ट एडमिशन पॉलिसी थी, न माइग्रेशन का सिस्टम। पांच साल तक विश्वविद्यालयों के ऑडिटेड अकाउंट्स भी सदन में पेश नहीं किए गए।

क्या कार्रवाई की गई है, और कैसे?

टेल्मिसार्टन सहित कई बीपी दवाएं गुणवत्ता टेस्ट में फेल, मरीजों के लिए बढ़ा 'साइलेंट' खतरा

नई दिल्ली, एजेसी। पूरे देश में, 'टेल्मिसार्टन' हाई ब्लड प्रेशर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवा के कई ब्रांड और बैच सरकारी क्वालिटी टेस्ट में फेल हो गए हैं। भारत सरकार के सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, अलग-अलग कंपनियों द्वारा बनाई गई ब्लड प्रेशर की दवाओं में क्वालिटी से जुड़ी कमियां (खास तौर पर, 'घुलने में विफलता ') पाई गई हैं। इससे यह खतरा पैदा हो गया है कि मरीज़ों का ब्लड प्रेशर बिना किसी लक्षण या चेतावनी के अनियंत्रित रह सकता है। आधिकारिक जांच में, टेल्मिसार्टन के कई ब्रांड और बैच 'स्टैंडर्ड क्वालिटी के नहीं' पाए गए। नतीजतन, पूरे देश में एक बढ़ते, खामोश स्वास्थ्य खतरे जो बिना किसी स्पष्ट संकेत के सामने आता है, उसको लेकर चिंताएं और गहरी हो गई हैं। जांच से पता चला कि जहां अलग-अलग कंपनियां इस दवा को अलग-अलग ब्रांड नामों से बनाती हैं, वहीं लगभग दस अलग-अलग दवा निर्माताओं के प्रोडक्ट क्वालिटी टेस्ट में फेल हो गए। इन दवाओं में पाई गई सबसे बड़ी कमी 'घुलने में विफलता' थी। एक ऐसी स्थिति जिसमें दवा शरीर के अंदर ठीक से घुल नहीं पाती है। इसके परिणामस्वरूप, दवा की असरदारता या तो काफी कम हो जाती है या वह पूरी तरह से बेअसर हो जाती है। कुछ मामलों में, जांच में 'एसे विफलता' (एक ऐसी स्थिति जहां दवा में मौजूद असली एक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रीडिएंट तय मानक से कम होता है या पूरी तरह से गायब होता है) भी सामने आई। खास बात यह है कि यह समस्या सिर्फ टेल्मिसार्टन तक ही सीमित नहीं है; रिपोर्ट बताती है कि ब्लड प्रेशर की अन्य दवाओं-जैसे एनालाप्रिल,

एटेनोलोल, मेटोप्रोलोल और लैबेटालोल के बैच भी टेस्टिंग के दौरान क्वालिटी मानकों को पूरा करने में फेल रहे। यह साफ है कि यह समस्या किसी एक कंपनी की दवा तक सीमित नहीं है, बल्कि कई निर्माताओं द्वारा बनाए गए दवाओं के बैचों को प्रभावित करती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, यह स्थिति विशेष रूप से खतरनाक है क्योंकि मरीज़ों को कोई संकेत नहीं मिलता कि उनकी दवा बेअसर है। न तो कोई साइड इफ़ेक्ट दिखाई देते हैं, और न ही कोई तत्काल शारीरिक बदलाव होते हैं जो मरीज़ को सचेत कर सकें। हालांकि, इन दवाओं का लगातार इस्तेमाल करने के बावजूद, मरीज़ का ब्लड प्रेशर अनियंत्रित ही रहता है। इससे दिल के दौरे और स्ट्रोक का खतरा काफी बढ़ जाता है। नियमों के अनुसार, क्वालिटी टेस्ट में फेल हुए दवाओं के बैचों को बाज़ार से वापस मंगाने के निर्देश जारी किए गए हैं। संबंधित कंपनियों से स्पष्टीकरण माँगे गए हैं; यदि उनकी कोई गलती साबित होती है, तो लाइसेंस रद्द करने, उत्पादन पर रोक लगाने या अन्य कानूनी कार्रवाई जैसी कदम उठाए जाएँगे।

ईरान के चक्रव्यूह में घिरा इस्राइल: हिजबुल्ला और हमास के बाद अब यमन से भी हुए मिसाइल हमले

तेलअवीव, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध अब नए और खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। इस्राइल अब सिर्फ ईरान, हिजबुल्ला और हमास से ही नहीं, बल्कि यमन से भी हमलों का सामना कर रहा है। यमन से पहली बार मिसाइल दागे जाने के बाद हालात और गंभीर हो गए हैं। इससे साफ संकेत मिल रहा है कि इस्राइल अब चारों तरफ से घिरता जा रहा है और प्रधानमंत्री नेतन्याहू के सामने बड़ा संकट खड़ा हो गया है।

इस्राइली सेना के मुताबिक, शनिवार सुबह यमन की ओर से एक मिसाइल दागी गई। इसके बाद बीयर शेबा और परमाणु रिसर्च सेंटर के आसपास सायरन बजने लगे। इससे पहले भी ईरान और हिजबुल्ला लगातार हमले कर रहे थे। यमन के हूती विद्रोही, जो तेहरान समर्थित माने जाते हैं। वो अब इस युद्ध में खुलकर उतरते दिख रहे हैं, हालांकि उन्होंने इस हमले की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

हूती विद्रोही लंबे समय से यमन की राजधानी सना पर कब्जा किए हुए हैं। अब उनके प्रवक्ता ने साफ संकेत दिया है कि अगर ईरान पर हमले जारी रहे तो वे सीधे सैन्य कार्रवाई कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि उनकी उंगलियां ट्रिगर पर हैं। इससे यह साफ हो गया है कि युद्ध का दायरा और बढ़ सकता है। इस्राइल पर एक साथ कई दिशाओं से दबाव बढ़ रहा है। ईरान लगातार मिसाइल हमले कर रहा है। हिजबुल्ला लेबनान से हमला कर रहा है। गाजा से हमास सक्रिय है और अब यमन से भी खतरा बढ़ गया है। इससे इस्राइल की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा दबाव बन गया है।

वेलफेयर फ्रॉड को रोकने के लिए अमेरिकी सरकार ने बनाया टास्क फोर्स

वॉशिंगटन , एजेंसी। ट्रंप सरकार ने वेलफेयर प्रोग्राम में फ्रॉड पर रोक लगाने के लिए एक फेडरल टास्क फोर्स शुरू की है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने चेतावनी दी है कि यह समस्या बहुत बड़ी परेशानी बन गई है जिससे टैक्सपेयर का पैसा खत्म हो रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों की एक मीटिंग में उपराष्ट्रपति वेंस ने कहा कि सरकार एंटी-फ्रॉड सेफगार्ड्स को फिर से लागू करेगा और फेडरल बेनिफिट प्रोग्राम्स में गलत इस्तेमाल का पता लगाने के लिए क्रॉस-डिपार्टमेंटल कोऑर्डिनेशन लागू करेगा। उन्होंने कहा, 'हमें फ्रॉड के मुद्दे को गंभीरता से लेना होगा। सालों से मौजूद प्रोटेक्शन बंद कर दिए गए थे और उन्हें फिर से लागू करने की जरूरत थी। हम उन एंटी-फ्रॉड प्रोटेक्शन को फिर से चालू करने जा रहे हैं। '

उन्होंने कहा कि इस कोशिश में पूरी सरकार का नजरिया शामिल होगा, जिसमें स्वास्थ्य, हाउसिंग, कृषि और वित्त के कामों को संभालने वाली एजेंसियों को एक साथ लाया जाएगा ताकि गड़बड़ियों की पहचान की जा सके और इंटेलिजेंस शेयर की जा सके। वेंस ने कहा, 'यह सिर्फ अमेरिकी लोगों के पैसे की चोरी नहीं है, यह उन जरूरी सेवाओं की भी चोरी है जिन पर अमेरिकी लोग भरोसा करते हैं। '

उन्होंने मिनेसोटा में मेडिकेड से जुड़ी सेवाओं का उदाहरण देते हुए आरोप लगाया कि धोखाधड़ी की गतिविधियों के कारण ऑटिज्म से प्रभावित बच्चों और उनके परिवारों के लिए निर्धारित लाखों-करोड़ों

डॉलर का फंड दूसरी जगह भेज दिया गया। बता दें, ऑटिज्म एक एक न्यूरो-डेवलपमेंटल स्थिति है, जिसमें व्यक्ति को सामाजिक बातचीत, सामान्य बातचीत और व्यवहार में चुनौतियां आती है। उन्होंने कहा, 'ऐसे परिवार हैं जिन्हें इन सेवाओं की जरूरत है, जो इन्हें नहीं ले पा रहे हैं क्योंकि लोग फ्रॉड स्कीम से अमीर हो रहे हैं।' टास्क फोर्स को लीड कर रहे एक अधिकारी ने कहा कि फ्रॉड ने सरकारी प्रोग्राम्स पर लोगों का भरोसा खत्म कर दिया है और अगर इसे रोका नहीं गया तो इसके बड़े नतीजे होंगे। अधिकारी ने कहा, 'स्कैम उस सामाजिक भरोसे को खत्म कर देता है जिस पर ये प्रोग्राम और हमारा पूरा देश निर्भर करता है।' उन्होंने इस संकट को अस्तित्व का खतरा बताया और इससे निपटने के लिए एक राष्ट्रीय रणनीति बनाने का वादा किया। अधिकारी ने आगे कहा कि टास्क फोर्स अपराधियों पर मुकदमा चलाने और फेडरल बेनिफिट सिस्टम में जवाबदेही सुनिश्चित करने में न्यायिक विभाग की मदद करेगी। व्हाइट हाउस के सीनियर सलाहकार स्टीफन मिलर ने कहा कि कई वेलफेयर प्रोग्राम लिमिटेड वेरिफिकेशन के साथ चलते हैं, जिससे गलत इस्तेमाल बढ़ता है। उन्होंने कहा, 'हमारी सभी प्रणालियां एक उच्च-विश्वास वाली समाज के लिए बनाई गई थीं। कुछ मामलों में तो लोगों के नामांकन से पहले किसी तरह का सत्यापन भी नहीं किया जाता। उन्होंने आरोप लगाया कि लोग बिना चेक के बेनिफिट पाने के लिए व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी को गलत तरीके से बता सकते हैं। अमेरिकी अधिकारी ने इसे अमेरिकी टैक्सपेयर के डॉलर की बड़ी चोरी बताया। मिलर ने पॉलिटिकल विरोधियों पर एनफोर्समेंट मैकेनिज्म को कमजोर करने और ओवरसाइट की कोशिशों का विरोध करने का भी आरोप लगाया और कहा कि प्रोग्राम डेटा की जांच करने की कोशिशों को रोक दिया गया था। वेंस ने कहा कि टास्क फोर्स को कैबिनेट में सभी का समर्थन है और वह जस्टिस विभाग में नए नेतृत्व के साथ मिलकर एंटी-फ्रॉड एनफोर्समेंट को तेज करने के लिए काम करेगी।

इंडोनेशिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लागू, माता-पिता ने सराहा

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया ने शनिवार से 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लागू करना शुरू कर दिया। नए सरकारी नियम के तहत अब बच्चे यूट्यूब, टिकटॉक, फेसबुक, इंस्टाग्राम, थ्रेड्स, एक्स, बिगो लाइव और रोबॉक्स पर अकाउंट नहीं बना पाएंगे। सरकार का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य बच्चों को अश्लील फिल्में, साइबर बुलिंग, ऑनलाइन घोटाले और डिजिटल लत जैसी खतरनाक चीजों से सुरक्षित रखना है। इस निर्णय के साथ इंडोनेशिया दक्षिण-पूर्व एशिया का पहला देश बन गया है, जिसने बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर सख्त रोक लगाई।

लगभग 70 मिलियन बच्चों पर होगा लागू: इंडोनेशिया के संचार और डिजिटल मामलों की मंत्री मेटुया हफिद ने मार्च में इस नियम की घोषणा करते हुए बताया कि यह लगभग 70 मिलियन बच्चों पर लागू होगा। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि नियम का पालन कराना आसान नहीं होगा, क्योंकि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को नियमों के अनुरूप बनाना और 16 साल से कम उम्र के खातों को रिपोर्ट कराना चुनौतीपूर्ण है। मंत्री हफिद ने कहा यह निश्चित रूप से कठिन कार्य है, लेकिन हमें अपने बच्चों को बचाने के लिए कदम उठाने होंगे। इसे लागू करना आसान नहीं, लेकिन हमें इसे पूरा करना ही होगा।

माता-पिता ने सराहा: 13 वर्षीय मौरा मुन्थे, जो रोजाना लगभग चार घंटे सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेम्स पर बिताती हैं, ने नए नियम के बारे में कहा कि उनकी राय '50-50' है, लेकिन वे ज्यादातर इस निर्णय के पक्ष में हैं। उनकी मां लेनी सिनुराया ने कहा कि सोशल मीडिया के चलते माता-पिता ने अपने बच्चों पर नियंत्रण खो दिया है और यह कदम बच्चों की सुरक्षा के लिए सही है।

सिनुराया ने बताया, 'आजकल जब हम बच्चों को किसी रेस्तरां में देखते हैं, उनके हाथ में हमेशा फोन होता है। वे तब तक नहीं खाते जब तक उन्हें फोन नहीं दिया जाता, और अगर नहीं दिया तो वे हंगामा करते हैं। मील टाइम का मतलब है।

वॉशिंगटन में उड़ानों पर लगा ब्रेक, एयर ट्रैफिक सेंटर में रसायनिक दुर्गंध से ठप हुआ आसमान

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन और आसपास के इलाकों में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एयर ट्रैफिक कंट्रोल सेंटर में तेज केमिकल जैसी गंध आने के कारण कई बड़े एयरपोर्ट्स पर उड़ानों को रोकना पड़ा। अचानक लिए गए इस फैसले से यात्रियों को भारी परेशानी हुई और पूरे इलाके में हवाई सेवाएं कुछ समय के लिए ठप हो गईं। यह घटना सुरक्षा को लेकर बड़े सवाल भी खड़े कर रही है। जानकारी के मुताबिक, संघीय अधिकारियों ने बताया कि पोटोमैक ट्रैकन सेंटर में तेज रसायनिक दुर्गंध महसूस की गई, जिसके बाद तुरंत कार्रवाई करते हुए कई एयरपोर्ट्स पर फ्लाइट ऑपरेशन रोक दिए गए। जिन एयरपोर्ट्स पर असर पड़ा, उनमें रोनाल्ड रीगन वॉशिंगटन नेशनल एयरपोर्ट, वॉशिंगटन डलेस इंटरनेशनल एयरपोर्ट, बाल्टीमोर-वॉशिंगटन इंटरनेशनल एयरपोर्ट, शार्लोट्सविल-अलबेमार्ले एयरपोर्ट और रिचमंड इंटरनेशनल एयरपोर्ट शामिल हैं। यह सेंटर इन सभी क्षेत्रों की हवाई यातायात व्यवस्था संभालता है। पोटोमैक ट्रैकन एक टर्मिनल रडार अप्रोच कंट्रोल सुविधा है, जो वॉशिंगटन और आसपास के कई बड़े एयरपोर्ट्स की उड़ानों को कंट्रोल करती है। यहां से तय होता है कि कौन सी फ्लाइट कब लैंड करेगी और कब उड़ान भरेगी। ऐसे में यहां किसी भी तरह की तकनीकी या सुरक्षा समस्या का सीधा असर पूरे क्षेत्र की हवाई सेवाओं पर पड़ता है। फिलहाल इस गंध के पीछे की सटीक वजह साफ नहीं हो पाई है। हालांकि, अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर तुरंत उड़ानों को रोक दिया। बाद में जांच और सुरक्षा जांच के बाद हालात सामान्य होने लगे। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन की प्रवक्ता क्रिस्टन एल्सोप ने बताया कि कंट्रोलर धीरे-धीरे काम पर लौट रहे हैं और उड़ानें जल्द सामान्य हो जाएंगी। यह इस महीने दूसरी बार है जब इसी तरह की रसायनिक दुर्गंध के कारण उड़ानों को रोकना पड़ा है। इससे पहले भी करीब एक घंटे के लिए उड़ानें बंद करनी पड़ी थीं।

ग्रीन बजट सर्वसम्मति से पास होने के साथ ही विधानसभा सत्र का समापन

नईदिल्ली, एजेंसी। विधानसभा के बजट सत्र के आखिरी दिन वर्ष 2026-27 का ग्रीन बजट सर्वसम्मति से पास हो गया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और कैबिनेट मंत्रियों ने बजट पर चर्चा के दौरान इसकी खूबियां गिनाईं। इस दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि लगता है कि आम आदमी पार्टी ने सड़क पर ही रहने का फैसला कर लिया है। दिल्ली की जनता इन्हें अगली बार स्थायी सड़क पर ही कर देगी।

विधानसभा में शुक्रवार को बजट सत्र के अंतिम दिन ग्रीन बजट को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई। हालांकि बजट में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया गया, लेकिन चर्चा के दौरान राजनीतिक माहौल काफी गरम रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली अब नई दिशा में आगे बढ़ेगी, जहां हर रुपये का हिसाब होगा और अधूरे काम पूरे किए जाएंगे। सत्र के दौरान साइकिल वितरण योजना को लेकर हुई बयानबाजी पर मुख्यमंत्री नाराज दिखीं। उन्होंने कहा कि दिल्ली की बेटियों को लेकर किसी भी तरह की आपत्तिजनक टिप्पणी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विपक्ष की गैरहाजिरी सत्र में बड़ा मुद्दा बनी

आम आदमी पार्टी के विधायक लगातार सदन से दूर रहे, जिस पर सत्तापक्ष ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन्हें जनता ने अपनी आवाज उठाने के लिए चुना, वे ही सदन में नहीं आ रहे हैं। ऐसा लगता है कि विपक्ष ने अब सड़क की राजनीति करने का फैसला कर लिया है। जनता इसका जवाब चुनाव में देगी।

वित्तीय स्थिति पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने पिछली सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि पूर्व सरकार दिल्ली पर करीब 47,000 करोड़ रुपये का कर्ज छोड़कर गई,

जिसमें 27,547 करोड़ रुपये अभी भी बकाया है। इसके अलावा कई बड़ी परियोजनाएं अधूरी छोड़ी गईं, जिनकी जिम्मेदारी अब वर्तमान सरकार को उठानी पड़ रही है। एक्सप्रेसवे परियोजनाओं में करीब 3,700 करोड़ रुपये, मेट्रो से जुड़ी परियोजनाओं में 9,087 करोड़ रुपये, अस्पताल निर्माण में 2,000 करोड़ रुपये से ज्यादा और डीएमआरसी-पीडब्ल्यूडी इंटीग्रेटेड प्रोजेक्ट्स में 1,031 करोड़ रुपये की देनदारी मिली। कई स्कूल और अस्पताल वर्षों से अधूरे पड़े थे, जिससे उनकी लागत लगातार बढ़ती रही। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने इन लंबित देनदारियों को चुकाने का काम शुरू कर दिया है। खिलाड़ियों, स्कॉलरशिप, ईडब्ल्यूएस योजनाओं और किशोरी योजना से जुड़े भुगतान किए गए हैं। इसके अलावा एससी, एसटी और ओबीसी छात्रों की 114 करोड़ रुपये की ट्यूशन फीस और दिल्ली सरकार के कॉलेजों की 538 करोड़ रुपये की देनदारी भी निपटाई गई है। उन्होंने पीडब्ल्यूडी की एक परियोजना का जिक्र करते हुए कहा कि बिना काम किए 250 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था, जो गंभीर अनियमितता को दर्शाता है। सीएम ने कहा कि डीटीसी करीब 99,000 करोड़ रुपये के घाटे में है, जबकि दिल्ली जल बोर्ड 91,000 करोड़ रुपये के नुकसान में चल रहा है। जल बोर्ड की बिलिंग प्रणाली को उन्होंने पूरी तरह विफल बताया, जिसके कारण लोगों को गलत और ज्यादा बिल मिले। अब सीएम प्रगति पोर्टल शुरू किया गया है, जिसके जरिए सभी परियोजनाओं की निगरानी होगी और उन्हें तय समय में पूरा किया जाएगा। सीएम ने कहा, मुनक नहर पर 5000 करोड़ रुपये की लागत से एलिवेटेड रोड, मेट्रो विस्तार, ईवी ट्रांजिशन और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे कदम उठाए जा रहे हैं। पर्यावरण के क्षेत्र में पहली बार 4200 हेक्टेयर रिज क्षेत्र को वन घोषित किया गया है और अगले चार वर्षों में 35 लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

चिह्नित बिरसा हरित गांवों के हर व्यक्ति को कृषि गतिविधियों में शामिल करें : उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में जरीडीह एवं नावाडीह प्रखंड अंतर्गत संचालित कृषक पाठशालाओं की प्रगति एवं क्रियान्वयन की स्थिति को लेकर विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला कृषि पदाधिकारी मो. शाहिद, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी सहित संबंधित एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक के दौरान उपायुक्त ने कृषक पाठशालाओं की वर्तमान स्थिति की गहन समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि अधिक से अधिक किसानों को इन पाठशालाओं से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि कृषक पाठशालाएं केवल प्रशिक्षण केंद्र न रहकर किसानों के लिए व्यवहारिक सीखने का मंच बनें, जहां वे उन्नत कृषि तकनीकों, आधुनिक उपकरणों, उन्नत बीजों, सिंचाई प्रबंधन एवं फसल विविधीकरण के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त कर सकें।

बिरसा हरित गांव के प्रत्येक व्यक्ति को कृषि गतिविधियों से जोड़ने पर बल

उपायुक्त ने विशेष रूप से चिन्हित बिरसा हरित गांव पर ध्यान केंद्रित करते हुए निर्देश दिया कि इन गांवों के प्रत्येक परिवार एवं व्यक्ति को कृषि अथवा उससे संबंधित गतिविधियों में शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि यह पहल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने एवं किसानों की आय में वृद्धि करने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके लिए संबंधित विभागों को समन्वय स्थापित कर कार्य करने की आवश्यकता है।

कैश क्रॉप एवं उन्नत फसलों की खेती को बढ़ावा देने का निर्देश

उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पारंपरिक खेती के साथ-साथ किसानों को कैश क्रॉप एवं उन्नत फसलों की खेती के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की भौगोलिक एवं जलवायु परिस्थितियों के अनुसार उपयुक्त फसलों का चयन कर उनकी खेती को बढ़ावा दिया जाए। साथ ही, ऐसे प्रगतिशील किसानों की पहचान कर उन्हें मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया जाए, जिन्होंने नई तकनीकों को अपनाकर बेहतर उत्पादन हासिल किया है। इससे अन्य किसानों को भी प्रेरणा मिलेगी और कृषि क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आएगा।

कृषक पाठशालाओं के कार्यों की समीक्षा, कार्यानुसार भुगतान का अनुमोदन

समीक्षा के क्रम में कृषक पाठशालाओं के अंतर्गत किए गए विभिन्न कार्यों का बिंदुवार मूल्यांकन किया गया। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति के अनुरूप ही संबंधित एजेंसियों को भुगतान किया जाए। इसी क्रम में उन्होंने अब तक संपन्न कार्यों के आधार पर भुगतान का अनुमोदन प्रदान किया, साथ ही भविष्य में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश भी दिए।

सतत निगरानी हेतु प्रखंड स्तरीय समिति गठित करने का निर्देश

कृषक पाठशालाओं के कार्यों की निरंतर मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपायुक्त ने उप विकास आयुक्त को प्रखंड स्तरीय समिति गठित करने का निर्देश दिया। यह समिति नियमित रूप से कार्यों की प्रगति की समीक्षा करेगी। उपायुक्त ने कहा कि कृषक पाठशालाएं किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से किसानों की आय में वृद्धि, कृषि उत्पादकता में सुधार एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को समन्वित प्रयास करते हुए योजनाओं को धरातल पर प्रभावी रूप से लागू करने का निर्देश दिया।

सभी के सहयोग और अपने कर्तव्य के प्रति प्रतिबद्धता के कारण रामनवमी शांति व सौहार्द के साथ सम्पन्न : उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रामनवमी के पावन अवसर पर बोकारो जिला में निकले सभी जुलूस शुक्रवार देर रात शांति, सौहार्द और गरिमा के साथ संपन्न हुए। यह हम सभी के लिए गर्व और संतोष का विषय है।

प्रशासनिक समर्पण और उत्कृष्ट समन्वय

उपायुक्त ने कहा कि इस सफलता के पीछे पुलिस अधीक्षक, दोनों अनुमंडल पदाधिकारी सहित सभी दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, पुलिस जवान, होमगार्ड, चौकीदार, मीडिया कर्मियों एवं स्वयं सेवकों की अथक मेहनत, समर्पण और सजगता है। आप सभी ने अपनी-अपनी पूजा को छोड़कर दिन-रात ड्यूटी निभाते हुए न केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखी, बल्कि ह्हटीम बोकारोह्व की एकता, अनुशासन और प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। यह प्रयास केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि समाज के प्रति आपकी गहरी निष्ठा और सेवा भावना को दशार्ता है।

जन सहभागिता और जन प्रतिनिधियों का योगदान

उन्होंने सभी अखाड़ा समितियों, शांति समिति के सदस्यों तथा जिले के सभी माननीय विधायकों सहित सभी जनप्रतिनिधियों को भी बधाई दी। भगवान श्रीराम के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण संदेश है-धर्म, मयार्दा और कर्तव्य के प्रति अडिग रहना, चाहे परिस्थितियाँ कितनी भी चुनौतीपूर्ण क्यों न हों।

पेटरवार घटनाः त्वरित राहत और उपचार

उपायुक्त ने कहा कि अपवाद स्वरूप पेटरवार के खेतको में हुई एक दुखद घटना में विद्युत करंट के कारण 7 लोगों को बहुत मामूली चोट (2-3% बर्न) आई है। उन्हें बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) में ऑब्जर्वेशन के लिए रखा गया है और आज वे घर जा सकेंगे। स्थानीय प्रशासन, पुलिस और स्थानीय विधायक, बेरमो द्वारा ससमय और तत्परता से राहत प्रदान की गई। घायलों को ग्रीन कॉरिडोर की तरह शीघ्र अस्पताल पहुंचाया गया। अंत में उपायुक्त अजय नाथ झा ने सभी को ह्रदय से धन्यवाद दिया और ह्हटीम बोकारोह्व के प्रत्येक सदस्य को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दी। कहा कि इसी समर्पण और एकजुटता के साथ हम आगे भी हर चुनौती का सफलतापूर्वक सामना करेंगे।

पीएम कुसुम योजना को लेकर जिला स्तरीय समीक्षा बैठक, 1828 आवेदन स्वीकृत

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शनिवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा ने पीएम कुसुम योजना 2025-26 के अंतर्गत जिला स्तरीय कमेटी की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में योजना के तहत प्राप्त आवेदनों की प्रगति, भौतिक सत्यापन एवं स्वीकृति की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। योजना के अंतर्गत कुल 1850 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए थे। सभी आवेदनों का भौतिक सत्यापन प्रखंड विकास पदाधिकारियों द्वारा किया गया, जिसमें 22 आवेदन अस्वीकृत किए गए, जबकि 1828 आवेदन स्वीकृति योग्य पाए गए। प्रखंडवार समीक्षा के दौरान बेरमो, चंदनकियारी, चंद्रपुरा, गोमिया एवं कसमार के सभी आवेदन स्वीकृति योग्य पाए गए। वहीं, चास में 15, जरीडीह में 3, नावाडीह में 3 तथा पेटरवार में 1 आवेदन अस्वीकृत किए गए।

कम आवेदन वाले प्रखंडों में करें प्रचार - प्रसार

बैठक के क्रम में उपायुक्त ने कम आवेदन प्राप्त होने वाले प्रखंडों में सुधार को लेकर रणनीति बनाकर कार्य करने। जिला कृषि पदाधिकारी को किसानों के बीच योजना को लेकर व्यापक प्रचार प्रसार का निर्देश दिया। उपायुक्त ने योजना के नोडल पदाधिकारी श्री शक्ति कुमार को निर्देश दिया कि स्वीकृत आवेदनों को शीघ्र अग्रेतर कार्रवाई हेतु भेजा जाए, ताकि लाभुकों को योजना का लाभ समय पर मिल सके। बैठक में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, जिला कृषि पदाधिकारी मो. शाहिद, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बीजीएच में घायलों का उपायुक्त ने जाना कुशल-क्षेम, बेहतर इलाज के दिए निर्देश

रामनवमी पर्व के दौरान खेतको में हुई घटना का मामला, एसडीओ बेरमो को दिया जांच का आदेश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शुक्रवार को खेतको में हुई घटना को लेकर शनिवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने संज्ञान लेते हुए बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) पहुंचकर घायलों का कुशल-क्षेम जाना। उन्होंने भर्ती घायलों (मिथिलेश ठाकुर, अनिल रविदास, गुलाब चंद्र दास, मदन कुमार नायक, शुभम कुमार दास एवं रूद्र दास) से मुलाकात कर उनकी स्थिति की जानकारी ली तथा चिकित्सा पदाधिकारियों से विस्तृत विवरण प्राप्त किया। सभी स्वस्थ्य है एवं छोटी - मोटी उपचार जारी है।

बेहतर इलाज के लिए दिए निर्देश

उपायुक्त ने ईलाजरत चिकित्सकों को निर्देश दिया कि सभी घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इलाज में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं हो और सिविल सर्जन डा. ए बी प्रसाद को सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए।

प्रशासन की तत्परता से टली बड़ी घटना

घटना के दौरान जिला प्रशासन की त्वरित एवं एहतियाती कार्रवाई के कारण एक बड़ी दुर्घटना टल गई। प्रशासन ने तत्काल ग्रीन कॉरिडोर बनाकर सभी घायलों को शीघ्र अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बीजीएच में भर्ती कराया गया।

जांच के लिए टीम गठित

घटना की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए अनुमंडल पदाधिकारी, बेरमो के नेतृत्व में एक जांच टीम गठित की गई है। टीम को एक सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

स्वस्थ होकर भगवान श्रीराम एवं हनुमान जी को चढ़ाएं लड्डू

उपायुक्त ने उपचार के बाद स्वस्थ होने पर सभी घायलों को भगवान श्री राम एवं हनुमान जी को लड्डू चढ़ाएं और इस तरह की घटना की पुनरावृति नहीं हो इसके लिए दूसरे को भी जागरूक करें। कहा कि, प्रशासन अगर कोई दिशा - निर्देश जारी करता है, तो उसका अक्षरशः अनुपालन जरूरी है। इसके पीछे आमजनों की सुरक्षा - उनका हित छुपा होता है। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान नहीं दें और शांति एवं सहयोग बनाए रखें। जानकारी हो कि, कल पेटरवार थाना क्षेत्र के खेतको में रामनवमी जुलूस के दौरान करंट की चपेट में आ जाने से 06 लोग हल्के रूप से घायल हो गये थे।

लोक अदालत, मध्यस्थता जागरूकता कार्यक्रम तथा मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण पर कार्यशाला

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बोकारो द्वारा, झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बोकारो अनिल कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में आज लोक अदालत, मध्यस्थता जागरूकता कार्यक्रम तथा मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस सत्र के संसाधन/रिसोर्स पर्सन श्री ए.के. राय रहे। उन्होंने मध्यस्थता की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह विवादों के समाधान का एक सरल, त्वरित और किफायती माध्यम है। उन्होंने मध्यस्थता को जन-जन तक पहुँचाने की आवश्यकता पर बल दिया। मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण पर कार्यशाला इस कार्यशाला का संचालन आनंद वर्धन, चीफ एल.ए.डी.सी.एस बोकारो ने किया। उन्होंने मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत दावों की प्रक्रिया, पीड़ितों के अधिकार तथा न्यायालयीन कार्यवाही की व्यावहारिक जानकारी दी। इस कार्यशाला का उद्देश्य वादकारियों, अधिवक्ताओं तथा विधिक सहायता रक्षा अधिवक्ताओं को मोटर दुर्घटना दावों के संबंध में जागरूक एवं सक्षम बनाना था। इस कायार्शाला में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार बोकारो श्री अरुण कुमार दुबे, मध्यस्थगण, एल.ए.डी.सी. एस. के सदस्यगण, पैनल अधिवक्तागण, पैरा लीगल वॉलंटियर्स, तथा इत्यादि उपस्थित रहे।

मासिक लोक अदालत

साथ ही मासिक लोक अदालत हेतू 06 बेंचों का गठन किया गया जिसमें व्यवहार न्यायालय बोकारो में तीन (03) एवं अनुमंडल न्यायालय तेनुघाट में दो (03) बेंच का गठन किया गया।

संक्षिप्त समाचार

तेनुघाट व्यवहार न्यायालय में लगी लोक अदालत

तेनुघाट/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। तेनुघाट व्यवहार न्यायालय में सर्वोच्च न्यायालय, झारखंड उच्च न्यायालय और जिला जज बोकारो के निदेर्शानुसार आज मासिक लोक अदालत लगाया गया। उक्त मासिक लोक अदालत में तीन बेंच का गठन किया गया था। प्रथम बेंच में कुटुंब न्यायालय प्रेम नाथ पांडेय एवं अधिवक्ता शैलेश कुमार सिन्हा, दूसरे बेंच पर प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी राज कुमार पांडेय एवं अधिवक्ता सुजीत कुमार जयसवाल तथा तीसरे बेंच पर प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी रश्मि अग्रवाल एवं विनोद कुमार गुप्ता मौजूद थे। अनुमंडल विधिक सेवा प्राधिकार समिति के सचिव सह एसडीजेएम रश्मि अग्रवाल ने देते हुए बताया कि आयोजित लोक अदालत और राष्ट्रीय लोक अदालत में फरियादियों के भीड़ को देखकर यह पता चलता है की लोक अदालत से आमजन काफी खुश है और अपनी समस्याओं का समाधान करवा रहे हैं। कहा कि पूरे वर्ष में हजारों मामलों का निष्पादन लोक अदालत के द्वारा कराया गया। आगे बताया कि शनिवार 28 मार्च को लगे लोक अदालत में एक मामले का निष्पादन और 50,000 रुपए की समझौता राशि वसूल किए गए।

तेनुघाट महाविद्यालय में स्नातक की परीक्षा जारी

तेनुघाट/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय धनबाद द्वारा स्नातक कला, वाणिज्य, एवं विज्ञान सेमेस्टर 7 सत्र 2022 -26 की परीक्षा आयोजित की जा रही है। तेनुघाट महाविद्यालय तेनुघाट में भी परीक्षा चल रही है। तेनुघाट महाविद्यालय में के वी कॉलेज बेरमो का परीक्षा केंद्र बनाया गया है। उक्त परीक्षा दिनांक 24 मार्च 2026 से प्रारंभ है जो 7 अप्रैल 2026 तक चलेगी। आज द्वितीय पाली की परीक्षा आयोजित की गई। जिसमें मे 16 की विभिन्न विषयों की परीक्षा हुई। जिसमे गणित में 15, जूलॉजी में 9, एंथ्रोपोलॉजी में 01, केमिस्ट्री में01, फिजिक्स में 06, साइकोलॉजी में 03, वाणिज्य में 102 परीक्षार्थियों की परीक्षा ली गई। जिसमें सभी उपस्थित रहे। उक्त जानकारी केंद्र अधीक्षक प्रोफेसर महावीर यादव एवं परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर धनंजय रविदास ने संयुक्त रूप से दी। उक्त परीक्षा को कराचार मुक्त एवं शांतिपूर्ण संपन्न कराने में महाविद्यालय के प्रोफेसर प्रेम सागर प्रसाद, प्रोफेसर रावण मांझी, प्रोफेसर कालीचरण महतो, प्रमोद कुमार, विनय यादव एवं प्रेम कुमार सहित महाविद्यालय के सभी कर्मी अपना सहयोग दे रहे हैं।

स्टील सिटी बोकारो में होगी अभाविप की दो दिवसीय प्रदेश कार्यकारिणी बैठक

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद झारखंड प्रदेश की कार्यकारिणी की बैठक बोकारो में आयोजित होने वाली है। इस निमित्त अभाविप द्वारा एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य रूप से अभाविप झारखंड के प्रदेश सह मंत्री बम भोला उपाध्याय, बोकारो के जिला संयोजक पवन कुशवाहा एवं बोकारो महानगर सह मंत्री निक्की पांडे द्वारा संबोधित किया गया। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रदेश सह मंत्री बमभोला उपाध्याय ने बताया कि बोकारो जिले में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की दो दिवसीय प्रदेश कार्यकारिणी बैठक का आयोजन 31 मार्च से 1 अप्रैल 2026 तक सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, सेक्टर -9 डी में आयोजित होने जा रहा है । इस महत्वपूर्ण बैठक में प्रदेश भर के शिक्षण संस्थानों से अभाविप के छात्र नेता एवं शिक्षक , शिक्षाविद सम्मिलित होंगे। झारखंड के 'वर्तमान शैक्षणिक परिदृश्य' और 'राज्य की सामाजिक स्थिति' पर केंद्रित दो प्रमुख प्रस्तावों पर गहन मंथन किया जाएगा।विश्वविद्यालयों में फैल रहे भ्रष्टाचार और अराजकता के कारण शैक्षणिक वातावरण दूषित हो रहा है।

स्कूल ऑफ नर्सिंग के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से दिया स्वच्छता का संदेश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र के बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) स्थित स्कूल ऑफ नर्सिंग के प्रेक्षागृह में 'स्वच्छता पखवाड़ा 2026' के उपलक्ष्य में आज एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया. इस प्रेरणादायक कार्यक्रम में स्कूल ऑफ नर्सिंग की छात्राओं के साथ-साथ डीएवी इस्पात हाई स्कूल (सेक्टर 02सी एवं 08बी) के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की. इस पहल का मुख्य उद्देश्य दर्शकों, अस्पताल कर्मियों एवं जनसामान्य को स्वच्छ तथा स्वस्थ परिवेश के महत्व के प्रति जागरूक करना और स्वच्छता को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने हेतु प्रेरित करना था. कार्यक्रम का शुभारंभ एक प्रेरणादायक भाषण के साथ हुआ, जिसमें मानव जीवन में स्वच्छता की अपरिहार्य भूमिका पर प्रकाश डाला गया. इसके पश्चात विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों जैसे नुक्कड़ नाटक, नृत्य और गीतों के माध्यम से अपनी प्रस्तुति दी. प्रत्येक प्रस्तुति ने कचरा प्रबंधन, व्यक्तिगत स्वच्छता तथा अपने परिवेश को निर्मल रखने में प्रत्येक नागरिक के उत्तरदायित्व जैसे महत्वपूर्ण संदेशों को प्रभावी ढंग से संप्रेषित किया.

बीएसएल में दीर्घकालीन सेवा पुरस्कार समारोह का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र के मुख्य प्रेक्षागृह में आज 'दीर्घकालीन सेवा पुरस्कार' समारोह का आयोजन किया गया. इस गरिमामयी समारोह में संयंत्र में निरंतर 25 वर्षों की उत्कृष्ट एवं निष्ठापूर्ण सेवा पूर्ण करने वाले 123 इस्पातकर्मियों को सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अधिशासी निदेशक राजश्री बनर्जी के साथ अधिशासी निदेशक चित्त रंजन मिश्रा, अधिशासी निदेशक अनीश सेनगुप्ता, अधिशासी निदेशक (संकार्य) अनुप कुमार दत्त, अधिशासी निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ. बिभूति भूषण करुणामय तथा अधिशासी निदेशक (खान) विकास मनवती सहित विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक एवं अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे.

साडम के संतोषी मंदिर के प्रांगण में रामनवमी जुलुस में 65 अखाड़ों का मिलन

तेनुघाट/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गोमिया प्रखण्ड के साडम संतोषी माता मंदिर के प्रांगण में श्री श्री गणेश अखाड़ा साड़म में समिति के संरक्षक सह अध्यक्ष पूर्व मंत्री माधव लाल सिंह की देखरेख में श्री श्री महा रामनवमी महोत्सव बड़े ही आस्था और उमंग के साथ मनाया गया। पूर्व मंत्री माधव लाल सिंह ने कहा कि हमारे क्षेत्र के लोगों की आस्था और विश्वास के साथ हमें सहयोग प्राप्त होता है जिस कारण विगत 29 वर्षों से यह आयोजन बड़े ही शांति और आपसी भाईचारे के साथ संपन्न होता आ रहा है। इस आयोजन में 65 अखाड़ो का मिलन होता है। वहीं अखाड़ों में जिसकी सबसे अच्छी प्रदर्शनी रहती है उसे पूर्व मंत्री श्री सिंह के द्वारा प्रथम, द्वितीय और तृतिय पुरुष्कार देकर सम्मानित किया जाता है। वहीं इस आयोजन को सफल बनाने में गोमिया बीडीओ महादेव कुमार महतो, सीओ आफताब आलम, पुलिस इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार, गोमिया थाना प्रभारी रवि कुमार, तेनुघाट ओपी प्रभारी भजन लाल महतो, समाजसेवी शेखर प्रजापति, सूरज लाल सिंह, जिप सदस्य आकाश लाल सिंह, पूर्व जिप सदस्य प्रकाश लाल सिंह, डाक्टर धीरेंद्र करमाली, मुखिया शोभा देवी, धनंजय रविदास, निलेश प्रसाद, पंसस विष्णु लाल सिंह, चांदनी देवी, गीता देवी, उप मुखिया पंकज जैन, पूर्व उप मुखिया विकास जैन, अजीत नारायण प्रसाद, आकाश कुमार, मोहन मुरारी चौधरी, मनबोध डे, अशोक राम, देवकीनंदन राम, विजय प्रसाद, गौतम भण्डारी, राजेश भण्डारी, बलराम पासवान, संजय ठाकुर, विजय प्रसाद, अरुण डे, नारायण पाठक, भगवान दास, विद्यानंद प्रसाद, डीएन तिवारी, अजीत सहाय, पंकज कुमार, राजकुमार यादव, धर्मेन्द्र भण्डारी, रोहित यादव, बासुदेव यादव, सनत प्रसाद, सरोज चंद्रवंशी, जय प्रकाश रविदास, अनिल प्रसाद, बबलू राम, बिनोद जैन का रहता है।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला टी.बी. फोरम और कोमॉर्बिडिटी कमेटी की बैठक

टी.बी. जागरूकता अभियान की शुरुआत, उच्च जोखिम क्षेत्रों में कैंप और मरीजों के लिए पोषाहार वितरण का निर्देश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में जिला टी.बी. फोरम एवं कोमॉर्बिडिटी कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपाध्यक्ष उप-विकास आयुक्त बोकारो, सिविल सर्जन डॉ. अभय भुषण प्रसाद, उपाधीक्षक सदर अस्पताल डॉ. एन.पी. सिंह, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला आर.सी.एच. पदाधिकारी, जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी, सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी और अन्य सदस्य उपस्थित थे।

अभियान का किया शुभारंभ

बैठक का शुभारंभ दीप प्रज्वलित करके किया गया और टी.बी. के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु 100 दिन अभियान की शुरूआत की गई। इस अभियान के तहत प्रचार रथ को उपायुक्त महोदय द्वारा झण्डी दिखाकर रवाना किया गया, जो जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर टी.बी. जागरूकता संदेश पहुंचाएगा।

उच्च जोखिम क्षेत्रों में टी.बी. कैंप

उपायुक्त महोदय ने जिले में टी.बी. कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि टी.बी. के उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में विशेष कैंप आयोजित किए जाएं। साथ ही, सभी पदाधिकारी और कंपनियों के सीएसआर को निर्देशित किया गया कि 1920 टी.बी. रोगियों को गोद लेकर पोषाहार वितरण सुनिश्चित किया जाए।

जागरूकता और परीक्षण पर जोर

उप-विकास आयुक्त बोकारो ने जिले में जागरूकता बढ़ाकर अधिक से अधिक टी.बी. संदिग्ध मरीजों की जांच करवाने का निर्देश दिया। सिविल सर्जन डॉ. अभय भुषण प्रसाद ने कहा कि टी.बी., एचआइवी और मधुमेह जैसी बीमारियों की जांच कराते समय डेटा समय पर निक्षय पोर्टल पर दर्ज कराया जाए।

टी.बी. कार्यक्रम की जानकारी और धन्यवाद ज्ञापन

जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार ने टी.बी. कार्यक्रम और जागरूकता अभियान के उद्देश्यों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। अंत में, उन्होंने बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों और सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com